@NewsRotary /RotaryNewsIndia
May 2019
Vol.18, Issue 7 | Annual Subscription ₹ 420

रोटरी समाचार

शिकागो की सैर

शिकागो में पॉल हैरिस के घर के बाहर, रोटरी क्लब बेंगलोर ऑर्चर्ड्स् के अध्यक्ष डी रविशंकर और पत्नी पाओला।

रो ई अध्यक्ष बेरी रेसिन और एस्थर के साथ रविशंकर और पाओला।

रविशंकर और पाओला, PRIP के आर रविशंकर और TRF ट्रस्टी गुलाम वाहनवती के साथ।

विषयसूची

12 सेवा की भावना भारतीय रोटेरियन को परिभाषित करती है: मलोनी
नवनिर्वाचित रोई अध्यक्ष मार्क मलोनी के साथ एक एकांतिक वार्ता।

24 भारतीय डॉक्टर सर्जरी की आधुनिक तकनीकों को मेडागास्कर पहुँचाते है
अफ्रीकी द्वीप में चिकित्सा शिविर हजारों मरीजों का उपचार करता है।

30 शिकागो ने विधान परिषद के प्रतिनिधियों को किया चकाचौंद
शिकागो में हाल ही में सम्पन्न हुई विधान परिषद का एक वृत्तान्त।

34 रो ई DGयों के लिए 11 मिलियन डॉलर खर्च करता हैं: के आर रविंद्रन
नवनिर्वाचित मंडल नेतृत्वकर्ताओं के लिए कोलकाता में हुये दिशा प्रशिक्षण सेमिनार में PRIP के आर रविन्द्रन के संबोधन का सारांश।

40 रोटरी में महिलाओं के 31 वर्षों का उत्सव
कोचि में एक कॉन्कलेव के ज़रिए रो ई मंडल 3201 रोटरी में महिलाओं का ज़श्न मनाता हैं।

42 रोटरी क्लब मद्रास सेंट्रल जर्जर स्कूलों को हैप्पी स्कूलों में तब्दील कर रहा है
रोटरी के कारण, दो सरकारी स्कूलों को मिली बेहतर सुविधाएं।

48 रोटरी क्लब मीनंबाक्कम बच्चों के हृदय का इलाज़ करता हैं
इस क्लब ने CHD से पीढ़ित 100 बच्चों की ज़िंदगियों को बचाया है और अब अधिक करने के लिए तैयार है।

60 इस्तांबुल के तुर्की कबाब... और बुडापेस्ट
तुर्की के कुछ सबसे अच्छे व्यंजनों का एक संकलन।

कवर पर : मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज संग्रहालय में RIPE मार्क मलोनी और गे।

चित्र: जयश्री

आपके पत्र

वापी, भारतीय रोटरी के मुकुट में एक नगीना

रो ई निदेशक सी भास्कर स्वच्छता पर उनकी परिकल्पना को लेकर स्पष्ट है। ग्रामीण भारत, विशेष रूप से अविकसित गाँवों में, यह एक बड़ी समस्या है। समुदाय में परिवर्तन लाने के लिए रोटरी ने अनेक यादगार परियोजनाएं की है लेकिन हमें अभी भी बेहतर स्वच्छता के लिए अधिक नियोजन करने की आवश्यकता है।

अत्यधिक *पुष्पहार एक उत्कृष्ट* और बहुत ही रंगबिरंगा लेख था, जो हमारी परंपरा और विशेष अतिथियों का अभिनंदन करने की भारतीय संस्कृति का चित्रण करता है। एक अन्य रोचक लेख है वापी में रोटरी अस्पताल। सबसे सम्मानित नेतृत्वकर्ता, PRIP कल्याण बैनर्जी, का सपना है कि पूरा शहर ही भारत का एक प्रतिष्ठित रोटरी नगर बनें। वापी में हम जहाँ भी जाते है, हमें पूरे शहर में रोटरी की उपस्थिति नजर आती है, और यह हमारे नेतृत्वकर्ता की महानता को दर्शाता है। रोटरी भारत के मुकुट में वापी एक हीरा है।

सेहत हेतु सचेतन एक सूचनाप्रद एवं उपयोगी लेख है। बढ़िया तस्वीरों के साथ *मंडल गतिविधियाँ* वाकई में आकर्षक है और यह क्लबों द्वारा उनकी सामुदायिक परियोजनाएं जारी रखने का एक अच्छा प्रोत्साहन है। एक व्यक्ति को इसे कई दफा पढ़ना चाहिए ताकि पाठकों को मिलने वाले आनंद एवं संवर्धन को महसूस किया जा सके।

पी आर एन चन्द्र मौली
रोटरी क्लब बेरहामपुर
मिडटाउन - रो ई मंडल 3262

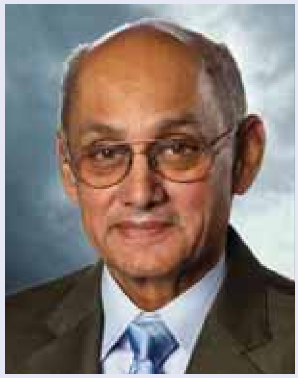

वापी के रोटरी अस्पताल पर लेख (मार्च अंक) एक दीर्घकालिक और मानवीय सेवा परियोजना के लिए बढ़िया प्रेरणात्मक कहानी है। रोटरी क्लब वापी ने स्कूली बच्चों, नर्सिंग स्कूलों, अस्पतालों एवं महाविद्यालयों के लिए ऐसी अनेक सेवा परियोजनाएं की है। इन सब चीजों के पीछे, एक महान रोटेरियन, PRIP कल्याण बेनर्जी का हाथ है। फरवरी 2007 में मुझे PRIP विल्फ विल्किंसन के साथ वापी जाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने मुझसे उनके साथ वापी तक चलने के लिए पूछा था और बेनर्जी की मौजूदगी में मैंने विल्किंसन को हरिया एल जी रोटरी अस्पताल की रोटरी एडवांस्ड इमेजिंग सेंटर की नींव डालते हुये देखा। फिर मैंने कल्याणदा का काम देखा... वह कितने दयालु, विनम्र, जमीन से जुड़े हुये, समर्पित, प्रतिबद्ध और जोशीले रोटेरियन है।

अश्विनी कर
रोटरी क्लब भुवनेश्वर मेडोस
रो ई मंडल 3262

एक सीधा, स्पष्ट संदेश

नवनिर्वाचित रो ई निदेशक भरत पंड्या के संबोधन *रोटरी को एक अस्थिर संगठन ना बनाएं* की रिपोर्टिंग करते हुये रशीदा भगत ने शब्दों को तोड़े-मरोड़े बिना कुछ बिन्दुओं को स्पष्ट रूप से सामने रखा है। ''बेकार नियोजन और अनुचित नेतृत्व पद एक अन्य कमी है।'' यह सच है। अनुचित नियोजन के साथ, बहुत से क्लब अनिच्छुक लोगों पर नेतृत्व की ज़िम्मेदारी थोपते है जिसमें वे बुरी तरह विफल होते है।

''मेरा क्लब भी ऐसा ही है, यही हमारी परंपरा है, हम हमारे क्लब में महिलाओं या युवा सदस्यों को नहीं चाहते।'' यह बात सच्चाई बयां करती है। कुछ विशेष क्लबों में, एक व्यक्ति या एक समूह, अध्यक्ष या उनके दल को नियंत्रित करना चाहते है और अपना हुकुम चलाना चाहते है। पूर्व अध्यक्षों एवं वरिष्ठ नेतृत्वकर्ताओं को सलाहकार होना चाहिए ना कि हावी होना चाहिए।

क्लब नेतृत्वकर्ताओं के पास एक रणनीति होनी चाहिए ताकि नए सदस्यों को नेतृत्व भूमिका अपनाने के लिए प्रेरित किया जा सके।

वीवी नारायणन
रोटरी क्लब चेन्नई के के नगर
रो ई रोई मंडल 3232

रोटरी न्यूज़ हुई 'चटपटी'

अप्रैल अंक में लेख *असली खाने के बारे में बात* उम्दा है। कुछ रसोई की चीज़ें मेरी यादे ताज़ा करती है। मैं खाने का शौकीन नहीं हूँ लेकिन सभी क्षेत्रों के सर्वश्रेष्ठ भोजन मुझे पसंद है। शुरू करने वालों के लिए, उसके विविध स्वरूप के साथ डोसा आनंदित कर देता है, बहुत से व्यंजनों के मध्य टेबल पर रखा सर्वोत्तम व्यंजन। जब मैं त्रिपलिकेन के मद्रास के. अय्यर पर मिलने वाले उत्तपम के बारे में सोचता हूँ तो मेरे मुंह में पानी आ जाता है, जहाँ पर एक कुटिया में बादाम का हलवा परोसा जाता है। बेंगलुरु में मवल्ली टिफिन में गोवा की विंडालू बहुत बढ़िया थी। यहाँ पर टिफिन चाँदी के बर्तनों में परोसा जाता था। आंध्र की फिश कड़ी, हैदराबाद की बिरयानी, केरल का अवियल, और गुंटूर का *अवकाय गोंगूरा*

आपके पत्र

चटनी और अन्य क्षेत्रीय व्यंजन आपकी जुबान पर चटपटा स्वाद छोड़ जाते है।

उत्तर में अलग तरह से तंदूर में व्यंजन पकाए जाते है। मनोरंजक कहानियों के मिश्रण के साथ ही रोटरी न्यूज़ भी चटपटी हो गई है।

जे वी रेड्डी - रो ई मंडल 3160

अच्छी कहानियों एवं रंगबिरंगी तस्वीरों के साथ मार्च अंक प्रभावशाली था। विभिन्न क्लबों की परियोजना गतिविधियाँ *(मंडल गतिविधियाँ)* पढ़ने में बहुत ही प्रेरणादायक थी। आपको और आपके सम्पादकीय दल को मेरी शुभकामनाएँ।

सुधीर कुमार गर्ग
रोटरी क्लब मुजफ्फरनगर - रोई मं डल 3100

रो ई सम्मेलन 2019 के अध्यक्ष जॉन ब्लौंट का लेख *सम्मेलन में अपने क्लब अध्यक्ष-निर्वाचित को भेजना* का मैंने पूर्णतया आनंद लिया। उन्होंने बहुत अच्छी तरह से अध्यक्ष-निर्वाचितों को रो ई सम्मेलन में भेजने के फ़ायदों को समझाया साथ ही वह क्लबों को अनुदान संचयन के लिए भी प्रेरित करते है।

एम वी सुब्रमण्यम
रोटरी क्लब प्रोद्दतुर - रो ई मंडल 3160

रोटरी क्लब पुणे डाउनटाउन के सहयोग से रोटरी क्लब मेट्टुपलायम द्वारा की गई LN-4 परियोजना उत्कृष्ट है। रो ई मंडल 3000 में, हमारी प्रथम महिला सरला कानन ने इस वर्ष उनके दल के साथ मिलकर इसी प्रकार का LN-4 शिविर आयोजित किया था। एस्टर ग्रुप के डॉक्टर आज़ाद मूपेन के रूप में बाढ़-प्रभावित केरल को एक दानकर्ता मिल गया जिन्होंने अपनी 20 प्रतिशत संपत्ति दान कर दी। हम उनकी भलाई की कामना करते है।

एस मुनियांडी
रोटरी क्लब डिंडीगुल फोर्ट - रो ई मंडल 3000

रोटरी सम्मेलन में अध्यक्ष निर्वाचितों को भेजना एक बहुत ही बढ़िया विचार है क्योंकी इससे उन्हें 200 से भी अधिक देशों के रोटेरियनों से मिलने का, विचारों के आदान-प्रदान करने का और अनुदान संचयन पर चर्चा करने का अवसर प्राप्त होगा। इस प्रकार क्लब रोटरी के बुनियादी मूल्यों को सीख पाएंगे: नेतृत्व, अखंडता, सेवा, विविधता और साहचर्य। जयश्री द्वारा लिखित *एक मदद भरा हाथ* एक असाधारण परियोजना है जहाँ रोटरी क्लब अपंग लोगों को कृत्रिम हाथ प्रदान करते है। समुदाय की सेवा करने हेतु रोटरी की एक अच्छी परियोजना।

नवीन आर गर्ग
रोटरी क्लब सुनाम - रो ई मंडल 3090

तमिल में रोटरी न्यूज़ को पढ़ना संतुष्टिदायक है। स्वच्छता पर रो ई निदेशक का संदेश, रो ई अध्यक्ष बैरी रेसिन का प्रेरणात्मक संदेश और रशीदा भगत द्वारा लिखित *रोटरी के लिए अवरोध का निर्माण ना* करें सभी पढ़ने में रोचक थे।

वापी में रोटरी अस्पताल, कृत्रिम हाथ, कथकली और डॉक्टर मूपेन पर अन्य लुभावने लेखों ने पाठकों को बांधे रखा। RIPE मार्क मलोनी के दौरे को अच्छी तस्वीरों एवं लेखों के साथ कवर किया गया है। तमिल में भी संस्करण निकालने के लिए आपको बधाइयाँ।

पोन मुत्तैय्या
रोटरी क्लब अड्डुराई - रो ई मंडल 2981

एक रोटेरियन के रूप में पूरी दुनिया घूमने के दौरान जो अनुभव मुझे हुये उसे रो ई अध्यक्ष बेरी रेसिन के शब्दों में उनके अप्रैल के संदेश में बखूबी बयां किया गया है। जब मैं दुनिया में कहीं भी जाता हूँ, तो साथी रोटेरियनों द्वारा मेरा स्वागत किया जाता है।

पिछले छह माह में, मैं छह देशों में नौ अलग-अलग रोटरी क्लबों के रोटेरियनों से मिला हूँ। एक सदस्य के रूप में रोटरी की तरफ से मिलने वाले अवसर की और वैश्विक रोटेरियनों से मुलाक़ात के दौरान मिलने वाले उत्कृष्ट सत्कार की मैं प्रशंसा करता हूँ।

रोटरेक्टरों के बारे में रेसिन ने जो बात बताई है वह उतनी ही महत्वपूर्ण है। शिशु मंदिर के रोटरेक्ट क्लब में जो ऊर्जा और उत्साह मैंने देखा वह कल्पना से परे है।

मनोज काबरे, रोटरी क्लब बैंगलोर
व्हाइटफील्ड सेंट्रल - रो ई मंडल 3190

सदस्यता में गिरावट को रोकें

आपकी पत्रिका के माध्यम से मैं रो ई अध्यक्ष बेरी रेसिन, RIPE मार्क मलोनी और RIPN सुशील गुप्ता का ध्यान सदस्यता में आती लगातार गिरावट के मुद्दे की ओर खींचना चाहता हूँ। आधे रो ई शुल्क पर साथियों को रोटरी से जुड़ने के लिए प्रेरित करें और गुणी सदस्यों की भर्ती करें। डीजीयों को उपस्थिति पर नज़र रखना चाहिए। पोलियो के बाद, अब नए स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रमों को अपनाने का समय है।

सनत जैन
रोटरी क्लब रायपुर हेरिटेज - रो ई मंडल 3261

चौतरफा कवरेज होने दें

कुछ समय से, मुझे *रोटरी न्यूज़* में दक्षिणी राज्यों की परियोजनाओं को अधिक कवरेज मिलते दिखाई दे रहा है। क्या यह बेहतर नहीं होगा कि पूरे देश की रोटरी परियोजनाओं को समान महत्ता दी जाए? इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए मैं कोई भी मदद देने के लिए तैयार हूँ।

रोटेरियन अनिल साहनी - रो ई मंडल 3011

हम पूरे भारत से परियोजना रिपोर्टों का स्वागत करते है। लेकिन दक्षिण के क्लब परियोजनाओं को साझा करने के मामले में अधिक अग्रसक्रिय है। अन्य क्षेत्रों के क्लबों को भी ऐसा करना चाहिए।

संपादक

अपने विचार संपादक को भेजें: rotarynews@rosaonline.org; rushbhagat@gmail.com **पर ई-मेल करें।**
Click on Rotary News Plus in our website www.rotarynewsonline.org to read about more Rotary projects.

Governors Council

RI Dist 2981	DG	S Piraiyon
RI Dist 2982	DG	Nirmal Prakash A
RI Dist 3000	DG	RVN Kannan
RI Dist 3011	DG	Vinay Bhatia
RI Dist 3012	DG	Subhash Jain
RI Dist 3020	DG	Guddati Viswanadh
RI Dist 3030	DG	Rajiv Sharma
RI Dist 3040	DG	Gustad Anklesaria
RI Dist 3053	DG	Priyesh Bhandari
RI Dist 3054	DG	Neeraj Sogani
RI Dist 3060	DG	Pinky Patel
RI Dist 3070	DG	Barjesh Singhal
RI Dist 3080	DG	Praveen Chander Goyal
RI Dist 3090	DG	Dr Vishwa Bandhu Dixit
RI Dist 3100	DG	Deepak Jain
RI Dist 3110	DG	Arun Kumar Jain
RI Dist 3120	DG	Stuti Agrawal
RI Dist 3131	DG	Dr Shailesh Palekar
RI Dist 3132	DG	Vishnu S Mondhe
RI Dist 3141	DG	Shashi Sharma
RI Dist 3142	DG	Dr Ashes Ganguly
RI Dist 3150	DG	Ramesh Vangala
RI Dist 3160	DG	Konidala Muni Girish
RI Dist 3170	DG	Ravikiran Janradan Kulkarni
RI Dist 3181	DG	Rohinath P
RI Dist 3182	DG	Abhinandan A Shetty
RI Dist 3190	DG	Suresh Hari S
RI Dist 3201	DG	A Venkatachalapathy
RI Dist 3202	DG	Dr E K Ummer
RI Dist 3211	DG	E K Luke
RI Dist 3212	DG	K Raja Gopalan
RI Dist 3231	DG	C R Chandra Bob
RI Dist 3232	DG	Babu Peram
RI Dist 3240	DG	Dr Sayantan Gupta
RI Dist 3250	DG	Kumar Prasad Sinha
RI Dist 3261	DG	Nikhilesh M Trivedi
RI Dist 3262	DG	Bhabani Prasad Chowdhury
RI Dist 3291	DG	Mukul Sinha

Board of Permanent Trustees & Executive Committee

PRIP	Rajendra K Saboo	RI Dist 3080
PRIP	Kalyan Banerjee	RI Dist 3060
RIPN	Sushil Gupta	RI Dist 3011
PRID	Sudarshan Agarwal	RI Dist 3011
PRID	Panduranga Setty	RI Dist 3190
PRID	Ashok Mahajan	RI Dist 3141
PRID	Yash Pal Das	RI Dist 3080
PRID	Shekhar Mehta	RI Dist 3291
PRID	P T Prabhakar	RI Dist 3232
PRID	Dr Manoj D Desai	RI Dist 3060
RID	C Basker	RI Dist 3000
TRF Trustee	Gulam A Vahanvaty	RI Dist 3141
RIDE	Dr Bharat Pandya	RI Dist 3141
RIDE	Kamal Sanghvi	RI Dist 3250

Executive Committee Members (2018–19)

DG Rajiv Sharma — RI Dist 3030
Chair – Governors Council

DG Pinky Patel — RI Dist 3060
Secretary – Governors Council

DG Subhash Jain — RI Dist 3012
Secretary – Executive Committee

DG A Venkatachalapathy — RI Dist 3201
Treasurer – Executive Committee

DG Shashi Sharma — RI Dist 3141
Member – Advisory Committee

ROTARY NEWS / ROTARY SAMACHAR

Editor
Rasheeda Bhagat

Senior Assistant Editor
Jaishree Padmanabhan

Send all correspondence and subscriptions to

ROTARY NEWS TRUST
3rd Floor, Dugar Towers, 34 Marshalls Road, Egmore
Chennai 600 008, India. Phone : 044 42145666
e-mail: rotarynews@rosaonline.org
Website : www.rotarynewsonline.org

Printed by P T Prabhakar at Rasi Graphics Pvt Ltd, 40, Peters Road, Royapettah, Chennai - 600 014, India, and published by P T Prabhakar on behalf of Rotary News Trust from Dugar Towers, 3rd Flr, 34, Marshalls Road, Egmore, Chennai 600 008. Editor: Rasheeda Bhagat.

The views expressed by contributors are not necessarily those of the Editor or Trustees of Rotary News Trust (RNT) or Rotary International (RI). No liability can be accepted for any loss arising from editorial or advertisement content. Contributions – original content – is welcome but the Editor reserves the right to edit for clarity or length. Content can be reproduced, but with permission from RNT.

आइए भारतीय लोकतंत्र के महापर्व का उत्सव मनाएं

एक बार फिर वक़्त आ गया है उस मौके का जो पांच साल में सिर्फ एक बार मिलता है, हमारे आम चुनाव। लोकतंत्र का सबसे बड़ा पर्व अपने पूरे प्रवाह पर है, जिसमें इस बार 900 मिलियन मतदाता, लोकतांत्रिक तरीके से अगली सरकार का चुनाव सात चरण में करेंगे। प्रत्येक प्रौढ़ और जानकार लोगों के समूह जैसे रोटेरियनों और उनके परिवारों को हर वोट के महत्व पर जोर देने की जरूरत है। यह हमारे संविधान का एक अभिन्न हिस्सा है, जिसने भारत को एक लोकतंत्र का दर्जा दिया है... और कैसा लोकतंत्र! इस देश में, संसद में विश्वास मत के दौरान लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सरकार महज एक वोट से गिर सकती है। जैसा कि 1999 में सिर्फ 13 महीने बाद AIADMK प्रमुख जे जयललिता द्वारा NDA सरकार से समर्थन वापस लेने के बाद वाजपेयी सरकार ने किया था। संसद में उस महान भाषण के बाद,वाजपेयी ने पद छोड़ दिया, और भारी बहुमत के साथ सत्ता में वापस लौटे और एक स्थिर सरकार बनाई जिसने अपना पांच वर्ष का पूरा कार्यकाल सम्पूर्ण किया। हमारे जैसे लोकतंत्र को इसका उत्सव मनाना ही चाहिए!

एक मतदाता के रूप में, मतदान करना हमारा कर्तव्य है। अक्सर यह शिकायत रहती है कि अमीर या उच्च मध्यम वर्ग, या यूं कहें कि मबकबक करने वाले वर्ग, जो फैंसी पार्टियों में कम बोलने वाले लोगों को वैसे तो राजनीतिक ज्ञान बहुत देते हैं, पर वास्तव में जब वोट देने की बारी आती है तो बाहर जाकर वोट नहीं देते। ऐसे लोगों के उदाहरण भी हैं, यदि उनके क्षेत्र में मतदान का दिन सप्ताहांत के करीब हो तो वे छुट्टी ले कर बाहर चले जाते हैं। विधायकों और सांसदों के रोटेरियन होने से पता चलता है कि भारतीय रोटेरियन राजनीति में कितने करीब से शामिल हैं। मुझे अच्छी तरह से याद है कि केंद्रीय रेल मंत्री पीयूष गोयल ने जयपुर के एक खचाखच भरे हॉल में रोटेरियनों को गर्व से बताया था कि वह भी एक रोटेरियन थे। रोटरी व्हाट्सएप समूहों पर, लोकसभा चुनाव लड़ने वाले कुछ रोटेरियनों के नाम सामने आए हैं। आइए हम सब मिल कर उन्हें शुभकामनाएं दें।

हालाँकि हम जैसे शिक्षित और प्रबुद्ध भारतीयों को वोट ज़रूर देना चाहिए, पर इतना ही पर्याप्त नहीं है कि हम सिर्फ वोट देने के लिए कतार में खड़े हों और सोशल मीडिया पर अपनी काली स्याही लगी उंगली दिखाएं। हमें अपनी बुद्धि का प्रयोग करना है और संसद में हमारा प्रतिनिधित्व करने के लिए सर्वोत्तम उम्मीदवार को वोट देना है जो अगले पांच वर्ष अपने देश को विकास के सही मार्ग पर ले जाने के लिए ईमानदारी और लगन से काम करेगा। भारत 1.3 बिलियन सपनों वाला देश है; जहां तक हो सके हमें लोकसभा में सर्वश्रेष्ठ लोगों को भेजना चाहिए जो हमारे महान राष्ट्र को सही दिशा में आगे ले जा सकते हैं ... आर्थिक विकास और तरक्की की दिशा, व सभी के लिए न्याय और समानता। हमें ऐसी सरकार चाहिए जो समाज के सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व करे; अमीर और गरीब दोनों, शहरी और ग्रामीण, और सबसे ऊपर, हमारी मेज तक भोजन पहुंचाने के लिए ज़िम्मेदार वो लोग जो खेतों में कठिन परिश्रम करते हैं, ...किसान, भूमिहीन मजदूर और वे लाखों महिलाऐं जो - बुवाई से लेकर कटाई तक पूरे कृषि चक्र के दौरान, अक्सर चिलचिलाती धूप में, कमरतोड़ मेहनत करती हैं।

जब तक *रोटरी न्यूज़* का अगला अंक आएगा, तब तक हमें न केवल इतने बड़े पैमाने पर आयोजित चुनाव प्रक्रिया के परिणाम पता लग जायेंगे, बल्कि ये भी आशा करते हैं कि एक मजबूत और स्थिर सरकार भी आएगी। इस बीच, मुझे उम्मीद है कि हमारे नेता चुनाव प्रचार के दौरान अपनी आवाज़ की कड़वाहट में नरमी लाएंगे और पार्टियां अपने ऐसे उम्मीदवारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगी जो चुनाव प्रचार के दौरान अभद्र और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसे व्यक्तियों का आचरण देख कर, राष्ट्र का शासन और उसका प्रारब्ध, हमें उन राजनीतिक संस्थानों के हाथों में सौंपने के लिए प्रेरित नहीं करता, जो इस तरह की असभ्य भाषा को बर्दाश्त करते हैं या उसे बढ़ावा देते हैं। हालाँकि उन सभी से, हो सकता है, पहले जैसी शालीनता की अपेक्षा करना कुछ अधिक हो जो एक सांसद के शक्तिशाली पद के अभिलाषी हैं फिर भी भारतीय मतदाता अपने राजनेताओं से थोड़ी बहुत शिष्टता और शालीनता की अपेक्षा तो कर ही सकता है।

श्री लंका में हुयी गोलाबारी के कारन 300 लोगों की हत्या और हज़ारों का घायल होना बेहद रंजीदा विषय है। यह हमें संकेत देता है की रोटरी की शांति परियोजना कितनी महत्वपूर्ण है!

रशीदा भगत

अध्यक्ष
की ज़बानी

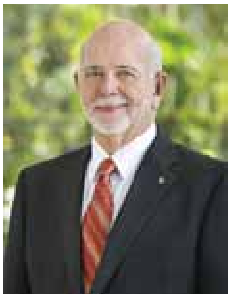

युवा को प्रेरित करें

BE THE INSPIRATION

प्रिय साथी रोटेरियनों,

जो लोग मुझे सबसे अच्छी तरह जानते है - मेरा परिवार - उन्हें पता है कि रोटरी के प्रति मेरा जुनून असीम है। वे ये भी जानते है कि मैं उनसे रोटरी में उस प्रकार से सम्मिलित होने की उम्मीद नहीं रखता जैसे कि मैं हूँ। यह उनके ऊपर निर्भर करता है। लेकिन मैं इस बात को ज़रूर मानूँगा कि जब मैं उन्हें सही चुनाव करते हुये देखता हूँ तो मैं अपनी मुस्कुराहट को रोक नहीं पाता हूँ।

पिछले वर्ष टोरंटो सम्मेलन के अंत में, मेरी 12 वर्षीय-पोती ने मुझसे कहा, मैं कुछ करना चाहती हूँ। मैं क्या कर सकती हूँ? स्वाभाविक रूप से, ''मैंने वही किया जो कोई अन्य लायक दादा करता: मैंने उससे पूछा कि क्या उसके स्कूल में इंटरेक्ट क्लब है।'' जब उसे पता चला कि वह नहीं है, तो उसने एक क्लब की स्थापना करने के बारे में सोचा। दुर्भाग्य से, उसके प्रधानाध्यापक के कुछ अलग विचार थे, लेकिन हम जहाँ कहीं भी रोटरी युवा कार्यक्रमों की मदद कर सकते है हमें वह करने से रुकना नहीं चाहिए, क्योंकि उनके आदर्श सवालों से परे है।

रोटरी युवा नेतृत्व पुरस्कार को एक उदाहरण के रूप में लीजिये। यह युवाओं को अधिक आश्वस्त, केन्द्रित व्यक्ति के रूप में परिवर्तित करता है जिन्हें उनके आसपास की दुनिया की बेहतर समझ होती है - ऐसे परिवर्तन जो मैंने अपने 16 वर्षीय पोते में उसके सम्मिलित होने के बाद देखे।

मेरा परिवार तो केवल एक शुरुआत है। जहाँ कहीं भी मैं जाता हूँ, मैं सभी उम्र के लोगों से मिलता हूँ जिनकी ज़िंदगियाँ हमारे युवा कार्यक्रमों द्वारा बदल चुकी है। वे मुझे बताते है कि कैसे, पाँच या 15 या 25 वर्ष पूर्व, रोटरी युवा विनिमय ने उन्हें एक नई भाषा सिखायी या उनका परिचय एक नई संस्कृति से करवाया। जब वे इस बारे में बात करते है कि कैसे न्यू जनरेशन्स सर्विस एक्स्चेंज ने कैरियर में आगे बढ़ने में उनकी मदद की, या कैसे रोटारेक्ट में उनकी सदस्यता ने समुदाय को वापस लौटाने के उनके जुनून को पहली बार जगाया, तो उनकी आँखें चमक उठती है।

युवा नेतृत्वकर्ताओं के लिए रोटरी कार्यक्रम हमारे क्लबों से परे जाकर प्रति वर्ष हजारों युवाओं तक सेवा, मित्रता और नेतृत्व विकास के हमारे आदर्शों को पहुँचाते है। और जब हम युवाओं के साथ और उनके लिए - प्रायोजकों, परियोजना साझेदारों, और मार्गदर्शकों के रूप में - सेवा देते है तो हम और रोटरी अपना सर्वश्रेष्ठ कर पाते है।

मई युवा सेवा माह है, और बहुत से तरीके है जिनके माध्यम से आपका रोटरी क्लब उत्सव मना सकता है। एक इंटरेक्ट क्लब या रोटारेकट क्लब को प्रायोजित कीजिये, और आपका रोटरी क्लब आपके समुदाय में युवाओं को कार्यवाही करने, नेतृत्वकर्ता बनने, और एक वैश्विक परिप्रेक्ष्य को हासिल करने के लिए उन्हें आवश्यक चीज़ें प्रदान करेगा। अपने स्थानीय रोटारेकट क्लब के साथ संगठित होकर एक सेवा परियोजना कीजिये। युवा नेतृत्वकर्ताओं के रोटरी कार्यक्रमों के प्रतिभागियों को जानिए और अपने समुदाय के साथ उनकी कहानियों को साझा कीजिये। *my.rotary.org* पर मेम्बर सेंटर के अवार्ड सेक्शन के अंदर स्थित इस वर्ष की रोटरी साइटेशन विवरणिका में आपको और अधिक विचार मिलेंगे।

इस माह, हमारे समुदाय में युवा नेतृत्वकर्ताओं का मार्गदर्शन करके, उन्हें व्यस्त रखके और सार्थक परियोजनाओं पर उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करके, चलिये हम उनके लिए *प्रेरणा बनें*। यह उनके भविष्य में और दुनिया में एक निवेश है, जिसमें वे हमारे जाने के बाद जिएंगे। और वह काम है जो सदा उनकी, और हमारी अपनी ज़िंदगियों को समृद्ध बनाएगा।

बेरी रेसिन

अध्यक्ष, रोटरी इंटरनेशनल

रो ई निदेशक
का संदेश

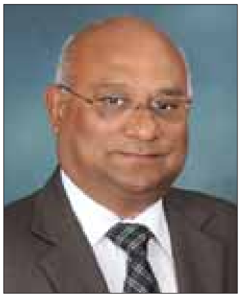

भावी हितधारक

प्रिय रोटेरियनों,

एशिया दुनिया की अधिकांश युवा जनसंख्या का घर है जो हमारे युवाओं में मौजूद उस असीम अप्रयुक्त सामर्थ्य को दर्शाता है जिससे दुनिया का भविष्य एक बेहतर और सुरक्षित स्थान का रूप ले सकता है। 2020 तक, अनुमान है कि भारत की कुल आबादी में युवाओं की संख्या 35 प्रतिशत होगी। रोटरी के अनुसार युवाओं की परिभाषा ऐसे लोगों से है जो 18-30 वर्ष की उम्र के है। यह वह उम्र होती है जब हमारे युवा विचार, ऊर्जा, प्रेरणा, जुनून और आदर्शवाद से भरे होते है। यही वह समय होता है, जब दूसरों के लिए अच्छा करने, सुविधाओं से वंचित लोगों की भलाई के लिए काम करने की भावना पनपती है, और यदि इसे सही दिशा मिले तो यह आजीवन चलने वाला जुनून बन जाती है। यही सही समय है जब हम सामाजिक आचरणों एवं नजरियों में अर्थपूर्ण परिवर्तन लाने के लिए अपने युवाओं का एक उत्प्रेरक के रूप में इस्तेमाल कर सकते है। युवा रूढ़िवाद को चुनौती दे सकते है, अच्छी आदतों को अपना सकते है और सबसे अलग सोच सकते है।

चलिये मैं आपके साथ एक रोचक और प्रेरक असल जीवन की कहानी साझा करता हूँ। सही स्क्रीन प्ले और अच्छे प्रोडक्शन के साथ यह कहानी एक बॉलीवुड ब्लॉकबस्टर हो सकती है।

हर सुबह, पूर्वी यूपी के कुशीनगर ज़िले के पदरौना क्षेत्र स्थित ब्वारी टोला नामक एक छोटे से गाँव में, दीपक (17), और राजू (15), अपनी नाई की दुकान का ताला खोलते है और धंधे के लिए तैयार हो जाते है। ये दो लड़के सामान्य तौर पर ग्राहकों के बाल काटते है, दाढ़ी बनाते है और कभी-कभी सिर की मसाज भी करते है। पर दीपक असल में ज्योति है, और राजू नेहा है, वो बहने जिन्होंने, उनके पिता को एक आघात के कारण आए लकवे के बाद भुखमरी से बचने के लिए, पाँच वर्ष पूर्व दुकान चलाना शुरू किया था। सामाजिक आलोचनाओं एवं पुरुषों के अनावश्यक ध्यान से बचने के लिए, कुछ समय पूर्व इन बहनों ने लोगों के सामने लड़कों की तरह कपड़े पहनना एवं बोलना शुरू कर दिया। जब वे बड़ी हुई, तो यह बात छिपाना कठिन हो गया कि वे लड़कियां है। लेकिन तब तक, बहुत देर हो चुकी थी। वे उनके पूर्णतः पुरुष ग्राहकों में आ रही अनापेक्षित बढ़ोत्तरी से बचने के दबाव में आकर या तो घर पर बैठ सकती थी, या वे इसके बारे में कुछ कर सकती थी। कुछ आलोचना तो लड़कियों के परिवार वालों की तरफ से आई, वे भी इस पुरुष प्रधान पेशे में उनके काम करने के खिलाफ थे। लेकिन वे नाई मजबूरी में बनी, ना कि अपनी इच्छा से। परिवार को पालने के लिए वे और कुछ भी नहीं कर सकती थी। बहनों ने ना केवल परिवार को संभाले रखा, बल्कि दुकान में काम करने के साथ-साथ वे स्कूल भी गई। लेकिन उनकी वित्तीय स्थिति ने ज्योति को बारहवीं कक्षा के बाद, और नेहा को दसवीं कक्षा के बाद स्कूल छोड़ने पर विवश किया। स्थानीय स्तर के हिसाब से इन दिनों दुकान अच्छी चल रही है, और उनका सपना है कि किसी दिन वे एक ब्यूटी पार्लर खोलें। इन लड़कियों ने ना केवल अपने परिवार को सहारा दिया बल्कि सामाजिक आलोचनाओं सहित सभी विपदाओं का सामना भी किया। किशोरियों ने धैर्य और दृढ़ता के साथ परिवर्तन लाया। हम उनकी भावना को सलाम करते है।

इस असल-जीवन की घटना ने मुझे कई तरीकों से प्रभावित किया। मानवीय कार्यवाहियों के सभी चरणों में रोटरी क्लबों को युवाओं के साथ निरंतर साझेदारी करना चाहिए क्योंकि भावी पीढ़ी रोटरी और देश के विकास में एक अहम हितधारक है।

C. Bhaskar

सी भास्कर
निदेशक, रोटरी इंटरनेशनल

Sushil Gupta resigns as RI President Nominee

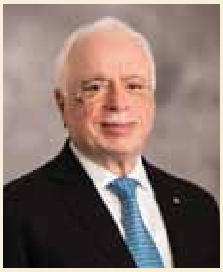

My Fellow Rotarians,

It is with a heavy heart that I announce my resignation as the president-nominee of Rotary International. While it was my dream to serve as your president, my health prevents me from giving my absolute best to you and the office of the president at this time. I believe Rotary deserves nothing less than that from those elected to represent this great organisation of ours.

I have made this difficult decision after much soul-searching and conferring with my family. This is not only a disappointment for us, but I am also keenly aware that this will be a disappointment for many Rotarians in India who were so proud to see someone from our country again named as president. I know that this is what is best for Rotary International.

I have been a Rotarian for more than 40 years and it has given me everything I could ask for. I can think of no higher honour than to have been selected by the Nominating Committee as president of Rotary for the 2020–21 Rotary year. I will continue to proudly serve as a Rotary member and pursue some major initiatives that I wanted to accomplish during my year as president, because I know that we are poised to achieve more great things in the future.

I wish nothing but the best to the candidate who succeeds me as president-nominee and thank you all for the support and encouragement you have shown me in the past year.

Sushil Gupta

Selecting a new President Nominee

Following the announced resignation of president-nominee Sushil Gupta due to health reasons, the 2018–19 Nominating Committee for President will convene electronically to select a new president-nominee. The goal is to conclude the selection process no later than Friday, May 10, 2019.

If no challenges to the nomination are received by May 31, 2019, RI President Barry Rassin will declare the selection of the Nominating Committee to be the new president-nominee.

When the new president-nominee is selected, an announcement will be posted on *Rotary.org*.

Message from RI President

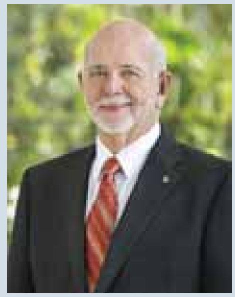

Dear fellow Rotarians,

This is a sad moment for Rotary, as I must inform you that Sushil Gupta has resigned as president-nominee of Rotary International due to health reasons.

This was a difficult decision for Sushil to make, and I understand and fully respect his choice to prioritise his health. He is firmly committed to continuing his work as a valued and respected member of our organisation.

The 2018–19 Nominating Committee for President of Rotary International will convene electronically in the coming weeks to select Sushil's replacement.

I have no doubt we will pick an excellent candidate to serve as RI President for the 2020–21 Rotary year. Please join me in wishing Sushil a complete and rapid recovery, and thank him for his service and dedication to Rotary.

Sincerely,

Barry Rassin
President,
Rotary International

NiveshGuru™
SAMPATTI KI UNATTI

GROW YOUR WEALTH

NiveshGuru, a one-stop solution for all your investment needs.

KshetraGuru®
PROPERTY

SwarnaGuru®
GOLD

FDGuru®
FIXED DEPOSIT

VyaparGuru®
STOCK BROKING

ShuruGuru™
IPO

YojanaGuru®
GOVERNMENT BONDS

NidhiGuru™
MUTUAL FUND

AmulyaGuru™
PRECIOUS STONES

Nivesh Guru Advisors Private Limited
68-B, Nariman Bhavan, Nariman Point, Mumbai - 400021

+91 22 2288 0808 | info@niveshguru.in | www.niveshguru.in

RIPE मार्क
मलोनी

सेवा की भावना भारतीय रोटेरियन को परिभाषित करती है: मलोनी

रशीदा भगत

आगामी रो इ अध्यक्ष मार्क मलोनी ने अपेक्षाकृत कम उम्र में अपने रोटरी नेतृत्व के मील के पत्थर छू लिए थे ; 31 में अपने क्लब (रोटरी क्लब डिकेटर, अलबामा) के अध्यक्ष, 34 में मंडल अध्यक्ष और 44 में रो इ निदेशक बन गए। एक पेशेवर वकील, उन्होंने अपनी वकालत के लिए महीने में पांच दिन अलग से रखने का फैसला किया है और उनका मानना है कि अगर रोटरी स्वयंसेवी की अवस्था से पूर्णकालिक प्रतिबद्धताओं में परिवर्तित करती है तो युवा व्यवसायी रोटरी में नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए आगे नहीं आएंगे। भारत के साथ मलोनी का जुड़ाव लगभग 21 साल पुराना है। कोलकाता में फरवरी 2019 में रोटरी कार्यक्रमों में भाग लेने आए, आगामी रो इ अध्यक्ष ने रोटरी समाचार के साथ साक्षात्कार में दिल खोल कर बात की ।

कुछ अंश:

आप 21 साल से भारत आ रहे हैं, इस दौरान भारत में और भारत में रोटरी के अंदर कैसे परिवर्तन हुए हैं?

इन 21 वर्षों के दौरान दोनों में प्रभावशाली परिवर्तन हुए हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति से ही भारत एक महान लोकतंत्र रहा है और ये नहीं बदला। लेकिन आर्थिक और व्यावसायिक प्रगति की बात करें या शहरों के निर्माण और विकास व आधुनिकता के सन्दर्भ में तो भारत ने लम्बी छलांग लगाई है।

रोटरी के संबंध में, भारत हमारा सर्वाधिक तेज गति से विकास वाला क्षेत्र है। विगत 10 वर्षों में हमारी सदस्यता का 56 प्रतिशत विकास यहीं हुआ है, हालाँकि कई परियोजनाओं के लिए धन भारत के बाहर से आया है, टीआरएफ में आज यह देश नंबर 2 पर है ... डॉलर में, प्रमुख दानदाताओं और ए के एस में।

टीआरएफ की बात करें, आपकी प्रतिक्रिया, अकेले भारतीय डी रविशंकर के लिए, जिसने 14.7 मिलियन डॉलर का योगदान किया है।

खैर, यह तो अविश्वसनीय था ही, लेकिन उससे भी ज़्यादा ताज़्जुब की बात ये है कि आप जिसकी सुनते हैं उस पर भरोसा करके, उसने अपनी संपत्ति का 70 से 85 प्रतिशत दान कर दिया, यह एक उल्लेखनीय राशि है। भारतीय रोटेरियनों की एक बात जो मुझे प्रभावित करती है, वह यह है कि कैसे सेवा उनके जीवन का सिर्फ एक हिस्सा है।

वे अपने अपने व्यवसाय और व्यापार पर जाते हैं और अपना काम करते हैं, लेकिन इसके साथ ही वे सेवा परियोजनाओं के लिए समय देते हैं। अमेरिका और पश्चिम में, हम ज्यादातर अल्पकालिक परियोजनाएं करते हैं, लेकिन यहां भारत में, *द गिफ्ट ऑफ लाइफ, हेल्दी लिटिल हार्ट्स* जैसी परियोजनाएं ... वर्षों तक चलती हैं। सूरत में मैंने छह परियोजनाओं का दौरा किया था और उनमें से कुछ रोटरी की सहभागिता जारी रखे बगैर चल रही हैं, लेकिन अन्य में, रोटेरियन हर महीने, साप्ताहिक, दैनिक पता नहीं कितनी बार जाते हैं ये सुनिश्चित करने के लिए कि इन

जब हम ये महसूस करते हैं कि हम पर्याप्त नहीं कर रहे, हम यही कहना पसंद करते हैं ... कि हमारे पास उतने अवसर नहीं हैं, क्योंकि हमारी सामाजिक या स्वास्थ्य संरचना भिन्न प्रकार की है।

स्कूलों या प्रशिक्षण या कौशल केंद्रों में परियोजनाएं चलती रहें।अमेरिका में इस तरह की परियोजना एक दुर्लभ अपवाद होगी।

मुझे लगता है कि भारत में लंबे समय तक चलने वाली परियोजनाएं करने के अवसर अधिक हैं; यहाँ आवश्यकता भी बहुत अधिक है।

जब हम ये महसूस करते हैं कि हम पर्याप्त नहीं कर रहे, हम यही कहना पसंद करते हैं ... कि हमारे पास उतने अवसर नहीं हैं, क्योंकि हमारी सामाजिक या स्वास्थ्य संरचना भिन्न प्रकार की है। RIDE कमल सांघवी ने मुझे नाश्ते पर बताया कि कुछ गांवों में रोटेरियनों ने सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीनें दी हैं पर अमेरिका में मैं इस तरह की परियोजना की कल्पना नहीं कर सकता। किसी ने 'शव वाहन' शब्द का इस्तेमाल किया था; एक बार भारत में एक शमशान परियोजना की मदद के लिए मेरे क्लब से संपर्क किया गया था और हमने रोटेरियनों को यह बताया कि हम समझते हैं कि वहां आप की ज़रूरत ऐसी ही है, पर यह अमेरिकी रोटेरियन के साथ मेल नहीं खाती। यदि आप मदद चाहते हैं, तो क्या कोई और परियोजना है जिसमें हम सहायता कर सकते हैं। शमशान परियोजना कमतर नहीं है ... लेकिन यह अंतर रोटरी की विविधता का परिचायक है। पर उस विविधता में भी हम एक दूसरे की तरह ही हैं, जितनी कल्पना कर सकते हैं उससे कहीं अधिक।

लिंग अनुपात में, भारत अभी भी रोटरी में महिलाओं के विश्व आंकड़े 22 प्रतिशत से काफी पीछे है, हालांकि आज सुबह हमने सुना कि रो ई मंडल 3250 में 37 प्रतिशत महिलाएं हैं। यहां तक कि रोटरी में वरिष्ठ नेतृत्व अभी भी एक ओल्ड बॉयज नेटवर्क है; अभी भी हमें किसी भारतीय महिला को रो इ निदेशक के रूप में देखना बाकी है।

हां, लेकिन अकेले ये जगह ही नहीं है। अफ्रीका से भी महिला निदेशक की प्रतीक्षा है और थाईलैंड से सॉवलक रतनविच एशिया की एकमात्र महिला निदेशक हैं।

अधिक महिलाओं को लाने के लिए भारतीय रोटेरियनों को आप क्या सुझाव देंगे?

अमेरिका में, यदि आपने महिलाओं को एक विशेष अपील की तो इसे

अमेरिका में, यदि आपने महिलाओं को एक विशेष अपील की तो इसे सेक्सिस्ट (लिंग भेदी) माना जाएगा। इसलिए यदि महिलाओं से कुछ कहना चाहते हैं तो उसी प्रकार कहना पडेगा जैसे पुरुषों से कहते हैं।

सेक्सिस्ट (लिंग भेदी) माना जाएगा। इसलिए यदि महिलाओं से कुछ कहना चाहते हैं तो उसी प्रकार कहना पडेगा जैसे पुरुषों से कहते हैं। हमें मिलना चाहिए, वे जो भी हैं कैसी भी परिस्थिति में... मुझे चिंता इस बात की है कि युवा पेशेवरों को किस तरह शामिल किया जाए और यह सुनिश्चित करना चाहता हूँ कि रोटरी नेतृत्व उन रोटेरियनों की पहुंच में हो, जो अपने व्यवसाय और व्यापार में अभी भी सक्रिय हैं।

आज सुबह जब हम रेस्तरां में गए, तो महिलाओं का ये समूह मेरे साथ फोटो खिंचवाना चाहता था, वहां हर कोई गर्व महसूस कर रहा था कि यह एक सर्व महिला रोटरी क्लब है। लेकिन इस बात से मुझे शर्मिंदगी महसूस होती है; हमारे संविधान में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि हमें लैंगिक आधार पर भेदभाव नहीं करना चाहिए और अक्सर मैं अचरज में पड़ जाता हूँ, क्या ऐसे में मुझे अपनी फोटो खिंचवानी चाहिए। लेकिन उस वक़्त मैं मित्रवत रहना चाहता हूं और इसका बहुत बड़ा कारण सांस्कृतिक है। भारतीय हवाई अड्डों पर सुरक्षा जांच के समय महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग कतारें होती हैं और नियमित आने-जाने वाली ट्रेनों में

एक नज़र में

वर्ष 2002 में एक जापानी रेस्तरां में RIPE मलोनी और गे।

आपकी रोटरी यात्रा में गे की भूमिका: डेकातुर डेब्रेक, अलबामा, के रोटरी क्लब की चार्टर सदस्य होने के नाते, गे अपने आप में एक रोटेरियन है। वह 6 मार्च, 1996 को रोटरी से जुड़ी। (मुझे याद है क्योंकि यही प्राधिकरण की तिथि है।) उसे मेरे रोटरी क्लब से जुड़ने में कोई रुचि नहीं थी क्योंकि ''दुनिया में कोई भी रोटरी क्लब इतना बड़ा नहीं जिसमें हम दोनों समा सकें,'' वह कहती है। हम एक साथ कानून की प्रैक्टिस कर सकते है, लेकिन हम एक ही क्लब में नहीं रह सकते! रोटरी के लिए (या जीवन में अन्य चीजों के लिए) मेरे सबसे अच्छे विचार गे से आते है। हम वास्तव में एक टीम है। मैं लगातार उससे सलाह लेती रहती हूँ।

धर्म: ये निर्णय मैं अन्य लोगों पर छोड़ता हूं कि मैं कितना धार्मिक हूं, और इस मायने में कि मैं कितना बढ़िया करता हूं, लेकिन मैं रोमन कैथोलिक हूं और अपनी बाँह पर मैं अपना कैथोलिक धर्म धारण करता हूं। यदि आप नहीं जानते कि मैं एक रोमन कैथोलिक हूं, तो आप ने ध्यान नहीं दिया है! मैं जहां भी जाता हूं, वहां पर अध्यक्ष कार्यालय मेरी यात्रा के बारे में दिशा निर्देश भेजता है और उन में निर्दिष्ट होता है कि सप्ताहांत में, जिस जगह संभव हो, मैं रोमन कैथोलिक मास में जाना चाहूंगा। भारत (पंड्या) और गुलाम (वाहनवटी) व्यवस्था कर रहे हैं और भगवान् ने चाहा तो मैं, रविवार सुबह 6.30 बजे, मुंबई में हवाई अड्डे के पास एक ऐसे ही मास में मौजूद रहूँगा। और नवंबर में जब मैं यहां था, गुलाम ने दक्षिण मुंबई के एक गिरजाघर में मास में शामिल होने की व्यवस्था की थी और मैंने कार्डिनल ग्रेसी से भी मुलाक़ात की थी।

पसंदीदा भोजन: इटैलियन

संगीत: शास्त्रीय

फिल्म: फिल्मों के लिए मैं शायद ही कभी बाहर जाता हूं।

पढ़ना: मुझे यह कहने में शर्मिंदगी होती है कि अनौपचारिक पढ़ाई बहुत कम करता हूँ । मैं वही पढ़ता हूं जिसे मेरे पेशे में पढ़ने की जरूरत है, हाँ मैं समाचार पत्र और पत्रिकाऐं ज़रूर पढ़ता हूं।

यात्रा की थकान: ठीक है, ऐसी स्थिति में आपको यात्रा करनी ही है, इसलिए आप चलते रहते हो। किसी ने कहा कि आप जेट लैग को इतनी अच्छी तरह से कैसे संभाल लेते हैं। बस कर लेते हैं, लेकिन सबसे बुरी बात मेरे लिए तब होती है जब एक अलग टाइम जोन में जाना पड़ता है और वहां पहुँचते ही आयोजक मुझे तुरंत मंच पर बिठा देते हैं। अगर यह थोड़े समय के लिए है और मुझे कुछ बोलना नहीं हो, तो ठीक है। लेकिन मैं मण्डल सम्मेलनों या इंस्टिट्यूट में कई स्थानों पर गया हूँ, जहाँ उन्होंने मुझे पूरे पूरे दिन के लिए बिठा कर रखा था! और मेरी हालत ऐसी हो जाती है (उनींदे हो कर दिखाते हैं) और पहली पंक्ति में बैठी गे कहती है मअपनी आँखें खुली रखोफ़! लेकिन यदि मैं आगे की पंक्ति में बैठा हूं जहां भीड़ मुझे नहीं देख रही हो, तो ये चल सकता है। यह सबसे मुश्किल हिस्सा है।

रोटरी के लिए सपना; और अगले 5 से 10 वर्षों में वह इसे कहाँ देखना चाहते हैं:

रोटरी के लिए मेरा सपना है कि यह बढ़ता रहे, सदस्यता के मामले में, सेवा में जो ये करती है और ढळ्क्र में डॉलर का योगदान । यही सब कुछ हासिल करने की उम्मीद करता हूं, और आप सही कह रही हैं कि अगले पांच वर्षों में। रोटरी की वृद्धि के संदर्भ में इस वर्ष मैंने जो लक्ष्य निर्धारित किए हैं, उन्हें प्रभावी रूप से 30 जून, 2020 को नहीं मापा जाएगा, बल्कि जून 2025 या 2030 को। क्योंकि हम नज़रिया बदलने की कोशिश कर रहे हैं और यह रातोंरात या एक रोटरी वर्ष में नहीं बदलता।

सुरक्षा कारणों से महिलाओं के लिए अलग डिब्बे हैं। तो यह संस्कृति की बात है; मेरे अपने पूर्वाग्रह हैं और इसलिए मैं उन्हें उस नज़रिये से देखता हूँ, लेकिन इससे यह सब ठीक नहीं हो जाता।

आपके अनुसार महिलाएं रोटरी में क्या योगदान करती हैं? क्या उनके पास अलग तरह के हुनर होते हैं, और वे अधिक केंद्रित या सेवाप्रवृत्त हैं? या आपको लगता है कि ये रूढ़ीवादी हैं।
मुझे लगता है कि ये रूढ़ीवादी हैं। महिलाएं अपने साथ कई तरह के कौशल लाती हैं और ऐसे ही पुरुष भी। अमेरिका में, हम सदस्यता में कहाँ होते अगर हमारे यहां महिला सदस्य नहीं होतीं?

यूएस में महिला सदस्यता कितनी है?
औसतन 22 फीसदी से ज्यादा नहीं।

भारत में एक बच्चे को पोलियो ड्रॉप्स देते हुए RIPE मलोनी।

क्या आप मानते हैं कि रोटरी में महिलाओं के प्रवेश ने इसे समृद्ध किया है और इसमें अधिक पूर्णता आई है।
निस्संदेह। रोटरी क्लब कदाचित अपने समुदाय का प्रतिबिंब हैं और महिलाएं आपके यहां अधिकारी, वकील, डॉक्टर आदि हैं, यदि आप समाज को प्रतिबिंबित करने जा रहे हैं, तो आप महिलाओं से दूरी कैसे रख सकते हैं? भारत इस मामले को कैसे संबोधित करेगा, मेरे पास इस की पृष्ठभूमि नहीं है।

चाहे सदस्यता वृद्धि में हो या टीआरएफ दान में भारत रोटरी की दुनिया में कमाल कर रहा है। लेकिन पारदर्शिता, लेखांकन मानदंड आदि कमियों का ज़िक्र हुआ है। वे कौन से क्षेत्र हैं जहाँ भारत में रोटरी और बेहतर हो सकती है?
ठीक है, प्रबंधन एक मुद्दा रहा है, लेकिन यह एक अपवाद अधिक है; केवल इस मामले में रोटरी दुनिया के अन्य हिस्सों की तुलना में भारत में विसंगतियां अधिक हैं। भारत कैसे सुधर सकता है? मेरे लिए

मुंबई में अपनी हालही की यात्रा में RIPE मलोनी और गे, PRIP कल्याण बेनर्जी और बिनोता के साथ। चित्र में PRIP राजेंद्र साबू (दाएं) भी शामिल हैं।

थीम तय करना कठिन नहीं था। अगस्त के पहले सोमवार को मुझे नामांकित किया गया, 1 अक्टूबर को पुष्टि की गई, और एक सप्ताह के भीतर ही मेरे पास थीम था।

यह कहना कठिन है। यहां जो सेवा की जाती है वह नाटकीय है ... (मुस्कुराते हुए) शायद उन्हें फोटो के लिए मुझे चारों ओर से नहीं धकेलना चाहिए!

लेकिन यह सिर्फ उनका उत्साह दर्शाता है। और मैं भारत को क्या बताऊँ... मेरा मतलब, यह उस तरह से है जैसे अमेरिका से बाहर के लोग हमें डोनाल्ड ट्रम्प और हिलेरी क्लिंटन के बारे में सलाह दें और कैसी भी हो! ठीक है, धन्यवाद, लेकिन हम इसे खुद देख लेंगे! हमारे अपने कुछ मुद्दे हो सकते हैं लेकिन हम उनका ध्यान खुद रख लेंगे!

द रोटेरियन को साक्षात्कार में, आपने रोटरी को व्यक्तियों का संयुक्त राष्ट्र कहा; कितनी उपयुक्त व्याख्या। क्या इसका उपयोग पहले किया गया है; मैंने नहीं देखा!

मुझे नहीं पता।

आपकी थीम को तय करना कितना मुश्किल था?

ओह, थीम तय करना कठिन नहीं था। इससे ज़्यादा मुश्किल तो टाई थी! मेरे लिए, रोटरी का मतलब है कनेक्शन (सम्पर्क)। शायद कई व्यक्ति जो रोटरी अध्यक्ष बने हैं, उन्होंने काफी लंबे समय तक इसके बारे में सोचा होगा। कई बार मेरे मन में भी आया था कि यदि आप कभी अध्यक्ष बने तो आपका थीम क्या होगा, और मैं इसे दर किनार कर देता

मलोनी की प्राथमिकताएँ

वर्ष 1990 में, रो ई मंडल 686 के DG के रूप में अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद RIPE मलोनी और गे लागोस, नाइजीरिया में एक स्कूल का दौरा करते हुए।

उनकी पहली प्राथमिकता है रोटरी में वृद्धि करना ''हमारे वर्तमान क्लबों का सहयोग करके और नए क्लबों को एक अलग दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ाना है, जरूरी नहीं कि यह किसी नए समुदाय में ही हो।'' वह कहते हैं कि प्रायः लोग बहुत खुश हैं कि रोटरी उनके समाज में बहुत अच्छा कर रही है। ''यकीनन, यह बहुत अच्छा कर रही है, लेकिन समाज के और भी कई अंग हैं जो इसमें शामिल नहीं हैं। हमें उन तक पहुंचना है।''

उनकी दूसरी प्राथमिकता है रोटरी को परिवार के मित्रवत अधिक बनाना। ''गे और मैं रोटरी में शुरू से इसी तरह से रहे हैं। जब मैं क्लब अध्यक्ष बना, 31 साल का था और 34 की उम्र में मंडल अध्यक्ष बन गया। बस अपनी बेटियों को हम अपने साथ रखते थे। हमारी तीन बेटियां हैं, दो हमारी अपनी, और तीसरी बेटी को हमने दो वर्ष पहले अवाप्त किया था, एक युवा महिला, जो उसके परिवार में एक त्रासदी के बाद से हमारे परिवार का हिस्सा बन गई है।''

मलोनी की तीसरी प्राथमिकता है रोटरी नेतृत्व को उन लोगों के लिए अधिक सुलभ बनाना जो वर्तमान में अपने व्यवसायों और व्यापार में सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। ''अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन (इंटरनेशनल असेंबली) में मुझे अपनी थीम के भाषण में सबसे अधिक तालियां तब मिली जब मैंने मण्डल अध्यक्षों को कहा कि आपके लिए व्यक्तिगत रूप से प्रत्येक क्लब का निरिक्षण करना आवश्यक नहीं है। अब इस बारे में यहाँ फर्क है क्योंकि दुनिया के अन्य हिस्सों की तुलना में भारत में मंडल अध्यक्ष एक रॉकस्टार है। लेकिन यह बहुत मुश्किल है; अमेरिका में बहुत सारे लोग सेवानिवृत्त होने तक मण्डल अध्यक्ष बनने की प्रतीक्षा करते हैं, उन सभी चीजों के कारण, जिनकी हम पारंपरिक रूप से अध्यक्षों से अपेक्षा करते हैं।''

लेकिन वह मानते हैं कि यह रातोंरात नहीं होगा। ''कुछ पूर्व गवर्नर यह कहने वाले नहीं है कि ठीक है, हम क्लबों की सामूहिक बैठक करेंगे या मण्डल अध्यक्ष कुछ ही आयोजनों में आएंगे। यह एक दृष्टिकोण, एक सांस्कृतिक परिवर्तन से ही संभव होने वाला है और सांस्कृतिक परिवर्तन इतनी जल्दी नहीं होते,'' मलोनी कहते हैं।

अपने अध्यक्ष वर्ष के लिए उनकी अंतिम प्राथमिकता संयुक्त राष्ट्र के साथ रोटरी के संबंधों पर ध्यान केंद्रित करना होगा, ''क्योंकि यह संयुक्त राष्ट्र चार्टर पर हस्ताक्षर की 75 वीं वर्षगांठ है।''

ऊपर : RIPE मलोनी अपनी तीसरी बेटी सुज़ान्ना ग्रीर के साथ।

बाएं : गे और मलोनी के साथ उनकी बेटियाँ फीलिस (दाएं) और मार्गरेट।

था क्योंकि पहले से ही अनुमान लगाना नहीं चाहता था की ऐसा होगा।

इसलिए सच कहूँ तो जब तक मुझे नामांकित नहीं किया गया, तब तक मैंने थीम के बारे में गंभीरता से सोचना शुरू नहीं किया। अगस्त के पहले सोमवार को मुझे नामांकित किया गया, 1 अक्टूबर को पुष्टि की गई, और एक सप्ताह के भीतर ही मेरे पास थीम था। कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप रोटरी के बारे में क्या सोचते हैं, कनेक्शन इसका हिस्सा है। मैं कल्पना भी नहीं कर सकता कि कोई रोटरी के बारे में सोचे और सम्पर्कों को इसमें शरीक ना करे। और मेरा मानना है कि रोटरी पहला सोशल नेटवर्क है।

आप किस तरह के परिवार में पले बढे हैं?

मैं एक मध्य-पश्चिमी ''आयरिश'' समुदाय में पला-बढ़ा हूं, हालांकि बहुत सी चीजों

की तुलना में मैं आयरिश कम हूं। हालांकि मैं कहता हूं कि मैं छठी पीढ़ी का आयरिश हूं, लेकिन आयरलैंड के साथ हमारा शायद ही कोई संबंध हो। जब मैं समुदाय की बात करता हूँ तो मेरा मतलब उस खेत से है जहां 900 लोग साथ रहते थे और नाम थे मलोनी, डफी, मैगुइरे, सभी आयरिश नाम। हमारा परिवार एक सफल किसानों का परिवार था। मेरा बचपन उच्च मध्यमवर्गीय परिवेश में बीता था और मेरे माता-पिता और रिश्तेदार उनकी पीढ़ी में कॉलेज या विश्वविद्यालय से शिक्षित थे। लेकिन एक बार फिर कहूंगा, संपर्क हमारे परिवार की महत्वपूर्ण कड़ी है। अमेरिका में, अधिकाँश लोग नहीं जानते कि उनके चचेरे भाई बहिन कौन हैं या उन्हें कभी देखा भी है, लेकिन मेरे परिवार में, हम अपने चचेरे, मौसेरे भाई बहन को जानते हैं और हमारे बच्चे अपने दूसरे चचेरे मौसेरे भाई बहनों को जानते हैं।

आपने कानून की पढ़ाई करने का फैसला क्यों किया?

मैं 11 या 12 साल की उम्र से ही वकील बनना चाहता था। बचपन में पहले मैं डॉक्टर बनने जा रहा था। पर मैंने फैसला किया कि खून के बारे

बाएं : RIPE मलोनी अमरावती, महाराष्ट्र की यात्रा के दौरान।

नीचे : RIPE मलोनी और गे, RIDE भरत पांड्या के साथ एक मानसिक रूप से विकलांग बच्चों की स्कूल, सूरत में।

डेटिंग, प्रस्ताव और फूल

RIPE मार्क मलोनी की अपनी पत्नी गे से मुलाकात कैसे हुई, यह एक दिलचस्प किस्सा है, जिसे वह बड़ी खुशी से बताते हैं। टेनेसी के वेंडरबिल्ट लॉ स्कूल में वे सहपाठी थे, अपनी पहली डेट उन्हें स्पष्ट रूप से याद है। ''वो 8 अक्टूबर, 1977 थी। जिस लॉ फर्म में मैं काम कर रहा था, वहाँ एक ऑफिस पार्टी रखी गई थी और मैंने गे को अपने साथ चलने के लिए आमंत्रित किया। आप पूरी कहानी सुनना चाहती हैं, तो मैंने उसे आमंत्रित किया और उसने कहा, नहीं, क्योंकि उसके पास पहले से ही एक डेट थी। लेकिन मैंने कभी भी किसी महिला को उस तरह से हाँ कहते नहीं सुना से जिस आशापूर्ण तरीके से उसने ना कहा था, वह बोली कि वो जाना तो चाहती थी, लेकिन पहले से वायदा किया हुआ था जो उसे निभाना था।''

उसे प्रस्तावित करने से पहले उन्होंने केवल 6 महीने डेट किया था। ''पहले वह उसे अपने परिवार से मिलाने ले गई; मुझे पहले कभी किसी लड़की के घर नहीं बुलाया गया था और मैंने 1977-78 का नया साल उसके परिवार के साथ बिताया और फिर फरवरी की शुरुआत (3-5) में वह मेरे माता-पिता से मिली।''

मलोनी स्वीकार करते हैं कि वर्ष का यह समय - फरवरी के मध्य - उनके लिए ''बहुत कठिन समय है।'' जब वह गे को अपने माता-पिता से मिलाने ले गए थे, ''वो अंतिम बार था जब हमने उन्हें जीवित देखा था। 10 दिन बाद, वे दोनों एक वाहन दुर्घटना में मारे गए। यह 41 साल पहले 1978 में हुआ था। इसलिए ये चीजें शीघ्रता से हुईं।''

वे बताते हैं कि अमेरिकी लॉ स्कूलों का कार्यक्रम तीन साल का है; वे दूसरे वर्ष में थे और अभी भी 18 महीने बाकी थे। ''विवाह का प्रस्ताव रखने के लिए वास्तव में जल्दी में नहीं था, लेकिन छह हफ्ते बाद अचानक ही मैंने उसे प्रस्तावित किया। पहले से इसकी कोई योजना नहीं थी। हम रात को खाने के लिए बाहर गए थे। मेरे पास अंगूठी भी नहीं थी। बातचीत बस यूं ही चलती रही और वास्तव में मैं इधर उधर की बातें कर रहा था कि उसने मुझसे साफ़ साफ़ पूछा, बताओ क्या पूछना चाहते हो ! हमने छह महीने तक डेट किया था और 14 महीने से साथ थे।''

और अब आता है आगामी अध्यक्ष का रोमांटिक पक्ष। ''मैंने उनका ये साक्षात्कार वेलेंटाइन डे पर लिया था और वे कहते हैं: चूंकि गे और मैं अलग रहते हैं, इसलिए मैंने डाक से उसे वेलेंटाइन कार्ड भेजा था जो उसे मिल चुका है। मैं उसे हाथ में नहीं देना चाहता था क्योंकि मैं बाहर के लिए निकल रहा था, इसलिए मैंने शहर छोड़ते समय उसे मेल बॉक्स में डाल दिया और कुछ दिनों बाद यह घर पहुँच गया।''

और इससे ज़्यादा क्या, दो दिन बाद गे का जन्मदिन था, उन्होंने विस्तार से बताया था कि उसके जन्मदिन पर कैसे उसे एक नहीं बल्कि दो गुलदस्ते मिलेंगे। ''शनिवार की रात उसे न्यूयॉर्क में फूल मिलेंगे। वह सोमवार रात को घर लौटती है और मंगलवार को, उसके कार्यालय में भी उसे फूल मिल जाएंगे। क्योंकि आम तौर पर वह फूलों को पूरे सप्ताह तक रखती है लेकिन न्यूयॉर्क के फूल अलबामा में तो नहीं आ सकते ना!''

छोटी से छोटी बात का ध्यान इस तरह रखते हैं आपके आगामी अध्यक्ष!

ऊपर : RIPE मलोनी और गे, राजेंद्र साबू और उषा के साथ वर्ष 1991 में जब साबू रो ई अध्यक्ष के रूप में डिकाटूर, अलबामा की यात्रा कर रहे थे। वे वहाँ एक अतरर्राष्ट्रीय सेवा परियोजना के लिए धन जुटाने गये थे।

ऊपर : RIPE मलोनी भारतीय व्यंजन का आनंद लेते हुए।

RIPE मलोनी और गे अपनी बेटियों फिलिस और मार्गरेट के साथ।

में मेरी ज़्यादा रूचि नहीं है इसलिए मैंने कानून के बारे में सोचना शुरू कर दिया।

क्यूं?

मुझे नहीं पता। शायद, पेरी मेसन!

फ्यूचर विजन प्रोग्राम के साथ आपकी भागीदारी के बारे में बताएं।

मैं शुरू से अंत तक इस कार्यक्रम में शामिल कुछ लोगों में से एक था - फरवरी 2005 से जून 2015 तक। फरवरी 2005 में, ट्रस्टी का मेरा प्रथम वर्ष (2004-05) था और फरवरी में हम ट्रस्टियों ने इस बारे में आधा दिन मंथन किया कि फाउंडेशन संचालन के तरीके को बदलने के लिए हम क्या कर सकते थे। उस समय कार्लो रविज़ा ट्रस्टी चेयर थे। जैसे ही मैं ट्रस्टीज़ से दूर गया, मुझे फ्यूचर विज़न कमेटी में डाल दिया, जहाँ मैं तब तक सेवा देता रहा जब तक कि उसे भंग नहीं कर दिया गया।

आप रोटरी के किस पहलू का सबसे अधिक आनंद उठाते हैं ?

लोग और कनेक्शन ... लोगों के साथ जुड़ कर, और इसका मतलब बहुत कुछ हो सकता है। परियोजनाओं के लिए जुड़ना, दोस्ती के लिए, साहचर्य... यहाँ आ कर और कमल (संघवी) और शेखर (मेहता) जैसे लोगों के साथ रहने के लिए। मैं शेखर को 10-15 साल से जानता हूं, और उन्होंने मुझे कोलकाता में अपने घर बुलाया है। गे बहुत निराश होगी वो आ नहीं पायी, क्योंकि उसे लोगों के घर जाना पसंद है। कुछ संस्कृतियों में, आप लोगों को अपने घर कभी भी नहीं बुलाते, आप उनके साथ होटलों में मनोरंजन करते हैं।

भारत में रोटरी में आपको सबसे आनंददायक क्या लगता है?

फिर से कहूंगा, मुझे लोग पसंद हैं, और गे को रंग बहुत पसंद हैं, और आपके द्वारा दी गई *रोटरी न्यूज़* पत्रिका के लेख में (जयश्री द्वारा)। उसने जो कहा मैंने पढ़ा है। मुझे मतभेद देखने में आनंद मिलता है और किस प्रकार चीजें वैसी ही रहती हैं। जैसा कि आज मैंने अपने भाषण में कहा था कि आप ऐसे लोगों से जुड़ते हैं जो दिखते तो अलग हैं, लेकिन वो होते आप जैसे ही हैं, आप ने जैसी कल्पना की होगी उससे कहीं अधिक।

चित्र: रशीदा भगत, जयश्री और रोटरी इंटरनेशनल के सौजन्य से।

एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

District Wise TRF Contributions as on March 2019

(in US Dollars)

District Number	APF	PolioPlus	Other Restricted	Endowment Fund	Total Contributions	EREY Donors (in numbers)	EREY %
India							
2981	44,002	11,240	0	8,000	63,242	227	5.0
2982	44,648	5,404	0	243	50,295	270	9.4
3000	12,744	1,000	132,766	47,983	194,493	20	0.4
3011	100,165	5,668	32,153	29,930	167,915	119	3.6
3012	71,450	150	312,461	8,800	392,860	106	3.1
3020	19,318	72,865	2,625	5,000	99,808	70	1.8
3030	15,752	0	0	0	15,752	6	0.1
3040	2,819	0	29,950	0	32,769	4	0.2
3053	59,205	0	0	0	59,205	37	1.3
3054	(17,179)	0	121,343	0	104,164	38	0.7
3060	62,288	1,326	155,228	129,269	348,111	738	17.9
3070	90,072	315	4,792	0	95,178	326	11.3
3080	78,126	15,319	15,657	5,000	114,102	66	2.1
3090	37,000	0	0	0	37,000	106	5.3
3100	21,795	475	0	0	22,270	82	4.9
3110	30,488	3,027	34,863	0	68,378	50	1.3
3120	61,822	0	217,897	0	279,720	69	2.2
3131	335,852	21,657	346,944	43,203	747,656	926	18.1
3132	18,119	310	17,129	60,100	95,658	39	1.1
3141	545,596	10,911	1,049,268	76,990	1,682,765	681	13.6
3142	281,522	75	246,041	0	527,639	545	17.3
3150	79,168	4,613	67,276	338,467	489,523	507	14.6
3160	64,464	1,580	0	9,277	75,321	133	5.5
3170	74,948	3,231	71,833	0	150,012	332	6.3
3181	133,760	938	0	103	134,801	521	17.3
3182	86,174	100	11,367	0	97,641	399	12.7
3190	105,098	4,397	117,087	1,509,570	1,736,153	802	16.8
3201	111,526	15,598	221,675	0	348,799	201	3.9
3202	22,062	27,762	35,563	0	85,387	51	1.1
3211	50,082	2,818	0	1,515	54,415	202	4.6
3212	103,749	6,758	5,250	67,002	182,759	115	2.9
3231	26,818	2,480	7,286	6,528	43,112	232	7.8
3232	182,995	2,078	164,000	1,000	350,073	234	5.5
3240	49,959	421	7,374	0	57,754	112	3.9
3250	24,267	1,834	11,216	0	37,317	44	1.2
3261	15,211	1,100	(1,492)	3,000	17,820	22	0.9
3262	27,440	1,000	3,900	5,413	37,753	100	3.1
3291	107,922	206	95,428	51,800	255,356	228	6.3
India Total	**3,181,246**	**226,656**	**3,536,881**	**2,408,192**	**9,352,975**	**8,760**	**6.3**
3220 **Sri Lanka**	75,759	2,975	13,676	8,000	100,410	142	7.9
3271 **Pakistan**	34,947	27,799	2,275	0	65,021	27	1.9
3272 **Pakistan**	21,408	2,141	0	0	23,548	29	1.0
3281 **Bangladesh**	138,862	3,000	71,618	17,696	231,176	238	4.4
3282 **Bangladesh**	53,595	5,065	0	3,000	61,660	200	5.0
3292 **Nepal**	162,901	24,211	111,762	25,000	323,874	329	7.5
South Asia Total	**3,668,718**	**291,847**	**3,736,212**	**2,461,889**	**10,158,666**	**9,725**	**6.1**
World Total	**85,366,098**	**20,884,268**	**14,320,109**	**19,778,783**	**140,349,258**		

Source: RI South Asia Office

Organisation Development Consultants

WE ADD VALUE TO YOUR EFFORTS
Estd. 22-02-2002

Hyderabad

Visit us at : www.odchyd.com

Mr P Seshadri
Management Consultant

Introduces New Services for Micro, Small & Medium Level Enterprises & Start up's on

ORGANISATION DEVELOPMENT

- Building Sustainable Organisations

Services could be availed as per need and maturity of the organisation

BASIC Package
(3 Months)
Professional Fees : Rs 2 Lakhs

Streamlining Systems / Processes in the organisation to meet business requirements

Organisation Development Plan to be provided for one year w.r.t the following aspects based on assessments

- Customer Focus
- Leadership
- Engagement of People
- Process Approach
- Improvements
- Evidence based Decision Making
- Relationship Management

SUPREME Package
(6 Months)
Professional Fees : Rs 5 Lakhs
(Includes BASIC Package Services)

Business Excellence Assessments w.r.t

- Leadership
- Strategy Development & Deployment
- People Management
- Resources & Infrastructure Management
- Process Management
- Customers Results
- People Results
- Social Results
- Business Results

Formulating Blue Print for Change Management within the organisation for one year and training assistance in initiating implementation of changes

PREMIUM Package
(12 Months)
Professional Fees : Rs 9 Lakhs
(Includes BASIC & SUPREME Package Services)

Establishing Integrated Management Systems (based on best practices) with 100+ Key Performance Indicators with focus on organisations :

- Economic Performance
- Environmental Performance
- Social Performance

Preparation of Business Sustainability Report which is useful for accessing finance , global work contracts and improving sustainability initiatives of the organisation.

Professional Profile of Mr. P Seshadri

A qualified Production & Industrial engineer with management specialisation in Industrial Management from Nagpur University has industrial and consulting experience of more than 28 years in the domains of HRD, TQM and OD with Corporates, MSME's and Start-up's.

Practicing as Management Consultant since 2002, he has evolved his core competencies in three areas which include – Developing Management Systems, Facilitating Business Excellence Practices and Establishing Sustainability Reports for Industries and Institutions.

Active with professional / industrial bodies and social organisations, he has held leadership positions in several of such organisation like QCFI, NIPM, ISTD, IMCI, HDCF, FAPCCI, CII, BNI and Rotary International. His current passion as qualified faculty from Rotary Leadership Institute is strengthening Rotary Movement using several initiatives in Clubs, Communities and Corporates.

Contact:

98490 82520

pseshadri29@gmail.com

भारतीय डॉक्टर सर्जरी की आधुनिक तकनीकों को मेडागास्कर पहुँचाते है

जयश्री और रशीदा भगत

जब हाल ही में मैंने मेडागास्कर में भारत के रोटरी चिकित्सीय मिशन में हिस्सा लिया तब मुझे इस बात का छोटा सा उदाहरण मिला कि रोटरी क्या कर सकती है। मैं समझने गया था कि ये मिशन कैसे कार्य करते है,'' हाल ही में कोलकाता में आयोजित एक प्रशिक्षण समारोह, DISHA, में नवनिर्वाचित मंडल नेतृत्वकर्ताओं को संबोधित करते हुए रोई निदेशक सी भास्कर ने कहा। वहाँ उन्होंने रोज़ेन, एक दस वर्षीय बालिका को देखा जिसके दांत इतने अव्यवस्थित थे (चित्रों को देखें) कि वह बमुश्किल ही मुस्कराती थी। जब वह बात करती थी, तो वह अपनी हथेली को अपने मुँह के सामने रखती थी ताकि कोई उसके बदसूरत दांतों को देख ना सकें। ''मैंने पाया कि मेडागास्कर दशकों पहले के भारत जैसा है, अपर्याप्त चिकित्सा सुविधाओं वाला एक बहुत ही गरीब देश। उस चिकित्सा मिशन में, भारत के 19 डॉक्टरों ने सुधारात्मक सर्जरियाँ एवं अन्य प्रक्रियाएं की। रोज़ेन की भी एक सुधारात्मक प्रक्रिया की गई, और पहली बार वह दूसरों के सामने बिना किसी झिझक के मुस्करा पा रही थी।''

भास्कर ने आगे कहा: ''इस तरह का अवसर रोटरी हमें देता है, ज़िंदगियों को बदलने के लिए। और अंदाज़ा लगाइए इन चिकित्सा मिशनों को कौन समर्थन देता है? हमारा अपना संस्थान।''

PRIP राजेन्द्र साबू, जिन्होंने 1998 में पहली बार सीमाओं से परे सेवा के विचार की कल्पना की थी, विशेष रूप से एक ऐसे देश के लिए जो पिछली शताब्दी में कई दशकों तक ''अभिग्राही'' रहा है, ने कहा कि रोई मंडलों 3080 और 3070 से 19 डॉक्टरों के एक दल ने 13 रोटरी स्वयंसेवकों के साथ हाल ही में मेडागास्कर के रोई मंडल 9220 में आयोजित 12-दिवसीय चिकित्सीय मिशन में 3,500

ओर्थोपेडिक सर्जन डॉ रोमेश गौर X-रे की जांच करते हुए।

एक सफल दंत चिकित्सा प्रक्रिया के बाद मुस्कुराती रोज़ेन।

मरीजों का सफलतापूर्वक इलाज किया, जिसमें रोई निदेशक भास्कर और उनकी पत्नी माला एवं नाइजीरिया से रोई निदेशक यिन्का बाबालोला के अलावा, रोई अध्यक्ष बेरी रेसिन भी एक स्वयंसेवक के रूप में शामिल हुए थे।

साबू, जो अपनी पत्नी उषा के साथ, यूगांडा में पहली बार शुरुआत करते हुए इन चिकित्सीय मिशनों में अपनी इच्छा से सेवा दे रहे है, ने कहा, ''हम 2004 में पहली बार मेडागास्कर गए थे और हमें महसूस हुआ कि यह एक ऐसा देश है जहाँ मानवता की सेवा करने हेतु, विशेष रूप से स्वास्थ्य के क्षेत्र में, बार-बार जाने की आवश्यकता है। उस समय, शेली औकाबे समन्वयक थी और मैंने उनसे कहा था कि जब आप गवर्नर बन जाएंगी तो हम दोबारा आएंगे। और इसलिए यह दौरा किया गया।''

उन्होंने आगे कहा कि उनकी यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा यह था कि वह इस तरह से नियत की गई थी कि रोई अध्यक्ष बेरी रेसिन भी एक स्वयंसेवक के रूप में इस चिकित्सीय मिशन से जुड़ सके। राजधानी शहर अंतानानारिवो से करीब 180 किमी दूर अंतसिराब को चुना गया। चार घंटे में पूर्ण हुई 180 किमी की यात्रा से आप इस अफ्रीकी देश की सड़कों की स्थिति का अंदाजा लगा सकते है।

नेत्र विज्ञान को छोड़कर, यहाँ मिशन का स्थल सिविल अस्पताल था, जिसमें एकदम बुनियादी सुविधाएँ थी। ''लेकिन शेली के नेतृत्व वाले स्थानीय दल और उनकी साधन-संपन्नता के कारण, हमारे मिशन को अधिकतम समर्थन मिला। पूरे एक हफ्ते सिविल और नेत्र अस्पताल हमारे कार्य स्थल बने। सिविल अस्पताल के निदेशक ने हमें सभी पांच ऑपरेशन थिएटर उपलब्ध करवाए,'' उन्होंने कहा।

जहाँ अधिकतर आपातकालीन मामले स्थानीय सर्जनों द्वारा देखे गए, वहीं भारतीय सर्जनों ने अधिक जटिल मामलों में मदद की और PRIP साबू के अनुरोध पर, अस्पताल के निदेशक ने एक अतिरिक्त टेबल का इंतजाम किया जिससे भारतीय डॉक्टरों को अतिरिक्त मामलों, विशेषरूप से प्लास्टिक और ईएनटी विकारों से संबंधित, को लेने में मदद मिली जिनमें स्थानीय निश्चेतन की आवश्यकता थी।

मानवीय पक्ष पर, वहाँ बहुत से मार्मिक मामले थे; साबू एक 14 वर्षीय बालक के मामले को याद करते है जिसे एक बड़ी सर्जरी की आवश्यकता थी, और डॉ रावजीत सिंह और डॉ रमेश पॉल रीढ़ संबंधी निश्चेतनता देकर उस किशोर की सर्जरी कर रहे थे। ''सर्जरी लगभग दो घंटे तक चली और उस कक्ष में ऑपरेशन दल के अलावा और कोई नहीं जा सकता था। मैं कांच के दरवाजे के माध्यम से उस लड़के से संपर्क कर रहा था, संकेतों के माध्यम से उसे बता रहा था कि सर्जरी कैसी चल रही है। वह पूरे समय मुस्करा रहा था और अंगूठा ऊपर दिखाते हुए हमें अपनी सहमति दे रहा था। मैंने किसी मरीज में इस तरह की सकारात्मकता नहीं देखी! जब अंततः सर्जरी खत्म हो गई, तो मैंने दोनों अंगूठों को ऊपर उठाकर उसे संकेत दिया, जिसपर उसने बड़ी सी मुस्कान दी। जब हम उसे ट्रॉली पर ले जा रहे थे, तब मैंने महसूस किया कि उसकी सकारात्मकता मुझ तक और मेरे आसपास मौजूद बाकि लोगों तक पहुँच रही है।''

कुछ दिनों के भीतर, सर्जनों को आगे के पंजीकरणों को रोकना पड़ा क्योंकि सूची बहुत लंबी हो रही थी और अभी भी कुछ ऐसे मामले थे जिन्हें अस्वीकार नहीं किया जा सकता था। 2-4 वर्षीय बच्चों सहित हर्निया के मामलों की एक असामान्य संख्या देखी गई और सर्जनों ने बच्चों को प्राथमिकता देने का निश्चय किया, क्योंकि उन्हें लगा कि स्थानीय सर्जन इस तरह के मामलों को संभाल नहीं सकेंगे।

''यह उल्लेखनीय था कि कार्य को दीर्घकालिक बनाने के लिए कैसे हमारे सर्जनों ने स्थानीय डॉक्टरों से अपने मार्गदर्शन में सर्जरी करवाने के लिए अपना सर्वोत्तम प्रदर्शन किया,'' साबू ने कहा। उन्होंने आगे कहा कि दो कुर्सियों के साथ दन्त चिकित्सा विभाग

दंत सुधार के बाद युवा नैंसी मुस्कुराती हुई।

बहुत ही छोटा था ''और रोज़ाना 100 से अभी अधिक प्रतीक्षा में रहते थे और हमारे सर्जनों ने जटिल प्रक्रियाओं को करने के लिए कड़ी मेहनत की, साथ ही स्थानीय सर्जनों को इसमें प्रशिक्षित भी किया।''

इस प्रकार, कठिन परिस्थितियों में भारतीय सर्जनों द्वारा मेडागास्कर में, 163 नेत्र ऑपरेशन और 73 सामान्य, 36 प्लास्टिक, 34 ईएनटी, 35 ओर्थपेडीक, 8 स्त्री रोग संबंधी, और 576 दन्त सर्जरियाँ की गई। त्वचारोग विभाग ने 1,250 मरीज़ों की जाँच की और उन्हें नि:शुल्क दवाइयाँ वितरित की। क्षेत्र में हड्डी में संक्रमण, हर्निया, गोइटर, क्लबफुट और जलने से चोट लगने की समस्याएं आम है।

रो ई अध्यक्ष बेरी रसिन ने कहा ''भारतीय डॉक्टरों का मेडागास्कर के मरीज़ों के प्रति समर्पण देख कर मुझे बेहद ख़ुशी हुयी। उनका काम प्रेरणाप्रद है और यह मेरी खुश नसीबी थी की मुझे इस चिकित्सा शिविर में काम करने का मौका मिला। में चाहता हूँ की हर रोटेरियन को इसका अनुभव मिले। उन्हें पता लग जायेगा की *प्रेरणा बने* का पात्र क्या है।''

पहला चिकित्सीय मिशन जो यूगांडा के लिए था, को याद करते हुए साबू ने कहा कि रोटरी ने तब से 43 देशों में मरीजों का इलाज करने हेतु 500 से भी अधिक डॉक्टरों को भेजा है और भारतीय सर्जन अभी तक अफ्रीका में कारगर रूप से 63,000 सर्जरियाँ कर चुके है।

साबू ने कहा, आँख का ऑपरेशन करते समय भारतीय जुगाड़ काम आई। एक गैर-कामकाजी छोटी क्षमता वाले ऑटोक्लेव से निपटने के लिए, सर्जन (डॉ निवेदिता) दो बड़े प्रेशर कुकर लायीं और उनका उपयोग सर्जरी के उपकरणों को स्टेरलाइज़ करने के लिए किया।

चिकित्सा मिशन टीम, RID सी भास्कर और माला, और PRIP राजेन्द्र साबू और उषा के साथ।

रो ई अध्यक्ष बेरी रेसिन मीडिया को संबोधित करते हुए। चित्र में PRIP राजेन्द्र साबू और DG प्रवीण गोयल (दाएं) भी शामिल हैं।

डीजी प्रवीण गोयल जो अपनी पत्नी बासु, अध्यक्ष रेसिन, रोई निदेशक भास्कर और माला, PRIP साबू और उषा के साथ स्वयंसेवक दल का हिस्सा थे, ने इन सब की भागीदारी के लिए कहा, ''वरिष्ठ नेतृत्वकर्ताओं को मरीज़ों को स्ट्रेचर में ओटी से सामान्य वार्ड तक ले जाते देखना, संतुष्टिप्रद शब्दों के साथ चिंतित मरीज़ों को शांत करने की कोशिश करना और विशेषज्ञों की उनके कार्य में सहायता करते देखना दिल को छू लेने वाला था।''

रोई मंडल 3080 के प्रमुख मंडल होने के साथ यह मिशन एक वैश्विक अनुदान प्रयास था, और इसे अंतर्राष्ट्रीय साझेदारों - मंडल 6200 (लुइसिआना), 6880 (अलबामा) और 6760 (टेनेसी) - और टीआरएफ द्वारा समर्थन प्रदान किया गया। मेडागास्कर के स्वास्थ्य मंत्रालय ने अतिथि दल को समर्थन प्रदान किया। ''परियोजना की लागत 87,000 डॉलर थी और हम अपने साथ 1,300 किलो की दवाइयाँ और उपकरण ले गए थे जिसे हमने उस अफ्रीकी देश के अस्पतालों को दान कर दिया था, परियोजना प्रमुख,'' पीडीजी रणजीत के भाटिया ने कहा। पीडीजी रमन अनेजा लॉजिस्टिक्स और प्रबंधन के प्रभारी थे। पीडीजी मनप्रीत सिंह गंधोके और पीडीजी धनचंद, अपनी पत्नियों पूनम और मीना के साथ अन्य स्वयंसेवकों में शामिल है।

अंतसिराब, जहाँ मिशन आयोजित किया गया था, 2 लाख से अधिक जनसंख्या के साथ मेडागास्कर का तीसरा सबसे बड़ा शहर है, और यह आर्थिक रूप से पिछड़ा हुआ है अधिकतर लोग शराब की भट्टी में कार्यरत है जो 'थ्री हॉर्सेज बियर' या ''THB' के नाम से जानी जाती है। मुझे वहाँ ऐसा कोई व्यक्ति नहीं मिला जो दिन में तीन वक्त का भोजन करता हो। उनमें से अधिकांश लोग मठरी और चाय पर जीवित है,'' गोयल ने कहा।

उन्होंने बताया कि कैसे एक भारतीय स्त्री-रोग विशेषज्ञ ने एक सी-सेक्शन डिलीवरी के सफल होने में मदद की। ''डॉक्टर 90 मिनट से अधिक समय से ऑपरेशन की जिद्दोजहद कर रहे थे और हमारी स्त्री-रोग विशेषज्ञ, डॉ निर्लेप कौर, ने उनकी मदद की। चिकित्सा सुविधाएँ लगभग है ही नहीं,'' उन्होंने कहा। लेकिन इसके बावजूद भी, ''इंतजार करने वाले मरीज़ों में अनुशासन अद्भुत था। वहाँ किसी प्रकार की कतार तोड़ने की कोशिश, झगड़ा या बहस नहीं थी। लोगों ने अपने आप को सुव्यवस्थित कर रखा था।''

उन्होंने आगे कहा जब 1970 के दशक में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल शुरू किया गया था, तब इस अफ्रीकी देश में स्वास्थ्य सहयोगी पैदल, साइकिलों, बैलों पर सवार होकर और ठेले पर बैठकर विभिन्न जगहों का दौरा करते थे। ''तब से लेकर अबतक बहुत थोड़े ही बदलाव हुए है क्योंकि अभी भी बहुत से लोगों को इलाज प्राप्त करने हेतु 10 किमी या उससे अधिक पैदल चलना पड़ता है, हालाँकि दूरदराज के और विरले जनसंख्या वाले इलाकों में गतिशील स्वास्थ्य केंद्र शुरू किये गए है। निर्धारित औषधियों की उच्च लागत भी प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल में एक प्रमुख रुकावट है।''

स्थानीय रोटेरियनों और रोटरेक्टरों ने अनुवाद करके मदद की, क्योंकि यहाँ पर सामान्य रूप से बोली जाने वाली भाषाएँ फ्रेंच और मालागासी है। उन्होंने ओटी में भी डॉक्टरों की मदद की।

भारत के कुछ डॉक्टरों में नेत्र सर्जन निवेदिता सिंह, चर्मरोग विशेषज्ञ वनीता गुप्ता, प्लास्टिक सर्जन वी डी सिंह, सामान्य सर्जन एन एस सांधू, ओर्थपेडीशियन रावजीत सिंह और ईएनटी विशेषज्ञ रमोन अब्रोल शामिल थे। चिकित्सीय दल में दन्त चिकित्सक, निश्चेतनता विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ

और रोगविज्ञानी शामिल थे। मरीज़ों का इलाज करने के अलावा, उन्होंने स्थानीय डॉक्टरों को आधुनिक चिकित्सा तकनीकों का प्रशिक्षण दिया।

इस मिशन के चिकित्सा निदेशक और सामान्य सर्जन डॉ करण सिंह ने कहा, ''हम में से प्रत्येक ने कम से कम एक डॉक्टर को प्रशिक्षित किया और हाल ही में जब मैंने सुना कि जिन डॉक्टरों को हमने प्रशिक्षित किया उनमें से एक ने स्वतंत्र रूप से 10 सर्जरियाँ की, मैं बहुत खुश हुआ।'' यह उनका 17वाँ चिकित्सीय मिशन था, और यह पहली बार था जब मैंने सुबह 8 बजे से लेकर रात के 8 बजे तक काम किया। लेकिन मुझे कभी थकान महसूस नहीं हुई। ''हमारे बीच रोई अध्यक्ष, निदेशक और PRIP साबू जैसे वरिष्ठ नेतृत्वकर्ताओं की मौजूदगी से हम उत्साहित थे।''

अफ्रीकी द्वीप पर भारतीय डॉक्टरों का सम्मान किया जाता है और इतनी कठिन परिस्थितियों में लंबी अवधि तक कार्य करने, और मौजूदा सुविधाओं के साथ इलाज करने की अपनी तकनीक को अनुकूल बनाने की उनकी क्षमता के लिए उनकी प्रशंसा की जाती है, डॉ वी डी सिंह ने कहा।

दन्त सर्जन डॉ जी के ठकराल, जो एक पीडीजी है, जो अपनी दन्त सर्जन पत्नी, डॉ रश्मि के साथ थे ने कहा, ''यह उनका आठवां रोटरी चिकित्सीय मिशन था। इसने हमें दांत से संबंधित विभिन्न बीमारियों की वजह से दर्द, कष्ट और वेदना झेल रहे सैकड़ों लोगों को राहत पहुंचाने का अवसर दिया।'' यह मरीज़ दो कारणों की वजह से चुपचाप तकलीफ सह रहे थे - गुणवत्तापूर्ण दन्त उपचार की कमी और जो कुछ भी स्थानीय अस्पतालों में उपलब्ध था उसे वहन ना कर पाने की असमर्थता।

उनके उपचार में उपयोग की गई कुछ आधुनिक प्रक्रियाओं में ''रूट कैनाल उपचार, सर्जिकल एक्सट्रैक्शन, मसूड़ों की सर्जरी और बुरी तरह से विकृत दांतों के लिए लाइट क्योर रेस्टोरेशन शामिल है। छोटे बच्चे जो मुँह में बुरी तरह दिखने वाले दर्दनाक दांतों की समस्याओं की वजह से बात करने और मुस्कराने में शर्माते थे, एक बार उपचार मिलने के बाद, पूरे आत्मविश्वास और स्वाभिमान के साथ मुस्करा रहे थे और बातें कर रहे थे।''

इनमें रोज़ेन और नेंसी नामक दो लड़कियाँ शामिल है, जिनकी मुस्कराहटों के साथ-साथ उनके चेहरे भी दन्त चिकित्सक दल के हस्तक्षेप के कारण नाटकीय रूप से परिवर्तित हो गए। ''उनके व्यक्तित्व का प्रबल और सकारात्मक परिवर्तन हमारे कौशलों का सबसे बड़ा पुरस्कार और प्रशंसा है। हमें लगता है कि ऐसे मिशनों में दन्त स्वयंसेवकों के रूप में कार्य करना हमारे द्वारा किये गए किसी भी अन्य रोटरी असाइनमेंट की तुलना में अधिक परिपूर्ण और संतोषजनक है,'' डॉ ठकराल ने आगे कहा।

डॉ वनीता ने कहा कि इस क्षेत्र में प्रशिक्षित त्वचाविज्ञानियों की कमी है और खुजली एवं कवक संक्रमण प्रचुर मात्रा में है। उन्होंने 1,250 मरीजों का इलाज किया और उन्हें नि:शुल्क दवाइयाँ वितरित की। ''इनमें अधिकांश सुसाध्य मामले है लेकिन प्रशिक्षित डॉक्टरों की अनुपस्थिति के कारण उपेक्षित किये गए।''

PRIP साबू ने आगे कहा: ''यह हमारे लिए गर्व की बात है कि अध्यक्ष बेरी रेसिन हमारे साथ शामिल हुए और एक स्वयंसेवक के रूप में कार्य किया और हमारे साथ उसी होटल में ठहरे। अस्पताल में उन्होंने ट्रालियाँ, व्हीलचेयरों को धकेला और मरीजों को बिस्तर से ऑपरेशन टेबल तक स्थानांतरित करने में मदद की। उनके साथ नाइजीरिया के रोई निदेशक ओलायिन्का

PRIP राजेन्द्र साबू, DG प्रवीण गोयल, RID सी भास्कर और PDG रंजीत के भाटिया मरीजों के साथ।

ऑपरेशन थियेटर में ENT विशेषज्ञ डॉ रमन अबरोल के साथ, रो ई अध्यक्ष बेरी रेसिन और PRIP राजेन्द्र साबू।

चिकित्सा शिविर में मदद करते हुए रो ई अध्यक्ष बेरी रेसिन।

हकीम बाबालोला भी थे। वे दोनों हमारे साथ दवाई के संग्रहागार में बैठते थे जहाँ डॉक्टर और स्वयंसेवक काम करने के लिए जल्दी-जल्दी दोपहर का भोजन लेते थे, और वे हमारे साथ जो कुछ भी हमारी VTT टीम के लिए आता था उसे खाते थे!''

उन्होंने निदेशक भास्कर और माला का तीन दिनों के लिए हमारे साथ जुड़ने और स्वयंसेवकों के रूप में कार्य करने के लिए धन्यवाद किया। ''भास्कर ने सुझाव दिया कि हम उन्हें एक स्थायी उपहार दें और हमारे दल ने वहाँ एक दन्त चिकित्सा विभाग स्थापित करने की पेशकश की है।'' एक बार सरकार ईमारत प्रदान कर दें, ''भारत में रोटरी संपूर्ण उपकरण और डॉक्टरों को प्रशिक्षण प्रदान करेगी। प्रस्ताव मेडागास्कर अधिकारियों को दिया गया है और हमें इसे आगे बढ़ाने की आवश्यकता है।''

अगला रोटरी चिकित्सीय मिशन 5-17 मई तक मंगोलिया के लिए नियोजित किया गया है और 17 डॉक्टरों ने इस कार्यक्रम के लिए हस्ताक्षर किये है।

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

बर्फ़िले शिकागो ने विधान परिषद के प्रतिनिधियों को किया चकाचौंद

रेखा शेट्टी

2019 के एक विलक्षण कार्यक्रम काउंसिल ऑन लेजिस्लेशन (CoL) में 530 प्रतिनिधि सुव्यवस्थित भवन में आसीन थे। रो ई अध्यक्ष, निदेशक और CoL का संचालन करने वाले अधिकारी, परिषद में मताधिकार रहित अधिकारी थे। बाहर, शिकागो में कड़ाके की ठण्ड के साथ बर्फ पड़ रही थी। मौसम ठीक वैसा ही था जब पॉल हैरिस ने इस शहर में रोटरी की स्थापना की थी, इसी शहर में कोन आइस की उत्पत्ति भी हुई थी।

रोटरी लोकतंत्र का सर्वश्रेष्ठ स्वरुप CoL में है। जब आपको पता चलता है कि परिषद रोटरी कानून का निर्माण करने वाली सर्वोच्च संस्था है, आप गर्वित महसूस करते हैं।

पहले दिन, 17 अध्यादेशों के विरोध में वोट पड़े थे। स्वीकृत किया जानेवाला पहला अध्यादेश, रोटरी क्लब मद्रास टेम्पल सिटी, रो ई मंडल 3232 द्वारा प्रस्तावित था, सिर्फ वैधानिक किताबों तक सीमित रहने की अपेक्षा विविधता का प्रचार प्रसार करने और उसकी सराहना करने की आवश्यकता थी। एक प्रकार से यह न्यायसंगत भी था क्योंकि इस क्लब ने पिछले 30 वर्षों से, पुरुषों और महिला रोटेरियन सदस्यों का अनुपात 50-50 बनाए रखने का पालन सख्ती से किया है।

परिषद ने आवेश में ऐसे हर प्रस्ताव को सिरे से खारिज कर दिया जो नेतृत्व की गुणवत्ता को संरक्षित रखने वाले मानकों को कमज़ोर करे। रोटेरियन के गवर्नर चुने जाने के लिए आवश्यक वर्षों की संख्या कम करने के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया गया।

पीडीजी बाल इनामदार ने रोटरी के संवैधानिक दस्तावेजों से एक शब्द 'उच्च' को हटा देने की मांग की और यह सुझाव दिया कि उच्च नैतिक मानकों से ऐसा प्रतीत होता है जैसे 'निम्न' नैतिक मानक भी हैं! हमें 'उच्च' शब्द हटा देना चाहिए। इसे अस्वीकार कर दिया गया था।

इस परिषद ने हमारी मौजूदा संरचना के साथ बहुत अधिक छेड़छाड़ को बढ़ावा नहीं दिया। मीटिंग की संख्या 40 तक बढ़ाने वाले एक जापानी अधिनियम को अस्वीकार कर दिया गया था। यह एक कठोर परिषद थी, जो बोर्ड पर सबसे शक्तिशाली लोगों के प्रस्ताव भी अस्वीकृत कर देने की अपनी शक्ति से पूरी तरह से अवगत थी। परिषद में मंडल के प्रतिनिधित्व को कम करने के किसी भी प्रयास को निर्णायक रूप से खारिज कर दिया गया।

लगभग एक साथ पाँच भाषाओं में अनुवाद प्राप्त करना आनंददायक था। अधिकांश प्रतिनिधियों ने कानून का अध्ययन करने के लिए टैबलेट और अन्य डिजिटल साधनों का उपयोग किया। मतदान में डिजिटल उपकरणों का प्रयोग किया गया और सभी परिणाम तत्काल प्रदर्शित किए गए।

क्षेत्रीय प्रिंट पत्रिकाएँ बनी रहेंगी

रोटरी पत्रिकाओं को प्रिंट से डिजिटल मीडिया में परिवर्तित करने के कई प्रस्ताव आये। पर प्रिंट संस्करणों को प्रबलता से समर्थन मिला और अन्य प्रस्तावों को अस्वीकार कर दिया गया। "समय आएगा जब मुद्रित शब्द

PRIP गण राजेंद्र साबू, के आर रविंद्रन, RID सी भास्कर, RIDE गण भरत पांड्या और कमल संघवी भारतीय दल के साथ। चित्र में CoL के अध्यक्ष डुआने बेंटन और संविधान और बाइलाज़ के अध्यक्ष टी एन राजु सुब्रमण्यम भी शामिल हैं।

प्रचलन से बाहर हो जायेगा लेकिन अभी वो समय नहीं है। वक़्त आएगा जब ब्रिक की जगह क्लिक यानि ऑफलाइन की जगह ऑनलाइन ले लेगा, पर अभी नहीं'' मैंने कहा और इसकी सराहना की गई थी।

तो हमारी पत्रिकाएं हम तक पहुँचती रहेंगी।

भारतीय प्रतिनिधि अपने क्रम में पूरी तरह से तैयार थे। पहली बार भारतीय प्रतिनिधि मंडल में तीन महिलाएं थीं - पीडीजी एस कल्पना खुंड, बिंदू सिंह और मैं। संविधान और उपनियम समिति के अध्यक्ष। पीडीजी राजू सुब्रमण्यम मंच पर उपस्थित थे, इस पद पर पहले भारतीय। पिछले कुछ वर्षों से भारतीय प्रतिनिधियों को वे स्वयं देख रहे हैं। चेन्नई ज़ोन इंस्टीट्यूट में उनके प्रशिक्षण सत्र ने यह सुनिश्चित किया था कि सभी प्रतिनिधि सीओएल में भाग लेने के लिए पूरी तरह से तैयार थे। कठोर आलोचना के बावजूद, प्रतिनिधियों को एक ऑनलाइन परीक्षा भी पास करनी पडी थी, जिसमें सभी ने भाग लिया था।

दक्षिण अफ्रीका के एक प्रस्ताव, रोटरी इंटरनेशनल की गतिविधियों से पिछले अध्यक्षों को बाहर रखने, को जोरदार तरीके से खारिज किया गया। ''हमें उन की बुद्धिमत्ता की ज़रूरत है,'' प्रतिनिधियों में से एक ने कहा।

चुनावों में निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए कई प्रयास किए गए। एक प्रस्ताव - रोटरी क्लब मद्रास, रो ई मंडल 3232 से- 'वोट क्लब' के खतरे को भांपते हुए, यह मांग की गई कि केवल वे क्लब ही वोट कर सकते हैं जो पिछले वर्ष की 1 जुलाई को सूचीबद्ध थे। इसे स्वीकार कर लिया गया।

रोटरेक्ट को आगे बढ़ाना

अंतिम दिन, रोटरेक्ट क्लबों को रोटरी इंटरनेशनल के सदस्य बनने की अनुमति देने, अधिनियम 19-72 ने, पिछले दिन खारिज कर दिए जाने के बाद धीरे-धीरे वापिस गति पकड़ी। रो ई अध्यक्ष बेरी रेसिन ने प्रतिनिधियों को रोटरेक्टर्स का सम्मान करने और उन से सम्बन्ध प्रगाढ़ करने को कहा जिस से रोटरी में उनका मार्ग प्रशस्त हो सके। उन्होंने कहा कि उन का लक्ष्य रोटरेक्टर्स को रो ई सदस्य और सहयोगी बनाकर आगे बढ़ाना था। कई नियमों पर आपत्ति और येलो कार्ड उठाये गए। अध्यक्ष रेसिन ने फिर से दोहराया कि कोई भी रोटरेक्ट क्लब एक रोटरी क्लब बन सकता है यदि वे नियमों का और सदस्यता भुगतान के दायित्वों की पालना करते हैं। काफी लंबी चली बहस के बाद प्रफुल्लता से, अधिनियम 381 मतों के साथ पारित हो गया।

रोटरेक्ट क्लब रोटरी की संरचना का अंग बन जाएंगे। ''रोटरेक्टर्स के लिए हम एक प्रेरणा बनें। उनके पास रोटरी के मानचित्र का अंग

बाएं से : PDG रेखा शेट्टी, कल्पना खुंद और बिंदू सिंह CoL मीट में।

बनने का विकल्प है।'' रो ई अध्यक्ष ने कहा।

CoL सदस्यों की योग्यता कम करने के, ज़्यादा सदस्यों वाले मंडलों को अधिक वोट देने के, मताधिकार रहित सदस्यों की संख्या को कम करने के, सभी अधिनियमों को अस्वीकार कर दिया गया।

बोर्ड ने एक अन्य प्रस्ताव को खारिज कर दिया जिसमें पूर्व अध्यक्षों और बोर्ड के सदस्यों को CoL में भाग लेने से वंचित किया गया था।

जोन इंस्टिट्यूट में कानून पर बहस और उसकी रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने के लिए जापान से आया एक प्रस्ताव पारित हो गया। और रिपोर्टिंग में अधिक पारदर्शिता लाने के लिए क्लब और सदस्यों के विरोध की रिपोर्टिंग करने का अगला अधिनियम भी पारित किया गया।

रोटरी के उपनियमों (Bylaws of Rotary) को आधुनिक और सरल बनाने और मानक क्लब संविधान (Standard Club Constitution) को सरल बनाने के दो अधिनियम पारित किए गए। प्रतिनिधियों को बताया गया कि अंतिम बार इन दस्तावेजों में 17 साल पहले बदलाव किया गया था। 19-117 अधिनियमन का विषय था, कर की स्थिति बदलना। बोर्ड के उपाध्यक्ष जॉन मैथ्यूज ने कहा कि इसका मतलब था रो ई के लिए बहुत बड़ी बचत। इस मामले को अनिश्चित काल के लिए स्थगित करने के लिए एक संगठित प्रयास किया गया, जो निष्फल रहा ।

बोर्ड के कई सदस्यों ने इस अधिनियम के पक्ष में अपनी सहमति दी। PRIP राजेंद्र साबू ने संगठन को इस अधिनियम से होने वाले लाभ बताये। कई प्रतिनिधियों ने टीआरएफ और रो ई के बीच सहयोग की बात की। सबसे गर्मजोशी से बहस इसी विषय पर हुई और इसे 75 प्रतिशत सदस्यों ने पारित कर दिया।

अध्यादेश लाने के लिए परिषद को तीन अतिरिक्त महीने देने के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया गया था।

समापन के दिन, अध्यक्ष रेसिन ने परिषद में लिए गए सुधारात्मक निर्णयों की सराहना की।

CoL में शानदार संगीत, स्वादिष्ट भोजन और स्वस्थ बहस हुई। एक प्रतिनिधि, डुआने रीड ने कहा कि यह पिछली चार परिषदों में सबसे अच्छी निष्पादित CoL थी। और जो कुछ बाकी रहा, वह था मौका अलविदा कहने का!

लेखिका RID 3232 की PDG है।

आनंदित रोटेरियन से एक

रशीदा भगत

हमारे ज़ोन में आगामी मंडल अध्यक्षों और मंडल के अन्य नेताओं को प्रशिक्षित करने के लिए हाल ही में कोलकाता में आयोजित DISHA प्रशिक्षण कार्यक्रम में, रो ई निदेशक सी भास्कर ने हलके फुल्के अंदाज़ में कुछ गंभीर संदेश दिए।

सबसे पहले, उन्होंने कहा, पिछली रात आयोजित फेलोशिप कार्यक्रम, अंताक्षरी में, जहां वरिष्ठ नेताओं सहित सभी प्रतिभागियों को अपनी पसंद का गीत गाना था, उन्होंने ''रोटरी के सहभागिता और समर्थन के स्वरूप'' को फिर से जाना। ''मैं अच्छी तरह से जानता हूँ कि मैं गा नहीं सकता; इसलिए जब अंताक्षरी का संचालन करने वाले व्यक्ति ने मुझसे पूछा, तो मैंने उससे कुछ समय माँगा और जब गाना शुरू किया, तो मेरे आस-पास के लोगों (उनकी टीम में) को एहसास हो गया कि मैं गा नहीं पाऊँगा तो उनमें से कई, विशेषकर पीडीजी सुब्रा (एन सुब्रमण्यन, आरआईडी 3011) ने मुझे बहुत अच्छी तरह से समर्थन दिया। मैं उनका धन्यवाद करता हूँ। लेकिन पिछली रात से यह संदेश मिलता है कि अपने लक्ष्यों की चिंता न करें; भले ही वो सदस्यता हो या टीआरएफ, क्योंकि एक बार जब आप अपना सर्वश्रेष्ठ देने का निर्णय कर लेते हैं, तो आपके आसपास के लोग आपका समर्थन करने लगेंगे।''

रो ई निदेशक सी भास्कर

भास्कर की इस बात पर दर्शकों ने ज़ोरदार ठहाका लगाया कि कल ''पीडीजी रजनी मुखर्जी ने मेरे लिए एक टिप्पणी की थी: 'इन दिनों आप बहुत गंभीर हो गए हैं।' मैं सोच में पड़ गया और मुझे लगा कि वो ठीक कह रहे हैं। जब मैं रोटरी में शामिल हुआ तो मैं बहुत प्रसन्नचित व्यक्ति था ... एक खुशदिल रोटेरियन।''

उन्होंने कहा कि उस दिन वह अपनी पूरी रोटरी यात्रा को साझा कर रहे थे ताकि वहां एकत्रित मंडल के नेताओं को दिखाया जा सके कि ''एक साधारण सा व्यक्ति भी बेहतर कैसे बन सकता है और रो ई के निदेशक पद पर पहुँच सकता है।'' रोटरी की सदस्यता उन्होंने 1988 में ली थी ''एक रोटेरियन के रूप में, मैं खुश था; अगर मैं किसी मीटिंग में जाना चाहता तो जाता, वरना नहीं जाता, जब तक कि मैं अपने क्लब का अध्यक्ष निर्वाचित नहीं हो गया। फिर मैं एक चिंतित आदमी बन गया,'' ठहाकों के बीच उन्होंने कहा।

उस वक़्त उनके क्लब - रो क्लब करूर - में केवल चार सदस्य थे। इसलिए पिछली शाम की तरह ही ''जब मैंने गाने के लिए समय मांगा था और फिर गा दिया, तो उस वक़्त भी मैंने सोचा था कि मुझे कुछ समय मिल जाएगा। अन्य तीन लोगों से मैंने कहा कि मैं एक क्लब के नेतृत्व करने के बारे में कुछ भी नहीं जानता, मैं तो एक क्लब अधिकारी

गंभीर व्यक्ति तक का सफर

भी नहीं था, इसलिए आप में से कोई भी एक वर्ष के लिए अध्यक्ष बन जाए फिर अगले वर्ष यह जिम्मेदारी मैं ले लूंगा। लेकिन उन्होंने कहा कि पहले से ही हम तीनों दो से ज़्यादा बार अध्यक्ष रह चुके हैं!''

और कोई चारा नहीं था, वो अगले वर्ष क्लब का नेतृत्व करने के लिए सहमत हो गए, ''पूरी तरह से चिंतित था कि मैं उस क्लब का नेतृत्व कैसे कर सकता हूं जिसमें सिर्फ चार सदस्य हों। इसलिए मेरे पदस्थापन से पहले चारों तरफ दौड़ा और अपने दोस्तों को रोटरी में शामिल होने के लिए राज़ी किया।''

जिस दिन वह स्थापित हुए, उन्होंने 30 नए सदस्यों को शामिल किया था और जब उनका कार्यकाल समाप्त हुआ, क्लब में 46 सदस्य थे। ''और सभी 46 लोग कामकाजी थे। मैंने अपने क्लब में सदस्यता वृद्धि की, सिर्फ गवर्नर को दिखाने के लिए उन्हें शामिल नहीं किया था। मेरे द्वारा शामिल किया गया हर एक व्यक्ति क्लब में सदस्य बना रहा। यदि आप 40 उचित लोगों को आमंत्रित करते हैं, तो वे न केवल आपके पीछे खड़े रहेंगे बल्कि आपका समर्थन भी करेंगे।''

उस वर्ष उनके क्लब ने स्थानीय समुदाय की सेवा इतनी ईमानदारी और लगन से की कि ''मीडिया की रिपोर्टों को देखकर, स्थानीय विधायक ने खुद हमारे क्लब में शामिल होने की पेशकश की और जो बाद में तमिलनाडु सरकार में मंत्री बने। कल्पना कीजिए कि इससे रोटरी की सार्वजनिक छवि में कितना ज़बरदस्त फर्क पड़ा होगा!''

ज़ोरदार तालियों की गड़गड़ाहट के बीच भास्कर ने एक बड़ी घोषणा की कि 1991 (क्लब अध्यक्ष के रूप में उनका वर्ष) से, उनका क्लब आज 46 से बढ़कर 430 सदस्यों का हो गया है, जो भारत में दूसरा सबसे बड़ा क्लब है। ''सदस्यता बढ़ाना बहुत मुश्किल नहीं था। यहां बैठे सभी मंडल के सदस्यता अध्यक्षों से कहना चाहूंगा कि, अगर आपने अपने क्लब अध्यक्षों और सचिवों के साथ क्लबों में योग्य लोगों को आमंत्रित करने की ठान ली है, तो ये मुमकिन है।''

अपने लक्ष्यों की चिंता न करें; भले ही वो सदस्यता हो या टीआरएफ, क्योंकि एक बार जब आप अपना सर्वश्रेष्ठ देने का निर्णय कर लेते हैं, तो आपके आसपास के लोग आपका समर्थन करने लगेंगे।

रो ई निदेशक ने कहा कि उन की उपलब्धियों को मान्यता मिली और मंडल ने उन्हें गवर्नर चुन लिया। जब वह गवर्नर बने, ''एक चिंतित व्यक्ति से मैं एक जिम्मेदार आदमी बन गया।'' उन्होंने देखा कि उनके जिले के 56 क्लबों में से केवल 44 ही सक्रिय और क्रियाशील थे, उन्होंने निष्क्रिय पड़े क्लबों का क्रियाशील क्लबों में विलय कर दिया। वर्ष के अंत तक मंडल की सदस्यता में 10.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई। उन्होंने अपने क्लबों से और अधिक सेवा परियोजनाएं करने का आग्रह किया और अंतर्राष्ट्रीय असेंबली में भाग लेने से पहले यह जानने का प्रयत्न किया कि मैचिंग ग्रांट की प्रक्रिया क्या है, अपने क्लब अध्यक्षों से उन्होंने आग्रह किया कि वे ऐसे अनुदान के लिए उन्हें प्रस्ताव दें और ''उस वर्ष, मंडल ने नहीं बल्कि 44 में से42 क्रियाशील क्लबों ने स्वतः ही मैचिंग ग्रांट की थी।''

वह रोटरी कोऑर्डिनेटर बने और 2013-14 में, जोन 5 ने, ''जिसके लिए मैं जिम्मेदार था, पूरी दुनिया की कुल सदस्यता वृद्धि में 35 प्रतिशत का योगदान दिया। पर, जब मैं निदेशक बन गया तो गंभीर हो गया ... हमारी सदस्यता वृद्धि या टीआरएफ योगदान (जो बढ़ रहा था) को देख कर नहीं बल्कि अन्य विसंगतियों को देखते हुए यह सोचा कि यदि हम ही अपने घर को व्यवस्थित नहीं करेंगे, तो और कौन करेगा?'' ■

रो ई DGयों के लिए 11 मिलियन डॉलर खर्च करता हैः के आर रविंद्रन

रशीदा भगत

क्या आप जानते हैं कि रो इ ने मंडल अध्यक्षों के लिए कितना बजट निर्धारित किया है? यह राशि प्रति वर्ष 11 मिलियन डॉलर से अधिक है। कुछ मंडल अध्यक्षों को हमारे क्षेत्र में बढ़िया भत्ते मिलते हैं, 1991-92 में जब मैं डीजी था, उस समय मेरा अपना भत्ता 1,50,000 रुपये से अधिक नहीं था! और RRFC यों, RC यों, RPICयों आदि की लागत लगभग 3 मिलियन डॉलर है। इन सब का भुगतान कौन करता है? इवान्स्टन नहीं, बल्कि दुनिया भर के रोटेरियन अपने वार्षिक शुल्क के ज़रिये। इसलिए हमारे सदस्य सर्वोत्तम के अधिकारी हैं; हमारा समाज, जिसकी सेवा हमारे सदस्य करते हैं, हमारे समर्थक और हमारे संरक्षक भी इससे कम के पात्र नहीं हैं।

आगामी मंडल अध्यक्षों और मंडल के अन्य अधिकारियों के लिए हाल ही में आयोजित एक ट्रेनिंग कार्यक्रम DISHA को सम्बोधित करते हुए पूर्व रो ई अध्यक्ष और TRF ट्रस्टी के आर रवीन्द्रन ने ये आंकड़े उजागर किये। उन्होंने कहा, ''ये सभी हितधारक आपको आपकी शक्ति से नहीं बल्कि आपके प्रभाव से मापेंगे; उस से नहीं जो आप कर सकते हैं बल्कि उन कार्यों से जो आप निष्पादित करते हैं; आप सेवा में कितने संसाधन जुटाते हैं इस से नहीं वरन उन साधनों ने दूसरों के जीवन में कितना परिवर्तन किया।''

उन्होंने कहा कि समाज में लोगों के जीवन में परिवर्तन लाने की रोटरी की यह अपार क्षमता और शक्ति उनके हाथों में थी, और उन सभी को इसे पहचानने और कल्याण कार्यों में प्रयोग करने की आवश्यकता थी।

विभिन्न लोगों के लिए रोटरी के मायने अलग-अलग हैं, ''मैं भाग्यशाली हूं कि लगभग 110 से 112 लोगों के एक ऐसे समूह का हिस्सा हूँ जो भलाई करने के लिए रोटरी की ताक़त को बिलकुल शीर्ष से जानते हैं और सरसरी तौर पर समझते हैं कि इस दुनिया के लिए रोटरी के क्या मायने हैं। मेरे लिए, रोटरी दोनों है, अंजाम तक पहुँचने का ज़रिया और खुद एक अंजाम; यह दुनिया को बेहतर बनाने का एक ज़रिया है, लेकिन यह मेरी दुनिया भी बेहतर बनाती है, मेरी और मेरे परिवार दोनों की।

मेरे पास जो भी है उसे देने का यह एक माध्यम है; लेकिन बदले में जो ये मुझे देता है वह मेरे जीवन को और अधिक समृद्ध बनाता है।इससे मुझे दुनिया में अपनी पहचान बनाने में मदद मिलती है - ये भी सच है कि इसने मुझ पर भी अपनी अमिट छाप छोड़ी है। अंत में, जितना रोटरी मुझसे लेती है उससे कहीं अधिक मैं रोटरी से पा लेता हूँ।''

टीआरएफ ट्रस्टी का कहना था कि उनकी खुद की कंपनी के सीईओ के रूप में, उनके द्वारा लिए गए हर फैसले में, उनके शेयरधारकों को अधिकतम लाभ का लक्ष्य शामिल रहता था, ''लेकिन नैतिकता, प्रयासों और प्रतिबद्धता पर कोई समझौता नहीं। तो फिर यह रोटरी में अलग क्यों हो?''

PRIP के आर रवींद्रन।

समस्त रोटरी नेताओं से अपने सभी सदस्यों पर, जो वास्तव में उनके 'शेयरधारक' थे, यही नियम लागू करने का आग्रह किया, ताकि उनके द्वारा लिए गए प्रत्येक निर्णय का लाभ उन्हें मिल सके, उन्होंने एक बात हमेशा ध्यान में रखने को कहा : नेतृत्व के इन पदों पर यहां भेज कर वो आप में विश्वास व्यक्त करते हैं, वे आपकी पदवी और आपकी यात्रा में सहयोग करते हैं। यदि आपको RRFC,RC या एक RPIC अथवा DG के रूप में भत्ता मिलता है, तो उसकी लागत यही सदस्य वहन करते हैं।

वहां एकत्रित सभी मंडल अधिकारियों से उपलब्ध संसाधनों का समझदारी से उपयोग करने का आह्वान करते हुए, रविंद्रन ने अपने रो ई अध्यक्ष के कार्यकाल की घटना का ज़िक्र किया। लगभग दो साल पहले जब वे RIPN थे, उन्हें आमंत्रित किया गया था, यह एक TRF कार्यक्रम में भाग लेने का निमंत्रण था, जिसका शीर्षक था 'ए मिलियन-डॉलर डिनर,' तब मेरी डायरी खाली थी। तो मैंने कहा क्यों नहीं?''

अध्यक्ष के रूप में, लागत में कटौती उनके मुख्य फोकस क्षेत्रों में से था और कार्यक्रम की तिथि पास आने पर, उन्होंने पाया कि इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए उन्हें अमेरिका के पूर्वी तट से पश्चिमी तट की यात्रा करनी पड़ेगी।

उन्होंने अपने दोस्त स्टीव ब्राउन से फोन पर पूछा, जिसने उन्हें आमंत्रित किया था कि क्या वास्तव में आना ज़रूरी है क्योंकि यह यात्रा काफी मंहगी है, स्टीव ने कहा: ''आना तो आपको पडेगा ही; हम आपके नाम पर ही तो पैसा उठा रहे हैं।''

हवाई अड्डे से निकलते हुए ''मैंने उनसे पूछा कि आपने कितना पैसा इकट्ठा किया है? उन्होंने कहा यह रहस्य की बात है, आज रात को बताएंगे। सारे रास्ते ये सोचते हुए आया कि यहां आना सार्थक भी होगा या नहीं? रवींद्रन को भाषण के लिए उठने से ठीक पहले पता चला कि ये राशी उनकी यात्रा से कहीं अधिक लाभप्रद थी,15 मिलियन डॉलर से ज़्यादा, कुल 15,420,000 डॉलर!''

''मेरे भाषण समाप्त करने के बाद, वहां बैठा एक व्यक्ति खड़ा हुआ और बोला, 'मिस्टर प्रेसिडेंट, मैं उस 15 मिलियन-प्लस डॉलर की राशि को मैच करना चाहूंगा!' इस तरह से उस रात मैं लगभग 31 मिलियन डॉलर ग्रहण कर चुका था, जो पूरे साल में किसी भी देश के द्वारा दी गई राशि की तुलना में कहीं अधिक है।''

जिस कार्यालय में मैं रो ई अध्यक्ष के रूप में बैठा हूँ वो जगह इसलिए सार्थक है क्योंकि आप यहां भलाई कर सकते हैं और क्योंकि ये कार्यालय करीब-करीब करिश्माई हुनर लाता है।

मैं भाग्यशाली हूं कि लगभग 110 से 112 लोगों के एक ऐसे समूह का हिस्सा हूँ जो भलाई करने के लिए रोटरी की ताक़त को बिलकुल शीर्ष से जानते हैं ।

रविंद्रन ने आगे कहा, यह सब मेरी वजह से नहीं बल्कि रोटरी की वजह से हुआ। मेरे शब्दों को एक अलग तरीके से, बहुत गंभीरता से सुना गया था, क्योंकि मैं उस संगठन की ओर से बोल रहा था जिसे इतना सम्मान मिलता है। अगले वर्ष यह अवसर आप सभी के पास होगा।

रवींद्रन ने सभी डीजीई से कहा, ''आपमें से प्रत्येक के पास यह अद्वितीय अवसर है; आप में से प्रत्येक अपने क्षेत्र में रो ई अध्यक्ष के समान है ...आप जो कुछ भी बोलते हैं उसे रोटरी की आवाज माना जाता है। वर्ष के दौरान आपके काम को देखा जाएगा, टिप्पणी की जाएगी और नक़ल की जाएगी। लेकिन जब आप अपना कार्यकाल पूरा करेंगे तो क्या वे कहेंगे कि मैं आप की तरह बनना चाहता हूं?

आप चाहें तो एक ऐसे रोल मॉडल बन सकते हैं जिसका अनुसरण दूसरे करें या फिर अपना कार्यकाल ऐसे असफल व्यक्ति की तरह पूरा कर सकते हैं जिस पर किसी ने ध्यान नहीं दिया, उपेक्षित और सरासर निरर्थक। क्या आप अहंकार में रहे या अंततः अपने सदस्यों को इस तरह प्रेरित किया ताकि समुदाय के लोग लाभान्वित हो सकें? चुनाव आपको करना है।''

लेकिन, अपने व्यक्तिगत अनुभव के आधार पर वो कह सकते थे कि ''जिस कार्यालय में मैं रो ई अध्यक्ष के रूप में बैठा हूँ वो जगह इसलिए सार्थक है क्योंकि आप यहां भलाई कर सकते हैं और क्योंकि ये कार्यालय करीब-करीब करिश्माई हुनर लाता है।''

रवींद्रन ने रोटरी की शक्ति और प्रभाव को प्रमाणित करने के लिए एक और किस्सा सुनाया। रो ई अध्यक्ष के रूप में, उन्होंने एक बार वेटिकन में पोप फ्रांसिस से मिलने का समय निश्चित किया था; उन्हें दो घंटे तक इंतज़ार करवाया, फिर कहा गया कि पोप अत्यंत व्यस्त थे और उनकी मुलाकात को दोपहर के लिए स्थगित कर दिया गया था। लेकिन उस शाम उन्हें कोरिया के लिए उड़ान भरनी थी, ''मैंने कहा माफ करना, हम इंतजार नहीं कर सकते और बाहर आ गए, बेहद निराश।''

दो दिन बाद ही, पोप के कार्यालय से एक संदेश प्राप्त हुआ कि उस दिन उन्हें मुलाकात नहीं कर पाने का अफ़सोस है और ''उन्होंने वापस आने का आमंत्रण दिया,जितने चाहूँ उतने दोस्तों के साथ। लेकिन

मैं जानता हूँ मैं लोकप्रिय नहीं हूं

रशीदा भगत

केआर रवींद्रन ने दिशा में आये हुए मंडल के नेताओं से कहा कि रोटरी की प्रतिष्ठा को अक्षुण्ण रखने के लिए, ''जो हमारी ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और सद्भावना से प्राप्त हुई है, नेता के रूप में कभी-कभी, आपको अलोकप्रिय निर्णय भी लेने होंगे। मैं आपसे यही उम्मीद करता हूं। भलाई करने के लिए आपमें से प्रत्येक को रोटरी की शक्ति का अहसास होना होना चाहिए.... प्रत्येक बच्चे तक पहुँचने की ताकत जिसका प्रदर्शन हम पहले ही पोलियो में कर चुके हैं।''

लेकिन रोटरी की उस प्रतिष्ठा और शक्ति को बनाए रखने के लिए, उन्हें अनैतिक व्यवहार के विरुद्ध कार्यवाही करनी होगी। उन्होंने रो ई अध्यक्ष रहते हुए दो रोटरी मंडलों को निष्कासित कर दिया था एक भारत में और दूसरा रूस में; ''मुझे पता है कि मैं सबसे लोकप्रिय व्यक्ति नहीं हूँ।'' उनके लिए लोकप्रियता का महत्व बहुत कम था; वहीं सम्मान उनके लिए शाश्वत था और प्रत्येक को सम्मान कमाने की कोशिश करनी चाहिए। यदि संगठन के हित में आवश्यक है, तो उन्हें अलोकप्रिय निर्णय लेने पड़ेंगे।

रवींद्रन ने सभी नेताओं से आग्रह किया कि वे रोटरी को अपने परिवार या व्यवसाय के बीच कभी नहीं आने दें। ''मैंने हमेशा सामान्य दर्शन ही अपनाया है - पहले मेरा परिवार, अगला व्यापार और फिर रोटरी। सिवाय अध्यक्ष होते हुए जब मैं इवान्स्टन में रहता था, इसका पालन मैंने बड़ी सख्ती से किया है, और मुझे लगता है कि आपको भी ऐसा ही करना चाहिए। यदि आप अपने व्यवसाय या पेशे की उपेक्षा करते हैं, तो आपके सदस्य भी आपका सम्मान नहीं करेंगे, क्योंकि अपने व्यवसाय या पेशे की वजह से ही आप पहले स्थान पर हैं।''

शायद उन्होंने मुझसे 63 देशों के 10,000 रोटेरियन के साथ लौटने की उम्मीद नहीं की थी। हमने उस दिन सेंट पीटर्स स्क्वायर खचाखच भर दिया था। लेकिन ये सब उन्होंने मेरे लिए नहीं किया अपितु उनके मन में एक संगठन के रूप में रोटरी के लिए जो सम्मान है उस कारण उन्होंने ऐसा किया और क्योंकि उन्हें लगता है कि यह संगठन समर्थन और आशीर्वाद के योग्य है।''

एक ऐसी दुनिया जहां रोटरी को इतना अधिक सम्मान मिलता है, जब आप कुछ गलत करते हैं, भले ही यह केवल महासागर में एक बूंद जितना ही हो, ये बूंदें हमारी प्रतिष्ठा को धूमिल करती हैं।

उस दिन उन्हें यह भी पता लगा कि वेटिकन चिल्ड्रन अस्पताल, जो दुनिया में अपनी तरह के सबसे अच्छे अस्पतालों में से एक है, कंबोडिया में टेली मेडिसिन के माध्यम से रोटेरियनों के साथ काम कर रहा था। ''और एक ऐसी दुनिया जहां रोटरी को इतना अधिक सम्मान मिलता है, जब आप कुछ गलत करते हैं, भले ही यह केवल महासागर में एक बूंद जितना ही हो, ये बूंदें हमारी प्रतिष्ठा को धूमिल करती हैं। हम सभी जानते हैं - उन काल्पनिक क्लबों को, पुरस्कार के लिए बनाए गए क्लबों को या वोट बैंक के रूप में बनाए गए क्लबों को। इसलिए कृपया यह सुनिश्चित करें कि रोटरी की अच्छी छवि को आपके क्लब धूमिल न करें।''

उन्होंने नेताओं को याद दिलाया कि पिछली शाम, टीआरएफ सेमिनार के दौरान, प्रबंधन के मुद्दों को उठाया गया था, जैसे कि टीआरएफ में बेईमानी, लाभार्थियों से वापस लिया गया पैसा, बोगस विक्रेता, पति-पत्नी द्वारा प्रबंधित खाते, इस्तेमाल किए गए पुराने उपकरण को नए के रूप में पारित करना, रो ई भत्ते के दुरुपयोग इत्यादि।

''ऐसी चीजों पर अंकुश लगाने की जरूरत है, क्योंकि इससे हमारी बदनामी होती है,फ़फ़ उन्होंने कहा कि ये सिर्फ भारत तक ही सीमित नहीं हैं और अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने जापान में एक डीजी के खिलाफ कार्रवाई भी की थी। इस से नाराज हो कर डीजी ने शिकागो में रो ई के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की, बचाव के लिए कार्रवाई बहुत महंगी थी, लेकिन जापान में वरिष्ठ रोटरी नेताओं ने मुझे प्रोत्साहित किया साथ ही समर्थन भी दिया और कहा: ''आप इस आदमी से लड़ो, हम समर्थन और धन दोनों देंगे। ऐसे लोगों को हम अपने देश में नहीं चाहते।' हमें इस तरह के नज़रिये की ज़रुरत है।'' ■

रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय से संदेश

परिवार नियंत्रित कॉर्पोरेट/परिवार न्यासों से मिलने वाले योगदानों के लिए टीआरएफ़ मान्यता दिशानिर्देश

न्यासियों ने हाल ही में परिवार नियंत्रित कॉर्पोरेट और परिवार न्यासों से मिलने वाले योगदानों के लिए मान्यता नीति को स्पष्ट किया है। इस तरह के सभी योगदान कॉर्पोरेट/न्यास के नाम पर दर्ज किए जाएंगे। कॉर्पोरेट/न्यास परिवार के एक सदस्य, जो बोर्ड में हो, को योगदान के लिए मिलने वाली प्रमुख दानकर्ता मान्यता के लिए मनोनीत कर सकते है। ऐसी सार्वजनिक धर्मार्थ संस्थाओं या कॉर्पोरेट से मिलने वाले योगदान, जो परिवार-नियंत्रित नहीं है, कॉर्पोरेट मान्यता के लिए पात्र होंगे।

व्यक्तिगत प्रमुख दानकर्ता मान्यता केवल तब दी जाएगी जब कॉर्पोरेट/न्यास के लेटरहेड पर लिखा हुआ एक पत्र इस बात की पुष्टि करेगा कि कॉर्पोरेट/न्यास परिवार-नियंत्रित या परिवार-वित्तपोषित है। वर्तमान में, इन योगदानों को व्यक्तिगत योगदानों में शामिल किया जाएगा लेकिन उन्हें डोनर हिस्ट्री रिपोर्ट (डीएचआर) पर अलग से सूचीबद्ध नहीं किया जाएगा।

कृपया इस बात पर ध्यान दें कि यह जनवरी 2019 की रोटरी फ़ाउंडेशन न्यासी बैठक में लिया गया एक प्रारूपी निर्णय है। अंतिम निर्णय अप्रैल 2019 न्यासी बैठक में लिया जाएगा।

अनुदान रिपोर्टिंग समयसीमा

सभी चालू अनुदानों की 31 मार्च, 2019 तक की गतिविधियों की अन्तरिम/अंतिम रिपोर्ट आवश्यक रूप से 31 मई, 2019 तक जमा की जानी चाहिए, अन्यथा अनुदान रिपोर्टिंग के लिए विलंबित हो जाएंगे। उन क्लबों/मंडलों, यहाँ तक कि उनके अंतर्राष्ट्रीय साझेदारों से भी, संस्थान द्वारा नए अनुदान आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे जिनकी किसी भी संस्थान अनुदान की रिपोर्ट विलंबित है।

CSR-वित्तपोषित वैश्विक अनुदानों के लिए, सभी रिपोर्टों की समय पर प्राप्तियाँ कॉर्पोरेटों को मानक समय सीमा में रिपोर्ट जमा करने के नियमों का पालन करने में मदद करेगी।

रोटरी वर्ष 2018-19 के लिए रोटरी फ़ाउंडेशन को योगदान

सभी दानकर्ताओं से अनुरोध है कि वे 30 जून, 2019, या उससे पूर्व भुगतान कर दें ताकि उनके योगदानों का रोटरी वर्ष 2018-19 में शामिल किया जाना सुनिश्चित हो सके।

सही क्लब इन्वाइस प्राप्त करने के लिए माय रोटरी पर सदस्यता को अपडेट करें:

क्लब सचिवों को जून 2019 के अंत तक उनके क्लब के सदस्यता विवरणों को अपडेट कर लेना चाहिए ताकि उन्हें जुलाई 2019 के लिए सही इन्वाइस मिल सके। इन परिवर्तनों को अब पूर्व क्रियालकलपों के अनुसार नहीं किया जा सकता है। अधिक जानकारी के लिए *https://my.rotary.org/en* पर जाकर Club Administration पेज के अंदर My Rotary में जाइए या *data@rotary.org* पर संपर्क कीजिये।

एंगेजिंग यंगर प्रोफेशनल्स टूलकिट

एंगेजिंग यंगर प्रोफेशनल्स एक ऑनलाइन टूलकिट है जो *https://www.rotary.org/en/engaging-younger-professionals-toolkit* पर उपलब्ध है, जो इस महत्वपूर्ण जनसंख्या को समझने में क्लबों की मदद करता है। सदस्यता का विस्तार करने के लिए यह क्लबों के लिए एक बढ़िया आरंभ बिन्दु है।

यूथ एक्स्चेंज ऑफिसर्स प्री-कन्वेन्शन

31 मई - 5 जून तक हैमबर्ग, जर्मनी में होने वाले यूथ एक्स्चेंज ऑफिसर्स प्रीकन्वेन्शन और रोई सम्मेलन में शामिल होने के लिए रोटेरियन योजना बना सकते है, और दुनिया भर के युवा विनिमय नेतृत्वकर्ताओं एवं पूर्व छात्रों से मिल सकते है। *http://www.riconvention.org/en/hamburg/register* के माध्यम से आप ऑनलाइन या ऑन साइट पंजीकरण कर सकते है।

रोटरी आपदा प्रतिक्रिया कोष और अनुदान

रोटरी की आपदा प्रतिक्रिया नीति को परिपूर्ण बनाने के लिए न्यासियों ने एक नए आपदा प्रतिक्रिया कोष और अनुदान प्रकार को स्वीकृत किया है। आपदा प्रतिक्रिया अनुदान इस तरह के स्थानों में राहत एवं बहाली के प्रयासों का समर्थन करेंगे और उनका वित्तपोषण रोटरी आपदा प्रतिक्रिया कोष में किए गए योगदानों से किया जाएगा। कोष में नकद योगदान और डीडीएफ़ लिया जा सकता है। यह एक सामान्य आपदा-संबंधी कोष है, और किसी विशेष घटना के लिए योगदानों को निर्दिष्ट नहीं किया जा सकता है।

प्रभावित क्षेत्र या देश के पात्र मंडल अधिकतम 25,000 डॉलर के अनुदान के लिए आवेदन कर सकते है, जो कि धन की उपलब्धता पर लंबित होगा। पूर्व अनुदान की सफलतापूर्वक रिपोर्टिंग करने के बाद मंडल अनुवर्ती अनुदानों के लिए आवेदन कर सकते है। आवेदन करने के लिए, DG और DRFC को रोटरी डिसास्टर रिस्पांस ग्रांट एप्लिकेशन को भरकर *grants@rotary.org* पर भेजना होगा।

टीआरएफ़ मध्य-वर्षीय मूल्यांकन एवं रणनीति संरूपण

EMGs और RRFCs के साथ मिलकर जोन 4, 5 और 6A के मंडलों द्वारा टीआरएफ़ को दिये गए योगदानों का एक मध्य वर्षीय मूल्यांकन किया गया। यह EMGAs, RRFCs और ARRFCs सहित ज़ोन नेतृत्वकर्ताओं के मध्य साझेदारी का एक प्रतिबिंब था जो उनके मंडल के दल के साथ मिलकर करीब से काम कर रहे थे ताकि उपयुक्त रणनीतियों का निर्धारण करके उनके टीआरएफ़ लक्ष्यों को हासिल करने में उनकी मदद कर सकें। SAO स्टाफ ने वे सभी महत्वपूर्ण जानकारी एवं आंकड़े प्रदान किए जो प्रतिभागियों के लिए प्रासंगिक थे। बैठक के दौरान, जोन नेतृत्वकर्ताओं ने मंडल दल के साथ विभिन्न अनुदान संचयन रणनीतियों पर चर्चा की। बैठक की रिपोर्ट को भारत के न्यासी एवं निदेशक के साथ साझा किया गया। इस कार्यक्रम की भविष्य में भी जारी रहने की उम्मीद है। ■

डीजी की समीक्षा बैठक

टीम रोटरी न्यूज़

जोन 4, 5 और 6A के मंडल गवर्नरों के प्रदर्शन का विश्लेषण करने के लिए निदेशक सी भास्कर द्वारा मार्च में कोडईकनल में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सदस्यता, टीआरएफ़ अनुदान, पोलियो के लिए योगदान, रोटरी की सार्वजनिक छवि को सुधारने की प्रगति और मण्डल खातों को बनाए रखने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर मंडलों की उपलब्धि की जांच की गई।

उद्घाटन सत्र में भास्कर ने विभिन्न मंडलों के प्रदर्शन का सार प्रस्तुत किया और कहा कि जबकि सभी मंडल हमारे ज़ोनों में रोटरी के प्रदर्शन को एक प्रभावी स्तर तक ले ''जाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ कर रहे है,'' वहीं उन्होंने गवर्नरों द्वारा उनके दलों को केन्द्रित एवं उत्साहित बनाए रखने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया ताकि रोटरी वर्ष को एक यादगार स्तर पर समाप्त किया जा सके।

रो ई मंडल 3190 के डीजी सुरेश हरी के अनुसार, क्षेत्रीय एवं ज़ोन नेतृत्वकर्ताओं ने उनके ज़ोनों का विश्लेषण प्रस्तुत किया। जहाँ रोटरी समन्वयक राजेंद्र राय और अशोक गुप्ता ने सदस्यता प्रचलन पर प्रस्तुतीकरण दिया, वहीं ईएमजीए अशोक पंजवानी और ईएमजीए सैम पाटलीबंदा ने अक्षय निधियों एवं मुख्य दानों की स्थिति पर रिपोर्ट दी। आरआरएफ़सी अविनाश पोतदार और आरआरएफ़सी विजय जालान ने टीआरएफ़ योगदानों में मण्डल के अब तक रहे प्रदर्शन का सार प्रस्तुत किया और आरपीआईसीएस आशीष देसाई और राजा माइकल ने बढ़त और रोटरी की सार्वजनिक छवि को बढ़ाने के लिए किए गए प्रयासों के बारे में बात की।

RISAO के जतिंदर सिंह ने मण्डल के लेखों पर एक प्रस्तुतीकरण दिया और संजय परमार, RISAO, ने टीआरएफ़ योगदान और संस्थान से संबन्धित अन्य मामलों पर बात की। पीडीजी ईके सागधेवन और केशव कुमार द्वारा पोलियो योगदान पर एक प्रस्तुतीकरण दिया गया।

डीजी सुरेश हरी ने जून 2019 में नियोजित कन्याकुमारी से लेकर पंजाब की अटारी सीमा तक, जहाँ भारत और पाकिस्तान दोनों देशों के कुछ

दाएं : रिव्यू मीट में प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए RID सी भास्कर।

नीचे : RID सी भास्कर और क्षेत्रीय नेताओं सेम पाटीबंदला, ई के सगादेवन, राजादुराई, जी माइकल और विजय जालान के साथ मंडल अध्यक्ष।

संबन्धित रोटेरियन रोटरी झंडों का आदान-प्रदान करेंगे, के लिए प्रस्तावित 'शांति पहल' पर एक प्रस्तुतीकरण दिया। शुरुआत एवं अंत के दोनों छोरों पर एक शांति स्मारक या टावर खड़ा किया जाएगा, जिसका डिज़ाइन साझा किया गया था। यह रोटेरियन डी रविशंकर, रोटरी क्लब बैंगलोर ऑर्चर्ड्स के अध्यक्ष और टीआरएफ़ के एक प्रमुख दानकर्ता, की मनपसंद परियोजना है।

सभा का समापन करते हुये निदेशक भास्कर ने डीजीयों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का वादा करने के लिए और विभिन्न मोर्चों पर उनके लक्ष्यों की पुनः समीक्षा करने का वचन देने के लिए धन्यवाद दिया।

रोई मंडल 3000 डीजी आर वी एन कानन ने सभा की मेजबानी की। ■

रोटरी में महिलाओं के 31 वर्षों का उत्सव

जयश्री

हालाँकि रोटरी की शुरुआत 114 वर्ष पूर्व हुई थी, केवल 31 वर्षों से ही महिलाएं इस प्रतिष्ठित संगठन का हिस्सा बनी है, डीजी ए. वी. पेथी, रोई मंडल 3201, की पत्नी वीणा पेथी कहती है। यह दूसरा वर्ष है जब मंडल ने इस ऐतिहासिक घटना का उत्सव एक महिला संगोष्ठी - *Inspire 2K19* - द्वारा कोची में हाल ही में मनाया गया जिसकी मेजबानी 20 रोटरी क्लबों द्वारा संयुक्त रूप से की गई थी। कार्यक्रम में 180 रोटेरियन उपस्थित थे।

संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुये डीजी पथी ने कहा, ''रोटरी में महिलाओं को शामिल करना केवल निष्पक्षता या समानता के लिए ही नहीं है। विविधता बेहतर परिणाम देती है, और जो क्लब उन समुदायों को प्रतिबिम्बित करते है जिनकी वे सेवा करते है तो वे उन समुदायों की बेहतर तरीके से सेवा करके उनकी जरूरतों को पूरा कर सकते है।'' बड़े व्यापारों एवं सामुदायिक भूमिकाओं में महिलाओं की एक बड़ी एवं बढ़ती हुई तादात है जो रोटरी के माध्यम से बड़ा योगदान दे सकती है। ''हमें सुनिश्चित करना है कि वे हमारे संगठन की ओर आकर्षित हो,'' उन्होंने आगे कहा।

वर्ष 1950, जब एक भारतीय क्लब - रोटरी क्लब अहमदाबाद - ने स्टैंडर्ड रोटरी क्लब कान्स्टिट्यूशन में से ''पुरुष'' शब्द को हटाने का प्रस्ताव रखा था, के बाद से चली आ रही एक लंबी बहस के बाद रोटरी में महिलाओं को शामिल होने दिया गया। लेकिन तब विधान परिषद ने प्रस्ताव को खारिज कर दिया। पुनः, 1964, 1972, 1977 में रखे गए सभी प्रस्तावों को परिषद में खारिज कर दिया गया। जब कैलिफोर्निया के रोटरी क्लब दुअरते ने रोई संविधान के खिलाफ जाकर महिलाओं को

महिला कॉन्कलेव का उद्घाटन करते हुए DG ए वी पथी और पत्नी वीणा।। चित्र में PDG गण प्रकाश चंद्रन और सुनिल ज़कारिया भी शामिल हैं।

DG ए वी पथी और उनकी पत्नी वीणा के साथ महिला रोटेरियन।

सदस्यों के रूप में शामिल करने का फैसला किया, तो 1978 में क्लब पर प्रतिबंध लगा दिया गया। क्लब ने रोई के खिलाफ एक मुकदमा दायर किया जिसे वह हार गया। असली परिवर्तन तब आया जब 4 मई, 1987 को यूएस सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि अब रोटरी क्लब लिंग के आधार पर महिलाओं को सदस्यता से वंचित नहीं रख सकते। रोटरी क्लब दुअरते को फिर से बहाल किया गया और उसे उसकी पहली महिला अध्यक्ष मिली।

आज, दुनिया भर में 200,000 से अधिक महिला रोटेरियन है। ''महिलाओं के रूप में हमने रोटरी में काफी लंबा सफर तय किया है। मैं बहुत शुक्रगुजार हूँ कि महिलाओं को शामिल होने देने का फैसला किया गया,'' रोटरी क्लब कोचीन की एक सदस्य श्वेता वासुदेवन ने कहा। संगोष्ठी में उन्होंने 'रोटरी में निहित' पर बात की। मेरी जड़े गहराई से रोटरी में गड़ी हुई है, एक द्वीतीय पीढ़ी के रोटेरियन ने कहा जो बचपन से रोटरी में पली-बढ़ी क्योंकि उनके पिता उसी क्लब के एक सदस्य थे। रोटरी के सदस्यता आधार को बरकरार रखने एवं उसे फैलाने के लिए लिंग विविधता अत्यावश्यक है, और कुछ जगहों पर, सेवा परियोजनाओं में स्वेच्छा से जाने वालों में महिलाओं की दर अधिक है और पुरुषों के मुक़ाबले तेजी से बढ़ रही है। रोटरी में अधिक ''महिलाएं सेवाओं का बेहतर प्रतिपादन सुनिश्चित करेंगी क्योंकि महिलाएं पैदाइशी बहु-कामकाजी एवं अधिक कृपालु होती है,'' वह ध्यान दिलाती है।

रो ई मंडल ने हाल ही में विविधता नीति पारित की है और रोई अध्यक्ष बेरी रेसिन क्लबों से नेतृत्व भूमिकाओं में अधिक महिलाओं एवं कम प्रतिनिधित्व वाले समूहों से लोगों को शामिल करने का अनुरोध कर रहे है। ''जितने अधिक विविध उम्मीदवार चुने जाएंगे, वरिष्ठ नेतृत्व स्तरों पर सेवा दे सकने वाले उम्मीदवारों की संख्या भी बढ़ेगी,'' वह कहते है।

संगोष्ठी में इस बात पर विचार किया गया कि कैसे सेवा-उन्मुख महिलाओं को रोटरी में शामिल किया जाए।

रोटरी में महिलाएं - की मंडल प्रमुख, लक्ष्मी नारायणन ने कहा, ''हमें अधिक महिलाओं को रोटरी से जुड़ने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए कड़ी मेहनत करने और इस मिथक को तोड़ने की आवश्यकता है कि उनका स्वागत नहीं है। रोटरी का भविष्य उत्साही सदस्यता पर निर्भर करता है।''

डॉक्टर उशी मोहनदास, *पावर ऑफ़ वल्नरबिलिटी* पर बात करते हुए, बताती है कि कोमलता महिलाओं की ताकत है। ''हाँ, हम कोमल है; हम टूट जाते है। लेकिन टूटने पर ही, हम हमारी ताकत को समझते है। महिलाएं लचीली होती है और गिरने के बाद हम अधिक शक्ति के साथ ऊपर उठते है।''

केरल उच्च न्यायालय के न्यायाधीश ए. के. जयशंकर नाम्बियार, रोटरी क्लब कोचीन के एक पूर्व रोटेरियन, ने महिलाओं के अधिकारों और क़ानूनों की व्याख्या के बारे में बात की। रोटरी में महिलाएं - की क्षेत्रीय प्रमुख नाज़रीन अनिल ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा।

चार लाभार्थियों ने मार्मिक कहानियाँ बताई कि कैसे रोटरी ने उनके जीवन को परिवर्तित किया।

रोटरी क्लब कोचीन द्वारा प्रायोजित RCC पेरुंबलम की अजीता ने बताया कि कैसे क्लब ने उनके गाँव को परिवर्तित किया। शौचालयों के निर्माण से लेकर स्कूलों एवं एक अस्पताल को सुधारने तक, क्लब 1990 के दशक से इस द्वीप-गाँव के साथ काम कर रहा है।

रोटरी क्लब कोचीन ग्लोबल की सूर्या परियोजना देखने में अक्षम लोगों तक पहुँचती है और उन्हें कौशल प्रदान करने के अलावा, गतिशीलता, व्यक्तित्व विकास और स्पोकन इंग्लिश पर कक्षाएँ प्रदान करके उनकी मदद करती है। इस परियोजना की दो लाभार्थी, सुशीला और जुवानी, ने बताया कि कैसे क्लब ने उनके जीवन को बेहतर बनाया।

चेंदमंडलम बुनाई गाँव से सरिता करियापीली ने बताया कि कैसे रोटरी क्लब कोचीन नाइट्स ने उनके करघों को पुनर्जीवित करने और सूत खरीदने में मदद करने के साथ-साथ उनके बाढ़-प्रभावित घरों की मरम्मत भी की। ■

रोटरी क्लब मद्रास सेंट्रल जर्जर स्कूलों को हैप्पी स्कूलों में तब्दील कर रहा है

रशीदा भगत

इस परिदृश्य पर विचार करें; चेन्नई का एक रोटरी क्लब - रोटरी क्लब मद्रास सेंट्रल - के पास पैसों से भरा एक घड़ा है जिसे बहुत ही खराब सुविधाओं वाले विषादपूर्ण, जीर्ण सरकारी स्कूलों को लिंग आधारित पृथक शौचालयों, सुखद हाथों की धुलाई के स्टेशनों, चमकीले रंग से पुताई की गई कक्षाओं, बेंचों और मेजों एवं एक प्रांगण की दीवार वाले हैप्पी स्कूलों में परिवर्तित करने हेतु अलग रखा गया है। लेकिन फिर लाल फीताशाही की वजह से, काम शुरू करने के लिए नियामक स्वीकृति किसी सरकारी फाइल या अन्य किसी जगह अटक जाती है।

लेकिन दो अग्रसक्रिय प्राचार्यों के उत्साह के कारण, क्लब चेन्नई के दो सरकारी स्कूलों - पोन्नेरी और एन्नोर - में बढ़िया नवीन सुविधाएँ देने में सक्षम हो पाया, और दोनों नवीनीकृत स्कूलों का उद्घाटन रोई मंडल 3232 के गवर्नर बाबू पेरम द्वारा किया गया।

यह सब छह माह पूर्व शुरू हुआ जब क्लब के रोटेरियनों का एक दल चेन्नई नगर पालिका द्वारा

संचालित अनेक स्कूलों की दयनीय सुविधाओं पर चर्चा कर रहा था, और उन्होंने सोचा कि उनके क्लब को उन स्कूलों का नवीनीकरण करने और उन्हें हैप्पी स्कूलों में परिवर्तित करने का कार्य करना चाहिए।

क्लब से एक दल जिसमें विशेष परियोजना के निदेशक, विनोद सरावगी, जो पूर्व अध्यक्ष भी है; सामुदायिक सेवा - विकास, निदेशक, एम. श्रीनिवासन; और हैप्पी स्कूलों के अध्यक्ष, के. पी. श्रीकुमार, शामिल है, ने सबसे पहले उन सरकारी स्कूलों का सर्वेक्षण करने का निश्चय किया जिन्हें मदद की आवश्यकता थी। उन्होंने अनेक स्कूलों को क्षतिग्रस्त कक्षाओं, टूटे-फूटे फर्श, टूटे या बिना दरवाजों, क्षतिग्रस्त या बिना बेंचों, गायब या क्षतिग्रस्त श्यामपट्टों, टपकती छतों के साथ पाया और उनमें बिजली के तार इतने अव्यवस्थित थे कि बल्ब या पंखें जैसे कोई भी बिजली के उपकरण काम नहीं कर रहे थे।

शुरुआत

इस परियोजना की पहल विनोद सरावगी द्वारा की गई थी। ''भले ही मैं एक निवेश व्यवसाय चलाता हूँ, शिक्षण मेरा जूनून है और इसलिए इस परियोजना को पूर्ण समर्थन देने के लिए श्रीनिवासन, और हमारे क्लब के अध्यक्ष आर. सरण्यन के साथ मैं भी शामिल हो गया, श्रीकुमार कहते है। उनके राडार पर पहला स्कूल मेदावाक्कम का एक सरकारी स्कूल था, जो शहरी सीमा के भीतर है। हमने देखा कि एक सार्वजनिक कमरे में तीन कक्षाएं चल रही थी और कक्षा 3, 4 और 5 के विद्यार्थी इस एकल कमरे में एकसाथ पढ़ रहे थे। उस कमरे में 90 से अधिक विद्यार्थी ठसाठस भरे हुए थे और शिक्षक रोटरी से बस दो विभाजन चाहते थे ताकि जब उनके बच्चे एक कक्षा से दूसरी कक्षा में जाएँ तो उन्हें प्रगति का कुछ एहसास हो।''

इससे रोटेरियनों को झटका लगा जो अपने क्लब के सदस्यों से इस विषय पर चर्चा करने के तुरंत बाद ही इस तरह के विभाजन हेतु सहमत हो गए। सरकारी स्कूलों को सुधारने हेतु प्रारंभिक धन लगाने के लिए सरावगी आगे आए और करीब ₹8 लाख समर्पित किये; उनके एक गैर-रोटेरियन मित्र, मोहन गोयंका, ₹5.5 लाख देने के लिए राज़ी हुए; और क्लब के एक सदस्य भूवरण थिरुमलाई ने ₹5 लाख देने की घोषणा की। विभाजन को बमुश्किल ही

हमने देखा कि एक सार्वजनिक कमरे में तीन कक्षाएं चल रही थी और कक्षा 3, 4 और 5 के विद्यार्थी इस एकल कमरे में एकसाथ पढ़ रहे थे। उस कमरे में 90 से अधिक विद्यार्थी ठसाठस भरे हुए थे और शिक्षक रोटरी से बस दो विभाजन चाहते थे ताकि जब उनके बच्चे एक कक्षा से दूसरी कक्षा में जाएँ तो उन्हें प्रगति का कुछ एहसास हो।

के पी श्रीकुमार
अध्यक्ष–हेप्पी स्कूल

किसी धन की आवश्यकता थी, लेकिन पहली बाधा सरकार से आवश्यक अनुमोदन की प्राप्ति के रूप में सामने आई। क्योंकि इस स्कूल की फाइल किसी धूलभरे सरकारी दफ्तर में अटकी हुई थी, रोटेरियन दो ऐसे अग्रसक्रिय प्राचार्यों से मिले जिन्होंने किसी तरह आवश्यक अनुमोदन प्राप्त करने में उनकी मदद की।

सौभाग्य से इन रोटेरियनों के लिए, उन दोनों स्कूलों ने प्राथमिक मानदंड को पार किया - कि स्कूल में कुल विद्यार्थियों की संख्या में कम से कम 50 प्रतिशत लड़कियाँ होना चाहिए। परिवर्तन हेतु चुने गए पहले दो स्कूल थे जयगोपाल गरोडिया सरकारी कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला, पोन्नेरी और सरकारी उच्चतर माध्यमिक शाला, काठीवक्कम, एन्नोर। पहला स्कूल सिर्फ लड़कियों के लिए है जिसमें 1,631 लड़कियाँ है, और दूसरे में 797 लड़के और 794 लड़कियाँ है।

परिवर्तन

दोनों दयनीय स्थिति में थे। पोन्नेरी स्कूल में, 1,631 छात्राओं के लिए केवल एक ही कार्यात्मक शौचालय खण्ड उपलब्ध था। कई छात्राएँ स्कूल के समय के दौरान शौचालयों का उपयोग नहीं करती थी जिससे उनके स्वास्थ्य को नुकसान पहुँच रहा था। इसलिए रोटेरियनों ने पहले शौचालय खंडों का निर्माण करना शुरू किया। जहाँ पहले वाले को संवारा गया, वहीं पूरी तरह से बर्बाद अन्य दो शौचालय खंडों की मरम्मत की गई, और उन्हें नई टाइल्स, नए दरवाजे,

हालाँकि स्कूल में एक प्रांगण दीवार थी, बदमाशों ने इसे तोड़ दिया था और उस टूटे हिस्से का उपयोग वे रात में स्कूल में प्रवेश करने के लिए करते थे और नापाक गतिविधियों के लिए कक्षाओं का इस्तेमाल करते थे।

नई पाइपलाइनों और पानी की एक सुनिश्चित आपूर्ति के साथ पूरी तरह से कार्यात्मक बनाया गया। तब तक स्कूल निगम के पानी के टैंकरों पर निर्भर था। स्कूल में कोई प्रांगण दीवार नहीं थी और ''चूंकि यह एक लड़कियों का स्कूल था, हमने दो दरवाजों वाली 200 मीटर लंबी एक प्रांगण दीवार बनाने को प्राथमिकता दी। फर्श बनाया गया और बेंचें उपलब्ध करवाई गई; अभी तक बच्चे एक मिट्टी के फर्श पर बैठते थे। प्राचार्य, शिक्षक और बच्चे उनके स्कूल को एक हैप्पी स्कूल में परिवर्तित देखकर बहुत खुश थे,'' श्रीकुमार आगे कहते है।

काठीवक्कम स्कूल में हालात और भी बदतर थे। हालाँकि स्कूल में एक प्रांगण दीवार थी, बदमाशों ने इसे तोड़ दिया था और उस टूटे हिस्से का उपयोग वे रात में स्कूल में प्रवेश करने के लिए करते थे और नापाक गतिविधियों के लिए कक्षाओं का इस्तेमाल करते थे। कुत्ते भी स्कूलों में घुस रहे थे। ''कल्पना कीजिये बच्चे हर सुबह आते है और अपनी कक्षाओं को गंदगी और फर्श पर शराब की टूटी हुई बोतलों से भरा हुआ पाते है। बच्चों को सफाई करनी पड़ती

DG बाबू पेरम एक विद्यालय के छात्रों को संबोधित करते हुए।

निदेशक विशेष परियोजना, विनोद सरावगी, छात्रों के साथ बातचीत करते हुए।

थी, और थके हुए प्राचार्य ने कहा की कितनी बार वह उनसे यह काम करने के लिए कह सकते थे।''

जैसा की अधिकतर सरकारी स्कूलों में होता है, इसमें भी 25 कक्षाओं के साथ एक विशाल परिसर है। सभी 25 कक्षाओं की मरम्मत की गई और पेंट के एक नए कोट के साथ उनका नवीनीकरण किया गया, विद्युत् लाइनों को बहाल किया गया ताकि लाइट और पंखें काम करें, खिड़की की फ्रेमों पर ग्रिल्स लगाई गई, फर्श की मरम्मत की गई, शौचालय खंडों का कायाकल्प किया गया और एक उचित पानी की आपूर्ति की लाइन डाली गई। ''चूंकि अभी तक यहाँ केवल एक ही शौचालय कार्यात्मक था, तो उसका उपयोग लड़कियों द्वारा किया जा रहा था और लड़के खुले में जा रहे थे। अब स्कूल में तीन उचित, कार्यात्मक शौचालय खंड है। प्राचार्य, शिक्षक और बच्चे इस परिवर्तन को देखकर अपनी आँखों पर विश्वास नहीं कर पा रहे थे और उनकी मुस्कानें हमारा पुरस्कार थी। उस खण्ड को रोटरी क्लब मद्रास सेंट्रल खण्ड का नाम दिया गया।''

इन दो स्कूलों के उद्घाटन पर, कॉर्पोरेट दान कर्ताओं – पुलकित मेटल्स से विनोद गर्ग, लेदर क्राफ्ट्स से मोहन गोयंका, गो कलर्स से उषा सरावगी और

सरावगी परिवार को सम्मानित किया गया। क्लब के अध्यक्ष सरण्यान ने कहा, हम पोन्नेरी स्कूल में हमारे सदस्य जी एस अनिलकुमार के योगदान को नहीं भूल सकते, जिन्होंने कक्षाओं में लाइट और पंखें का इंतजाम किया, सुदर्शन रुंगटा जिन्होंने हाथों की धुलाई के स्टेशन के निर्माण में मदद की, एम श्रीनिवासन जिन्होंने काठीवक्कम स्कूल में हाथों की धुलाई के दो स्टेशनों के निर्माण में मदद की और श्रीकुमार जिन्होंने धन की आवश्यकता की पूर्ती के लिए योगदान दिया।

उन्होंने आगे कहा कि इन दो स्कूलों में इस पायलट परियोजना से कुल 3,222 विद्यार्थी प्रभावित हुए है, जो अब एक सुरक्षित और अनुकूल, और इससे अधिक महत्वपूर्ण, स्वस्थ और स्वच्छ वातावरण में पढ़ने में सक्षम होंगे।

ऐसी सुविधाएं इन सरकारी स्कूलों को निजी स्कूलों के बराबर कर देगी, उनकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाएगी और उम्मीद है कि इससे बच्चे स्कूल छोड़कर नहीं जाएँगे।

आर सरन्यन

अध्यक्ष, रोटरी क्लब मद्रास सेंट्रल

डीजी बाबू पेरम ने दीर्घकालिक लाभों को सुनिश्चित करने के लिए प्राचार्यों से सुविधाओं का रख-रखाव करने के लिए कहा और अध्यक्ष सरण्यान ने डीजी को आश्वस्त किया कि रोटरी क्लब मद्रास सेंट्रल उचित रख-रखाव सुनिश्चित करने के लिए इन स्कूलों से संपर्क में रहेगा। क्लब की महिला रोटेरियनों का नियमित रूप से स्कूलों का दौरा करने और बच्चों से स्वास्थ्य एवं स्वच्छता से संबंधित विषयों पर बातचीत करने का विचार भी है। क्लब की इन दोनों स्कूलों में इंटरेक्ट क्लबों को स्थापित करने की भी योजना है।

दूसरा चरण

अध्यक्ष ने आगे कहा कि अगले चरण में, क्लब की दोनों स्कूलों में से प्रत्येक में 25 कंप्यूटरों वाली एक कंप्यूटर लैब स्थापित करने; ई-शिक्षण किटों के साथ-साथ कैरियर मार्गदर्शन और परामर्श प्रदान करने; खेल-कूद गतिविधियों की शुरुआत करने; पर्याप्त रूप से एक सुसज्जित पुस्तकालय प्रदान करने, और नियमित चिकित्सीय शिविरों का आयोजन करने की योजना है। ''ऐसी सुविधाएं इन सरकारी स्कूलों को निजी स्कूलों के बराबर कर देगी, उनकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाएगी और उम्मीद है कि इससे बच्चे स्कूल छोड़कर नहीं जाएँगे,'' उन्होंने आगे कहा।

श्रीकुमार ने कहा कि अंतिम उद्देश्य परियोजना का विस्तार करके दो सालों में 25 हैप्पी स्कूलों का निर्माण करने का है। ''हमने पाया कि पैसे जुटाना कोई समस्या नहीं है क्योंकि शिक्षा एक ऐसा विषय है जो सभी के दिल के करीब है। मोटे तौर पर अनुमान है कि प्रत्येक स्कूल की मरम्मत करने की लागत करीब ₹13 लाख आती है और अब हम 25 स्कूलों को करने को लेकर आश्वस्त है क्योंकि हमने तजुरबा हासिल कर लिया है, उचित विक्रेताओं की पहचान कर ली है और हम दुनियाभर के अन्य रोटरी क्लबों से धन के लिए अपील करेंगे और शायद एक वैश्विक अनुदान परियोजना भी कर सकते है।''

रोटेरियनों ने उन स्कूलों की पहचान की है जिन्हें उनकी मदद की आवश्यकता है और वे धन जुटाने को लेकर आश्वस्त है; ''वास्तव में हमारे पास कुछ पैसे है जो निरुपयोगी पड़े है; हमारी एकमात्र शर्त है कि स्कूलों में कम से कम 500 बच्चे होना चाहिए, जिसमें से आधे से अधिक में लड़कियों की संख्या होनी चाहिए, लेकिन हम सरकारी मंजूरी मिलने का इंतजार कर रहे है।''

इस बीच मेदावक्कम का पहला स्कूल, जो अपनी कक्षाओं में सामान्य विभाजन चाहता था, अभी तक सरकारी मंजूरी मिलने का इंतजार कर रहा है। ■

Rotary PEOPLE OF ACTION

महिलाएँ सिल्क स्क्रीन प्रिंटिंग करना सीखती हैं

टीम रोटरी न्यूज़

ऊपर : प्रशिक्षुओं की कृतियों का एक प्रदर्शन।
नीचे : एक कार्यशाला प्रगति में।

ग्रीनलैंड सिल्चर के रोटरी क्लब, रो ई मंडल 3240, ने मंडल उद्योग और वाणिज्य केंद्र के साथ मिलकर, एक त्रि-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें 25 महिलाओं ने सिल्क स्क्रीन प्रिंटिंग की तकनीक का प्रशिक्षण प्राप्त किया। असम विश्वविद्यालय के विसुअल आर्ट्स डिपार्टमेंट के पूर्व छात्रों ने महिलाओं को प्रशिक्षण दिया।

कला, जिसे सेरिग्राफी भी कहते है, व्यापक रूप से पत्रक और निमंत्रण पत्रों का डिजाइन तैयार करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है और संकायों ने महिलाओं को जूट, कपड़े और रेक्सिन पर विभिन्न प्रकार की कलाकृतियों का डिजाइन बनाना सिखलाया। क्लब के सचिव अतनु नाग कहते हैं, ''कार्यशाला के समापन पर, प्रशिक्षु को आकर्षक टेबल क्लॉथ, ब्लाउज की सामग्री, बैग, कुशन कवर और मैट का डिजाइन तैयार कर अत्यंत खुश थे।''

बाद में, उनके कार्यों को एक प्रदर्शनी में प्रदर्शित किया गया जिसने उनके कौशल को लोकप्रिय बनाने में सहायता मिली। ''उनमें से कुछ को रोटेरियन और स्थानीय लोगों से नौकरी के छोटे ऑफर भी प्राप्त हुए,'' नाग कहते हैं। ■

रोटरी क्लब मीनंबाक्कम बच्चों के हृदय का इलाज़ करता हैं

किरण ज़ेहरा

चेन्नई की चार वर्षीय नैंसी, जिसका वजन एक किलो से भी कम है, के जीवित रहने का एकमात्र साक्ष्य है उसकी नन्हीं सी छाती का ऊपर नीचे होना जब वह चेन्नई के MIOT अस्पताल के आईसीयू में गहरी साँसे ले रही है। ''ठीक है अगर हम अस्पताल के गलियारे में सोते है और दिन में बस एक बार खाते है, असली लड़ाई तो नैंसी लड़ रही है,'' उसकी माँ कहती है, जिन्हें रोटरी क्लब मीनामबक्कम, रो ई मंडल 3232, के *लिटिल बिग हार्ट्स प्रोजेक्ट* की वजह से बच्ची के स्वास्थ्य में आए सुधार के कारण राहत मिली है। रोटरी की इस पहल के तहत जन्मजात हृदय दोष वाले वंचित परिवारों के बच्चों की सर्जरियाँ की जाती है।

अब तक क्लब, टीआरएफ, रोई मंडल 3232, 9800 और 7040 के रोटरी क्लबों, और जेनेसिस फाउंडेशन के साथ बच्चों की ऐसी 100 सर्जरियाँ कर चुका है। ''यह बच्चों के लिए जीवन-रक्षक कार्डियक सर्जरियों की पेशकश करने वाला एक बेहद ही लागत-कुशल कार्यक्रम है,'' प्रमुख क्लब की परियोजना अध्यक्ष बी दक्ष्यानी कहती है। MIOT परियोजना के मील के पत्थर का उत्सव मनाने के एक समारोह को संबोधित करते हुए, रो ई निदेशक

रो ई निदेशक सी भास्कर Little Big Hearts परियोजना के मील के पत्थर का उत्सव मनाते हुए रोटरी बेनफीशिएरी टी पर एक बच्चे का चित्र लगाते हुए। चित्र में परियोजना अध्यक्ष बी दाक्षायिनी, रोटरी क्लब मीनम्बाक्कम के अध्यक्ष शंकरनारायणन पिल्लई और PDG सी आर राजू भी शामिल हैं।

इसैकी संध्या अपनी माँ के साथ।

सी भास्कर ने क्लब की प्रशंसा की और कहा, ''आपने बाधाओं को नहीं बल्कि सफलताओं के अवसरों को देखा है। आपने प्रगति की है और अच्छा ही कर रहे है... इस परियोजना के माध्यम से आपने हमें प्रेरित किया है।''

जब दक्षयिनी को पता चला कि जेनेसिस फाउंडेशन सर्जरियाँ करने के लिए धन की तलाश में है तो उन्होंने अधिक साझेदार क्लबों और टीआरएफ को शामिल करके धन जुटाने के लिए इस गैर सरकारी संगठन के साथ परियोजना का विस्तार करने का सोचा। कनाडियाई रोटेरियनों और दोस्तों ने अफ्रीका और इटली के रोटेरियनों तक पहुँचने में उनकी मदद की। ''हमारे पास 30,000 डॉलर थे, जिसमें टीआरएफ ने 45,000 डॉलर के साथ मिलान किया था। ज़िला नामित कोष के साथ, कुल राशी 78,000 डॉलर तक पहुँच गई थी।''

MIOT अस्पताल के पेडियेट्रिक विंग के सामान्य वार्ड में, इसैकी संध्या, चेन्नई की एक दस वर्षीय बालिका, अस्पताल से छुट्टी मिलने का इंतजार कर रही है। मानसिक रूप से विकलांग उस लड़की के माता-पिता उसे चिकित्सीय शिविर

ठीक है अगर हम अस्पताल के गलियारे में सोते है और दिन में बस एक बार खाते है, असली लड़ाई तो नैंसी लड़ रही है।

Little Big Hearts परियोजना की एक लाभार्थी बच्ची की माँ।

एक नाइज़ीरियाई बच्ची जिसका ओपन-हार्ट सर्जरी हुई थी।

में लेकर आए थे जहाँ अन्य बच्चों के मध्य उसका निःशुल्क CHD सर्जरी के लिए चुनाव किया गया था। ''इसैकी मेरी दुनिया है। यह भगवान की इच्छा है कि उसे इस अस्पताल में लाया गया और हमारे कई रिश्तेदारों द्वारा उसे छोड़ने के लिए कहने के बावजूद भी उसका ऑपरेशन सफल हो गया,'' उसके पिता ने कहा।

जेनेसिस फाउंडेशन के समन्वयक, श्रीवत्सन ने कहा कि अधिकतर लड़कियों के लाभान्वित होने के साथ सर्जरी के लिए चुने गए बच्चों में लिंग का अंतर पिछले कुछ वर्षों में कम हो गया है। ''इस वित्तीय वर्ष में, 49 प्रतिशत लाभान्वित लड़कियों के साथ हमने करीब 50-50 प्रतिशत लिंग विभाजन देखा है। साथ ही, पिछले कुछ वर्षों में उपचारित लड़कियों की संख्या में 11 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है।''

यह बताते हुए कि रोटरी के पेडियेट्रिक मरीजों और अन्य बच्चों में कोई अंतर नहीं है, डॉ रोबर्ट कोएल्हो, MIOT सेंटर फॉर चिल्ड्रेन्स कार्डियक केयर के निदेशक और प्रमुख पेडियेट्रिक कार्डियक सर्जन, नाइजीरिया की एक सात माह की बच्ची के बारे में बताते है जो जहोवा, एक ईसाई संप्रदाय जो रक्ताधान को नकारता है, को मानने वालों के यहाँ से थी। डॉ कोएल्हो को उसकी रक्तहीन ओपन हार्ट सर्जरी करनी थी। ''हमने अत्यधिक रक्त को बहने से रोकने के लिए एक सूक्ष्म हृदय-फेफड़े की मशीन का प्रयोग किया। प्लाज्मा को हटाने के लिए हीमो फिल्टरों का उपयोग किया गया ताकि रक्त कौशिकाएं केन्द्रित रहें... एक नवजात की ज़िंदगी को बचाना बहुत जोखिम भरा होता है,'' उन्होंने कहा।

डॉ कोएल्हो और उनके दल ने ऐसे बच्चों के माता-पिता को परामर्श देने में काफी मेहनत की है। ''यह जोखिम उठाने योग्य है क्योंकि आप इसके परिणाम केवल आधे घंटे में देख सकते है। बच्चा कुछ ही दिनों में ज़िंदगी भर के लिए बिना किसी दवा के घर जाने के लिए फिट होगा,'' उन्होंने कहा। क्लब ने 100 CHD सर्जरियाँ आयोजित करने के लिए चेन्नई के तीन अस्पतालों के साथ साझेदारी की है - सूर्या अस्पताल, मद्रास मेडिकल मिशन और MIOT अस्पताल।

चित्र: किरण ज़ेहरा

TRF की मदद से अच्छे कार्य

रोटरी क्लब गणदेवी ने 2.7 मिलियन डॉलर के 29 टीआरएफ अनुदान कार्यान्वित किये

रशीदा भगत

रोटरी चिकित्सा शिविर में एक डॉक्टर एक बच्ची की जांच करते हुए।

भारत के एक रोटरी क्लब और यूएसए के भारतीय मूल के डॉक्टरों के एक दल के मध्य साझेदारी की वजह से, केवल सात दिनों की अवधि में गुजरात के छोटे से कस्बे, गणदेवी, के आसपास के गाँवों से 6,200 की एक बड़ी संख्या में ग्रामीण और आदिवासी लोगों की चिकित्सीय बीमारियों के लिए जाँच की गई और 700 से अधिक की अनुवर्ती कार्यवाही के लिए पहचान की गई। और इस अनुवर्ती कार्यवाही में जटिल बाल ओपन हार्ट सर्जरियाँ, घुटने की एक प्रतिस्थापन सर्जरी (दोनों घुटनों की), नौ हार्ट बाई-पास सर्जरियाँ, 11 वाल्व प्रतिस्थापन, दो महत्वपूर्ण रीढ़ की सर्जरियाँ और पांच एंजियोप्लास्टी शामिल है। इसमें 150 से अधिक मोतियाबिंद सर्जरियाँ, 25 एंजियोग्राम और कई अन्य चिकित्सीय प्रक्रियाएं शामिल नहीं है।

''यह सब हमारे रोटरी संस्थान की जादुई गुणवत्ता और उसके काम करने की गति के कारण संभव हुआ,'' सूरत से 60 किमी दूर स्थित रोटरी क्लब गणदेवी के पूर्व अध्यक्ष, परिमल नायक मुस्कराते हुए कहते है।

100, 200 डॉलर का वैश्विक अनुदान मात्र 26 दिनों में ''टीआरएफ द्वारा स्वीकृत किया गया, और उसमें क्रिसमस की छुट्टियाँ भी शामिल थी। इस गति से हमारे संस्थान में लोग कार्य करते है,'' अपने स्वर में विस्मय और प्रशंसा दोनों के साथ वह कहते है।

इस परियोजना के लिए क्लब ने 10,000 डॉलर से अधिक इकठ्ठा किये है। पिछले 20 सालों में इसके शुरू होने के बाद से, रोटरी क्लब गणदेवी, रोई मंडल 3060, 2.7 मिलियन डॉलर की लागत वाले 29 वैश्विक अनुदानों को प्रायोजित करके आसपास के क्षेत्रों के गरीब और जरूरतमंद लोगों की सेवा कर रहा है।

यह सब 2010 में शुरू हुआ, जब कुछ क्लब सदस्यों के एक एनआरआई दोस्त ने उनका परिचय उत्तरी ओहियो, यूएस, के भारतीय चिकित्सक संघ के डॉक्टरों और पराचिकित्सकों से करवाया, जो भारत में वंचितों के लिए कुछ सेवा करना चाहते थे। यह तीसरी बार है कि इन एनआरआई डॉक्टरों का एक दल, जिसमें सामान्य सर्जन, चिकित्सक, स्त्री रोग विशेषज्ञ, शिशु चिकित्सक, और एक न्यूरोलॉजिस्ट शामिल है, समुदाय के बीमार लोगों को अपनी चिकित्सीय निपुणता प्रदान करने के लिए भारत आया है।

''यूएस से आये डॉक्टर और पराचिकित्सक यहाँ दस दिनों के लिए थे और उस दौरान हमने अस्पतालों, या जहाँ कहीं भी संभव हो, चाहे प्राथमिक या माध्यमिक सरकारी स्कूलों में, नौ जाँच शिविरों का आयोजन किया,'' नायक कहते है।

26-सदस्यीय दल की मेज़बानी स्वेतल देसाई द्वारा की गई, जो हाल ही में शुरू हुए चिकली के

एक आदिवासी माँ और बच्चा।

रोटरी क्लब के चार्टर अध्यक्ष है। ''यह गणदेवी से लगभग 10 किमी दूर है और वहाँ देसाई का एक विशाल फार्महाउस है और उन्होंने सज्जनतापूर्वक पूरे दल की मेज़बानी की।''

मुख्य ऑपरेशनों सहित अनुवर्ती कार्यवाही के लिए मरीजों को एक बार पृथक करने के बाद, चार धर्मार्थ अस्पतालों, जिसमें वापी का एलजी हरिया रोटरी अस्पताल भी शामिल है, जो बाल चिकित्सा ओपन हार्ट सर्जरी करता है, की सर्जरी और चिकित्सीय प्रक्रियाओं के लिए पहचान की गई। अन्य तीन अस्पताल है यशफीन कार्डियक अस्पताल, नवसारी, ग्राम सेवा ट्रस्ट अस्पताल, खरेल और जमना बा अस्पताल, बारदोली।

अपनी बारी का इंतज़ार करते हुए अन्य मरीज़।

नायक समझाते है कि बमुश्किल कुछ ही लाभार्थियों के पास एमए अमृतं चिकित्सा कार्ड थे, जो गुजरात सरकार द्वारा स्वास्थ्य देखभाल योजना के तहत दिए गए जो 2012 में तब शुरू हुई थी जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्य के मुख्यमंत्री थे। ''इस कार्ड के तहत, मुख्य रूप से गरीबी रेखा से नीचे आने वाले मरीजों को, गंभीर चिकित्सा देखभाल के लिए ₹3 लाख तक की राशी उपलब्ध करवायी जाती है। लेकिन भले ही हमारे पास आयुष्मान भारत योजना है, किसी भी मरीज के पास - सभी ग्रामीणों, जिसमें आदिवासी भी शामिल है - वह कार्ड नहीं था। इसलिए यहाँ वैश्विक अनुदान के माध्यम से टीआरएफ की दयालुता ने मदद की और इन सभी मरीजों को प्रमुख चिकित्सा और सर्जरी से संबंधित प्रक्रिया नि:शुल्क रूप से प्रदान की गई। रोटरी की मदद के बिना इन मरीजों को किसी अन्य तरीके से एक अच्छा चिकित्सीय उपचार नहीं मिल सकता था,'' नायक आगे कहते है।

''भारत तीर्थ की भूमि है इसलिए हमने इस परियोजना को हमारा 'चिकित्सीय तीर्थ' कहा है। और इस परियोजना में, हमें बेकर्सफ़ील्ड, यूएस, के रोटरी क्लब के साथ-साथ रोई मंडल 5240 से उत्कृष्ट समर्थन प्राप्त हुआ, जो इस वैश्विक अनुदान के लिए हमारा अंतर्राष्ट्रीय साझेदार है। हमारे अपने मंडल ने भी डीडीएफ से एक उत्तम राशी प्रदान करके इस परियोजना को समर्थन दिया है,'' नायक कहते है।

क्लब रो ई मंडल 1260 और रोटरी क्लब मिस्सिस्सग्गा सेंटर, कनाडा से समर्थन प्राप्त करने में भी सफल रहा, जो इस परियोजना को लागू करने में उसका साझेदार भी बना। ''यही रोटरी की सच्ची अंतर्राष्ट्रीय भावना है और रोटरी संस्थान और हमारे अन्य साझेदारों, जिसमें हमारा अपना मंडल भी शामिल है को धन्यवाद देने के लिए मेरे पास शब्द नहीं है, जिनके समर्थन के बिना 700 से भी अधिक लोगों को उचित चिकित्सीय उपचार नहीं मिल सकता था... और जो अब एक सामान्य, स्वस्थ जीवन जीने की आशा कर सकते है,'' नायक आगे कहते है। ■

कनाडाई रोटेरियन ने शौचालय बनाने में रोटरी क्लब मद्रास की मदद की

वी मुत्तुकुमारण

आने वाले वर्षों में, अमेरिका, कनाडा, श्रीलंका और मलेशिया के 38 रोटेरियन आंध्र प्रदेश की सीमा पर स्थित तिरुवल्लुर मंडल के गुम्मिदीपोराई ब्लॉक के एक दूरदराज बस्ती कन्ननकोट्टई ग्राम में इरुला, यादवों और अन्य आदिवासियों के साथ अपने विचारों के आदान-प्रदान को अपनी सुखद स्मृतियों में संजो कर रखेंगे।

पहले चरण के दौरान, 80 शौचालयों का उद्घाटन कैटरकी किंग्स्टन, मॉन्ट्रियल क्लेटन और वाटरटाउन मॉन्ट्रियल - लेकशोर के रोटरी क्लबों, रो ई मंडल 7040 के 12-सदस्यीय कनाडाई दल द्वारा किया गया, जो विगत पाँच वर्षों से रोटरी क्लब मद्रास, रो ई मंडल 3232 के साथ वैश्विक भागीदार के रूप में इस जल और स्वच्छता परियोजना को निष्पादित कर रहे हैं।

क्लब का लक्ष्य कन्ननकोट्टई में 321 शौचालयों का निर्माण करना है, और कांचीपुरम मंडल के पांडुर

रोटरी क्लब केटाराक्की किंगस्टन से जॉन गेल एक बुजुर्ग महिला को उपहार देते हुए। चित्र में रोटरी क्लब मद्रास के अध्यक्ष रंजीत प्रताप, प्रेसीडेंट इलेक्ट डॉ विजया भारती और रिक फिडोरेक (दाएं) जो कैनेडियन क्लब के अध्यक्ष हैं।

रोटरी क्लब मद्रास की शाश्वत विरासत

रोटरी क्लब मद्रास के अध्यक्ष रंजीत प्रताप क्लब की स्वर्ण जयंती वर्ष समारोह में एक विशेष डाक टिकट जारी करते हुए। चित्र में (बाएं से) एन के गोपीनाथ, वी श्रीराम, एक इंडिया पोस्ट अधिकारी और निखिल राज भी शामिल हैं।

ऐतिहासिक पुस्तकों और इतिहास को पढ़ने के लिए भारतीय शायद ही कभी पर्याप्त समय देते या प्रयास करते हैं, क्योंकि एक विषय के रूप में देश में यह बहुत उपेक्षित था, जो दुर्भाग्यपूर्ण है, एक रोटेरियन, चेन्नई के इतिहासकार और संगीत अकादमी के सचिववी श्रीराम कहते है।

ए टाइमलेस लिगेसी, एक पुस्तक जो महत्वपूर्ण घटनाओं और रोटरी क्लब मद्रास के वृहद परियोजनाओं को रेखांकित है, के तीसरे संस्करण के विमोचन के अवसर पर उन्होंने कहा कि चार्टर अध्यक्ष जीजी आर्मस्ट्रांग, जो मद्रास पोर्ट ट्रस्ट के पूर्व चेयरमैन थे, उन्होंने विश्व युद्ध-II के बाद शहर के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। ''जबकि मद्रास विश्व युद्ध-I में बमबारी झेलने वाला एकमात्र शहर था, विश्व युद्ध-खख में यह एकमात्र बंदरगाह था जो देश में किसी भी हमले से सुरक्षित बच गया था। इसके परिणामस्वरूप, मद्रास दक्षिण पूर्व एशिया में मित्र देशों की सेनाओं के लिए एक पारगमन बिंदु बन गया और वर्ष 1945 में युद्ध समाप्त होने के बाद, शहर की आबादी 8 लाख से बढ़कर 16 लाख हो गई, और इसका श्रेय मद्रास बंदरगाह के कुशल प्रबंधन के लिए आर्मस्ट्रांग को जाता है, जिनका इतिहास एक तरह से आरसीएम के समानांतर चलता है,'' उन्होंने समझाते हुए कहा।

महानिदेशक बाबू पेरम ने कहा कि अतीत में जाकर आरसीएम जैसे क्लब की विरासत का दस्तावेजीकरण करना और अभिलेखागार को स्थानांतरित करना एक अमूल्य कार्य है। उन्होंने इतिहास पुस्तक का नवीनतम संस्करण प्रस्तुत करने के लिए क्लब के अध्यक्ष रंजीत प्रताप और अभिलेखागार समिति के अध्यक्ष एन के गोपीनाथ की सराहना की।

ग्राम में 223 शौचालयों का उद्घाटन पहले ही किया जा चुका है और पय्यानूर में ऐसी 120 शौचालयों को पूरा करने का कार्य प्रगति पर है। ''हम इस रोटरी वर्ष में तीन गाँवों में 665 शौचालयों का निर्माण करना चाहते हैं जिनसे 6,840 लोगों के लाभान्वित होने की उम्मीद हैं। इन बस्तियों में खुले में शौच करना आम बात है और बेहतर स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए शौचालय के उपयोग को बढ़ावा दिया जाना चाहिए,'' सामुदायिक सेवा के निदेशक एस रवि कहते है।

क्लब ने टर्म गिफ्ट्स, मेजबान और साथी दोनों क्लबों के मंडल के लिए नियत निधि, और 2014-15 के बाद से वैश्विक अनुदानों के माध्यम से अभी तक 774 शौचालयों का निर्माण किया है, जब तिरुवल्लुर के अमरारामडु ग्राम में पहले 100 पायलट शौचालय एक ''क्रांतिकारी'' पहल साबित हुई, वे याद करते हुए कहते हैं।

अब देश में तीसरा सबसे पुराना क्लब, जो 90 वर्ष पुराना है, तिरुवल्लुर और कांचीपुरम मंडलों के दूरदराज वाली बस्तियों के घरों में शौचालय का निर्माण कर रहा है, जहाँ खुले में शौच करना बहुत प्रचलित है।

उद्घाटन समारोह में, आरसीएम अध्यक्ष रंजीत प्रताप ने साथी क्लब सदस्य पीडीजी जेबी कामदार को धन्यवाद दिया, जो दक्षिण भारत के पहले एकेएस सदस्य थे, जिनका 30,000 डॉलर की टर्म गिफ्ट ''कन्ननकोट्टई ग्राम में 321 शौचालयों को पूरा करने के लिए प्रारंभिक निधि था।'' शेष चरण दो महीने में

पूरे हो जाएगा। कामदार उस प्रतिनिधि मंडल के भी सदस्य थे जिसने परियोजना स्थल का दौरा किया था।

क्लब के नव-निर्वाचित अध्यक्ष डॉ विजया भारती ने लाभार्थियों से आग्रह किया कि वे शौचालयों का रखरखाव बेहतर ढंग से करें और स्वच्छ वातावरण के लिए इन सुविधाओं का प्रभावी तरीके से इस्तेमाल करें। ''बच्चों को शौच जाने के लिए केवल शौचालय का उपयोग करना बहुत जरूरी है,'' उन्होंने आगे कहा।

भूतपूर्व अध्यक्ष एन के गोपीनाथ ने कहा कि आरसीएम ने 18 डीजी दिया है और 20 क्लबों को प्रायोजित किया है। ''ममलापुर के गुम्मिडीपूंडी, सेल्युर, सेम्बक्कम और रोटरी नगर में हमारे व्यावसायिक केंद्रों में कौशल विकास पाठ्यक्रम जैसे सिलाई, कंप्यूटर डेटा एंट्री और महिलाओं और बेरोजगार युवाओं के लिए अंग्रेजी बोलना सिखलाया जाता हैं।'' वर्ष 1944 की घटना को याद करते हुए उन्होंने कहा कि क्लब ने क्वीन मैरी कॉलेज के पीछे एक झुग्गी बस्ती को गोद लिया था और एक सामुदायिक केंद्र विकसित किया, जो रोटरी नगर के रूप में अधिक लोकप्रिय था, और यह इस वर्ष अपनी प्लैटिनम जयंती मना रहा है।

वैश्विक सहयोगी रोटरी क्लब केटाराक्वी किंग्स्टन के अध्यक्ष रिक फिडेरेक ने कहा कि उन्होंने 2 मिलियन डॉलर की कुल लागत से पाँच वर्षों के दौरान तमिलनाडु में 16 परियोजनाओं के निष्पादन के लिए चेन्नई में पाँच क्लबों के साथ भागीदारी की है। यह जून 2002 में पीडीजी बिल ग्रे के साथ पीडीजी एस कृष्णास्वामी की नाश्ते की बैठक थी जिसने अनेक

ममलापुर के गुम्मिडीपूंडी, सेल्युर, सेम्बक्कम और रोटरी नगर में हमारे व्यावसायिक केंद्रों में कौशल विकास पाठ्यक्रम जैसे सिलाई, कंप्यूटर डेटा एंट्री और महिलाओं और बेरोजगार युवाओं के लिए अंग्रेजी बोलना सिखलाया जाता हैं।

एन के गोपीनाथ

पूर्व अध्यक्ष, रोटरी क्लब मद्रास

एक कनाडाई महिला ग्रामीणों से बातचीत करते हुए।

सामुदायिक परियोजनाओं के लिए सफल भागीदारी की आधारशिला रखी।

रोटरी क्लब चेन्नई चोल के अध्यक्ष एस पी रमेश और सचिव ए वेंकट रेड्डी ने सामाजिक परिवर्तन के लिए व्यवहार परिवर्तन के महत्व पर विशेष जोर दिया। एक एनजीओ, नालन्थना, बेहतर जीवन यापन के लिए शौचालय का उपयोग करने की आवश्यकता के बारे में नुक्कड़ नाटकों, कठपुतली नाटक और मौखिक प्रचार अभियान के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक बना रही है।

चेन्नई और कोयम्बटूर में सिर्फ दो परियोजनाओं को करने की एक सामान्य योजना के साथ, पीडीजी कृष्णस्वामी ने रोटरी क्लब कैटाराक्वी-किंग्स्टन के अपने समकक्ष ग्रे के साथ चर्चा की, जो एक ''अभिनव एकांतिक वार्ता सिद्ध हुई, क्योंकि इसके लिए पीआरआईपी विल्फ विल्किंसन ने मदद की थी,'' पीडीजी ने याद करते हुए कहा कि कैसे ग्रे ने उनके अनुरोध का उत्तर देने के लिए केवल 8 घंटे का समय लिया।

बॉयज टाउन सोसायटी

वर्ष 1989 में, अमरमबेडु में 35 एकड़ से अधिक घने जंगल में ग्रामीण लड़कों के लिए एक आवासीय परिसर का निर्माण किया गया था, जिसकी स्वीकृति छात्रों के लिए एक छात्रावास के रूप में दी गई थी। वर्ष 2009 में, तत्कालीन टीआरएफ ट्रस्टी पीआरआईपी विल्फ विल्किंसन ने एक बिल्डिंग ब्लॉक का उद्घाटन किया।

रवि ने कहा, ''हम उन सभी छात्रों के लिए सभी बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध कराते हैं, जो मुख्य रूप से दो सरकारी स्कूल में पढ़ने जाते हैं।''

इतने वर्षों के दौरान 2,800 से अधिक लड़कों ने अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद उच्च शिक्षा के लिए छात्रावास छोड़ दिया था। प्रताप बताते हैं, ''हमारे पास एक व्यावसायिक केंद्र स्थापित करने सहित अनेक योजनाएँ हैं, जो यहाँ के लड़कों को कई क्षेत्रों में व्यवहारिक तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करती हैं।''

एक सप्ताह तक चलने वाले फ्रेंड एक्सचेंज कार्यक्रम के अंतर्गत कनाडावासियों के अलावा, आठ अमेरिकी, रो ई मंडल 7570; रोटरी क्लब कोलंबो, कोलंबो पश्चिम से 10 श्रीलंकाई; और रोटरी क्लब सेरेम्बन के आठ मलेशियाई लोगों ने तिरुवल्लुर मंडल में बस्तियों वालों का दौरा किया।

चित्र: वी मुत्तुकुमारण

धुले में रोटरी ब्लड बैंक और डायलिसिस सेंटर

टीम रोटरी न्यूज़

पीआरआईडी मनोज देसाई और केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री सुभाष भामरे ने डीजी पिंकी पटेल, आईपीडीजी रुचिर जैन और डीआरसीएफ आशीष अजमेरा की उपस्थिति में आरसी धुले क्रॉससरोड, रो ई मंडल 3060 द्वारा स्थापित दो स्वास्थ्य परियोजनाओं, एक ब्लड बैंक और एक डायलिसिस सेंटर का उद्घाटन किया।

दोनों वैश्विक अनुदान परियोजनाओं का निष्पादन क्लब ने आस-पास के जरूरतमंद मरीजों को चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के लिए शुरू किया गया था। 58 लाख रुपये की लागत से स्थापित नवीन श्रीमती के सी अजमेरा रोटरी ब्लड बैंक, रक्त घटक पृथक्करण इकाई और अन्य उच्च तकनीक प्रक्रियाओं वाला आधुनिक केंद्र है, जहाँ मरीजों को किफायती कीमत पर रक्त आधान की सुविधा प्राप्त होगी।

PRID मनोज देसाई, केंद्रीय रक्षा मंत्री (राज्य) सुभाष भामरे और DG पिंकी पटेल परियोजनाओं का उद्घाटन करते हुए।

दूसरी परियोजना - स्वर्गीय जयंतीबाई हुकुमचंद कुचेरिया रोटरी डायलिसिस सेंट्र की स्थापना एक एनजीओ अस्पताल में की गई है, जिसमें छह मशीनें हैं, औउर जो रोटरी की नई सुविधा के लिए अच्छा बुनियादी संरचनाओं और माहौल से लैस है। क्लब के अध्यक्ष निलेश गोटी ने कहा, ''इसका उद्देश्य न्यूनतम लागत पर हर महीने कम से कम 250-300 मरीजों का इलाज करना है।'' इस सुविधा पर ₹65 लाख व्यय हुए।

आरसीई लमीरा हाइट्स, यूएसए, रो ई मंडल 7120 ने टीआरएफ के साथ मिलकर धुले में दोनों परियोजनाओं को सहयोग दिया। गोटी कहते है, ''हम इन दो चिकित्सा केंद्रों के सफल समापन के लिए जे बी केमिकल्स, अंकलेश्वर, आशीष अजमेरा, हुकुमचंद कुचेरिया, आशीष पटवारी, जयेश पटेल और दिनेश कटारिया सहित अनेक दानदाताओं के आभारी हैं।'' ■

साइक्लोथोन ने दिया साक्षरता और स्वच्छता को बढ़ाव

छात्र अपनी नई साइकिल के साथ।

साक्षरता को प्रोत्साहित करने और स्वच्छता के बारे में जन-जागरूकता के सृजन के उद्देश्य से साइक्लोथोन नामक एक वार्षिक कार्यक्रम के आयोजन के लिए भावनगर के रोटरी क्लब, आरआईडी 3060 ने पुलिस और नगर निगम के साथ सहयोग किया।

डीजी पिंकी पटेल और पुलिस महानिरीक्षक (भावनगर) तोमर साहब द्वारा 25 किलोमीटर और 14 किलोमीटर की दो रैलियों को एक साथ हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस कार्यक्रम में 4,000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम की समाप्ति पर, क्लब ने लगभग 25 जरूरतमंद छात्रों को साइकिल उपहार में दी।

टीकाकरण केंद्र

रोटरी सेवा केंद्र में स्थित स्थायी टीकाकरण केंद्र (पीवीसी) शहर में लोगों के मध्य अत्यंत लोकप्रिय है। वर्ष 1999 में स्थापना के उपरांत, पीवीसी आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को विभिन्न बीमारियों का टीका, चाहे तो मुफ्त या फिर अनुदानित शुल्क पर, प्रदान करता रहा है।

केंद्र में 21 कर्मचारी कार्यरत्त हैं और रोटरेक्टरों भी लिपिकीय कार्यों में मदद करते हैं। ■

क्लब अध्यक्षों ने की मंडल सम्मेलन की मेज़बानी

टीम रोटरी न्यूज़

प्रेरणा, रो ई मंडल 3232 का मंडल सम्मेलन, कुछ मायनों में अद्भुत था। सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण, वहाँ एक अध्यक्ष, सचिव या कोषाध्यक्ष के नेतृत्व वाला कोई मूलभूत दल नहीं था। सभी 118 रोटरी क्लबों के अध्यक्षों ने विभिन्न जिम्मेदारियों को साझा किया और एक समेकित, यादगार कार्यक्रम प्रस्तुत किया। ''इस आदर्श परिवर्तन ने इसे बिल्कुल अनोखा और अग्रणी बना दिया। कल्पना कीजिए एक भारतीय क्रिकेट टीम की जिसमें कोई कप्तान ना हो और सभी ग्यारह खिलाड़ी सामूहिक रूप से रणनीति बनाते है और वर्ल्ड कप जीतते है! हाँ, यह बिल्कुल वैसा ही था,'' मंडल सचिव एस विजयकुमार ने कहा। अन्य अद्भुत पहलू था नाममात्र पंजीकरण शुल्क जिसने समारोह में भाग लेने के लिए एन्स और एनेट्स को काफी आकर्षित किया। ''पहले यह भोजन के शुल्क को मिलाकर ₹3,000 से अधिक हुआ करता था। जबकि अब हमने पंजीकरण शुल्क केवल ₹1,000 लिया और आगंतुकों पर भोजन का चयन छोड़ दिया,'' उन्होंने कहा। इस सम्मेलन में लगभग 3,300 लोग शामिल हुए।

रो ई निदेशक सी भास्कर और डीजी बाबु पेरम की उपस्थिति में तमिलनाडू के राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित ने सम्मेलन का उद्घाटन किया। समाजों में दी जा रही अभूतपूर्व सेवा के लिए गवर्नर ने रोटरी और रोटेरियनों की सराहाना की और उन्होंने पीडीजी Sv Rm रामनाथन को रोटरी के उद्देश्य के लिए एवं संगठन को दिए गए उनके योगदानों के लिए रोटरी का 'स्वयं से बढ़कर सेवा' पुरस्कार प्रदान किया। रो ई मंडल 3211 के पीडीजी जॉन डेनियल रोई अध्यक्ष के प्रतिनिधि थे।

रो ई निदेशक भास्कर ने डीजी बाबू पेरम और क्लब अध्यक्षों को 12 नए क्लबों को स्थापति करने और 685 नए सदस्यों को जोड़ने के लिए बधाई दी। ''यह उल्लेखनीय है कि आपकी सेवाओं ने इतने सारे लोगों को रोटरी से जुड़ने के लिए प्रेरित किया और 134 नई महिला रोटेरियनों को शामिल करने के लिए मैं आभार प्रकट करता हूँ, उन्होंने कहा और डायलिसिस केन्द्रों की स्थापना करने के लिए उन्होंने क्लबों की प्रशंसा की जो कि समय की मांग है, विशेषरूप से तब जब मधुमेह के मामलों में वृद्धि हो रही है।''

डीजी बाबू पेरम ने एक दृश्य-श्रव्य प्रस्तुतीकरण के माध्यम से मंडल के प्रदर्शन का सार प्रस्तुत किया।

दर्शकों के बीच PDG नटराजन नागोजी, नंदिनी नागोजी, मीरा जॉन, माला भास्कर, शांति राजु और नल्लाअम्माई रामनाथन।

चेंजिंग बिज़नेस ट्रेंड्स एंड इमर्जिंग ऑपर्टूनिटीस पर हुई एक पैनल चर्चा का संचालन रोटेरियन एस वी वीरमणि ने किया। पैनल के सदस्य डैनफोस के प्रबंध निदेशक, पी रविचंद्रन; CII-तमिल नाडू क्षेत्र के पूर्व अध्यक्ष, एम पोन्नूस्वामी; डन एंड ब्रैडस्ट्रीट की कार्यकारी निदेशक और सीएफ़ओ संगीता सुमेश; और अत्यंत कैपिटल के एमडी राहुल सरावगी ने इस विषय पर अपने दृष्टिकोण साझा किये। ट्रांसजेंडरों के सामाजिक समावेश पर काम करने वाले पेरीफ़ेरी की संस्थापक नीलम जैन ने ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए रोजगार एवं व्यवसाय के अवसर पैदा करने के विचार पर रोशनी डाली। उन्होंने कहा, ''रोटरी एक ध्यानाकर्षण क्षेत्र के रूप में समुदाय के उत्थान को सम्मिलित कर सकती है और उचित कार्य भूमिकाओं को पहचान कर उनको प्रशिक्षण दे सकती है।''

'रोटरी - तब और अब' पर हुई एक चर्चा, जिसका संचालन पीडीजी ए एस वेंकटेश ने किया था, ने इस तथ्य को सुदृढ़ बनाया कि एक संगठन के रूप में रोटरी लगातार स्वयं को नवीनीकृत कर रही है ताकि सदा के लिए यह प्रासंगिक बनी रह सके।

सुधांशु मणि, इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आईसीएफ़), अवदी, के पूर्व महाप्रबंधक, ने नवीनतम वन्दे भारत एक्सप्रेस, जिसे 'ट्रेन 18' के नाम से जाना जाता है, पर रोशनी डाली। भारत सरकार की *मेक इन इंडिया* पहल के तहत इसे आईसीएफ़ द्वारा 18 महीनों में डिज़ाइन करके तैयार किया गया था। इसलिए इसका नाम 'ट्रेन 18' पड़ा, उन्होंने कहा। स्वदेशीय निर्मित इस सेमी-हाई-स्पीड इंटरसिटी वाहन की लागत यूरोप से मंगाई जाने वाली समान प्रकार की ट्रेन से 40 प्रतिशत कम पड़ती है।

सम्मेलन में उपस्थित लोगों को भारतीय जलसेना की छह महिला अफसरों द्वारा किये गए साहसिक अभियान का एक प्रेरक किस्सा सुनाया गया। उन्होंने समुद्री जहाज, आईएनएसवी तारिणी, पर पूरी दुनिया का गोल चक्कर लगाया था। *नाविक सागर परिक्रमा* नामक यह अभियान भारत का पहला ऐसा दुनिया का चक्कर लगाने वाला अभियान था जिसके चालक दल में सिर्फ महिलाएं थी। जहाज की कप्तानी लेफ्टिनेंट कमांडर वर्तिका जोशी ने की थी, और चालक दल में लेफ्टिनेंट कमांडर प्रतिभा जामवाल, लेफ्टिनेंट कमांडर पी स्वाति और लेफ्टिनेंट कमांडर बी ऐश्वर्या, एवं लेफ्टिनेंट एस विजया देवी और लेफ्टिनेंट पायल गुप्ता शामिल थी। अफसरों ने यात्रा के दौरान उनकी तैयारी, प्रशिक्षण और अनुभवों के बारे में बात की।

क्राइसेलिस की संस्थापिका एवं सीईओ चित्रा रवि ने *न्यू ट्रेंड्स इन एजुकेशन* पर दिए गए अपने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से अध्ययन को मजेदार होता दिखाया, वहीं चेन्नई पोर्ट ट्रस्ट के अध्यक्ष पी रविचंद्रन ने देश के आर्थिक विकास में बंदरगाहों द्वारा निभाई जानी वाली अहम् भूमिकाओं पर प्रकाश डाला। ■

बाएं : तमिलनाडु के राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित, PDG एसवीआरएम रामानाथन और नल्लाअम्माई को सम्मानित करते हुए। चित्र में (बाएं से) RID सी भास्कर, RIPR जॉन डैनियल, DG बाबु पेरम, अनिता और सम्मेलन सलाहबकार चक्रवर्ती भी शामिल हैं।

Rotary PEOPLE OF ACTION

एक कराटे ब्लैक बेल्ट क्लब अध्यक्ष लड़कियों को सशक्त बनाते है

वी मुत्तुकुमारन

रोटरी क्लब चेन्नई ईस्ट आर ए पुरम के अध्यक्ष पी वासु, चेन्नई के एक सरकारी स्कूल के छात्रों को कराटे सिखाते हुए।

रोटरी क्लब चेन्नई ईस्ट आरए पुरम के अध्यक्ष पी वासू की आँखों में चमक और लहजे में गर्व साफ देखा जा सकता है जब वह उनके द्वारा बनाए गए 'एक प्रकार के कीर्तिमान' की बारीकियों को समझाते है जिसके तहत उन्होंने 23 सरकारी स्कूलों एवं महिला कॉलेजों की 5,600 लड़कियों को आत्म-रक्षा के लिए प्रशिक्षित किया था।

क्लब की *एम्पोवर दी गर्ल चाइल्ड* परियोजना के तहत स्कूलों एवं कॉलेजों की लड़कियों की कराटे की कला में महारत हासिल करने में मदद करने हेतु उन्होंने दो पुरुष एवं दो महिला प्रशिक्षकों के एक दल का नेतृत्व किया। वासू स्वयं एक ब्लैक बेल्ट डैन लेवेल 5 प्रशिक्षित कराटे विशेषज्ञ है, जिन्होंने इशिंरयु कराटे, जापान से प्रशिक्षण प्राप्त किया था। ''मैं

26 वर्षों से चेन्नई सिटि पुलिस, पूर्व-रक्षा कर्मियों, स्कूल एवं कॉलेज की लड़कियों को मार्शल आर्ट्स का प्रशिक्षण दे रहा हूँ,'' वह कहते है।

पिछली जुलाई में अपने प्रतिस्थापन के दौरान, वासू ने रोटरी की व्यावसायिक सेवा के अंतर्गत स्कूलों एवं कॉलेज की 5,000 लड़कियों को मुफ्त कार्यशालाओं के माध्यम से आत्म-रक्षा में प्रशिक्षित करने की उनकी योजना की घोषणा की।

केवल तीन संकेतों - खतरे का सामना कैसे करें; डर पर जीत हासिल करें; और उपलब्ध चीजों से स्वयं की रक्षा करें - के साथ वासू लड़कियों के आत्म-विश्वास में नाटकीय परिवर्तन लाने में सफल रहे। ''मैं हमेशा उनसे कहता हूँ कि जब भी घिर जाओ तो जो कुछ भी आपके हाथ में आए उसे पर्याप्त तेज़ी से इस्तेमाल करना चाहिए। उदाहरण के लिए, एक नुकीला कांटा, चूड़ियाँ या मिर्ची का स्प्रे... हमलावर के खिलाफ इनमें से कुछ भी इस्तेमाल करें।'' और एक सरकारी स्कूल में 2-3 घंटे की कार्यशाला-सह-प्रदर्शन सत्र के अंत में, वह ''विद्यार्थियों से एक सहज उत्तर सुनकर बहुत खुश हुये: 'सर, हमलावर से बचने के लिए हम मिट्टी, पत्थर या जो कुछ भी हमारे हाथ में आएगा उसका भी इस्तेमाल करेंगे।'''

10 अन्य क्लबों एवं इनर व्हील के सदस्यों अरुल मलार (बे सिटी) और फातिमा (मद्रास नॉर्थ) ने स्कूल प्रबंधनों से मंजूरी लेने और लॉजिस्टिक्स को संभालने में उनकी सहायता की।

भव्य समापन

भारतीय राजस्व सेवा अफ़सर वी नंदकुमार, आयकर विभाग (चेन्नई क्षेत्र) और मंडल गवर्नर बाबू पेरम इस भव्य प्रदर्शन पर मौजूद थे जहाँ चेल्लाम्मल वुमन्स कॉलेज की 1,000 लड़कियों ने बड़ी संख्या में एकत्रित हुये दर्शकों के सामने अपने नव अधिगृहीत कौशलों का प्रदर्शन किया। अगले वर्ष वासू अब चेन्नई और उसके आसपास के इलाकों की 20,000 लड़कियों को प्रशिक्षित करने के लिए तैयार है। ■

रोटरी ने पुलवामा के शहीदों को सम्मानित किया

टीम रोटरी न्यूज़

चंडीगढ़ के रोटरी क्लब, आरआईडी 3080, ने आईपीएल फ्रेंचाइजी क्रिकेट टीम किंग्स इलेवन पंजाब के साथ मिलकर फरवरी में पुलवामा आतंकवादी हमले में शहीद हुए पाँच सीआरपीएफ जवानों के परिवारों को ₹25 लाख का चेक प्रदान किया।

DG प्रवीण गोयल, रोटरी क्लब चंडीगढ़ के अध्यक्ष एपी सिंह और DIG वी के कौंडल एक शहीद के परिवार को चेक सौंपते हुए। चित्र में किंग्स इलेवन पंजाब के ऑपरेशन हेड अनंत सरकारिया और कप्तान आर अश्विन भी शामिल हैं।

क्लब ने सीआरपीएफ के पाँच जवानों की पहचान की, जिनमें से चार जवान पंजाब और एक जवान हिमाचल प्रदेश के थे, जिनके परिवार वालों को मार्च में आयोजित एक कार्यक्रम में ₹5 लाख दिए गए।

क्लब के अध्यक्ष ए पी सिंह ने ''पुलवामा के जवानों की मदद के लिए हमें अपना माध्यम चुनने के लिए'' किंग्स इलेवन पंजाब को बहुत धन्यवाद। क्लब द्वारा तीन वर्ष पहले शुरू की गई एक अन्य परियोजना को याद करते हुए, उन्होंने कहा कि प्रत्येक दीपावली पर 5,000 किलोग्राम मिठाई सीमाओं पर मुस्तैद हमारे जवानों को भेजना शुरू किया गया था।

किंग्स इलेवन पंजाब के परिचालन प्रमुख अनंत सरकारिया ने कहा, ''हम इस परियोजना के लिए रोटरी क्लब चंडीगढ़ के साथ साझेदारी करने के लिए आभारी हैं क्योंकि उन्होंने हमारे बहादुर जवानों के परिवारों के साथ जुड़ने में हमारी मदद की, जो हमारे लिए प्रति दिन अपनी जान दांव पर लगाते हैं।''

क्लब के अध्यक्ष के साथ, डीजी प्रवीण गोयल, सरकारिया, किंग्स इलेवन के कप्तान रविचंद्रन अश्विन और अन्य रोटेरियन इस समारोह में उपस्थित थे। सीआरपीएफ पंजाब का प्रतिनिधित्व वरिष्ठ डीआईजी वी के कुंडल ने किया, जिन्होंने शहीद जवानों के परिवारों के साथ बातचीत की। ■

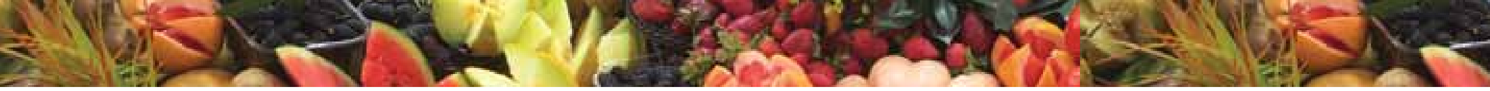

इस्तांबुल के तुर्की कबाब...
और बुडापेस्ट

रशीदा भगत

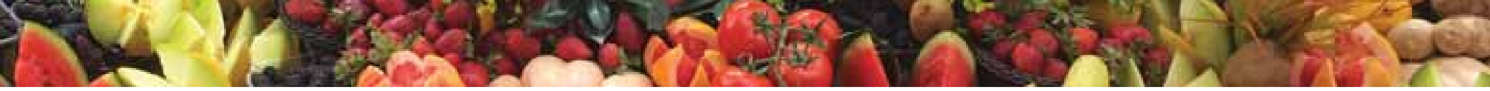

हर जगह मिलने वाले तुर्की कबाब की दुनिया के हर कोने में एक अनिवार्य मौजूदगी है और आप अपने जोखिम पर इसे कहीं भी खा सकते है... यह तकदीर आजमाने जैसा है। कभी यह अच्छा होता है और कभी नहीं। हाल ही में हमने इसे बुडापेस्ट स्टेशन पर खाया, स्लोवेनिया की राजधानी लुब्लियाना तक के आठ घंटे के लंबे सफ़र के दौरान। हम चार लोग थे और हमने 15 यूरो प्रति टिकट की हास्यास्पद रूप से कम कीमत पर ऑनलाइन बुकिंग की थी, और जब तक हम ट्रेन में ना चढ़ गए, तब तक हमें संदेह था कि यह असली टिकिट है भी या नहीं।

लेकिन वह असली थी और यूरोप की सभी ट्रेनों की तरह यह ट्रेन भी आरामदेह थी परन्तु इस रोचक यात्रा के बारे में हम किसी और दिन बात करेंगे। लेकिन हमें पता चला कि इस ट्रेन पर सीमित सुविधाएं थी और हम खाने, या पीने के लिए कुछ नहीं खरीद सकते थे, ना ही ट्रेन पर और नी ही जिन स्टेशनों पर वह रुकी उन पर! हाँ, आप की तरह ही, मैं भी हमारे स्टेशनों पर मौजूद विकल्पों की भरमार के बारे में सोच रही हूँ - *इडली-बड़े* से

लेकर समोसे से लेकर ऑमलेट तक और बेशक आपकी पसंद अनुसार बिरयानी या दही चावल।

लेकिन यह लेख तुर्की खाने के बारे में है, और बुडापेस्ट स्टेशन के एक कैफे में हमारे द्वारा मंगाए गए कबाब की बात करें तो, वे खाने लायक नहीं थे। लेकिन चूंकि विकल्पों की कमी थी, हम जितना खा सकते थे हमने उतना खाया और बाकी का छोड़ दिया।

पिछले वर्ष तुर्की की हमारी यात्रा के दौरान इस्तांबुल और काप्पडोशिया दोनों जगहों पर खाये गए खाने से यह खाना एकदम अलग था। यहाँ पर मैं एक बात स्वीकार करना चाहूंगी - इस यात्रा का ख़याल ही NetFlix पर *Love me as I am* नामक एक प्रीतिकर तुर्की धारावाहिक से आया था। उसमें नायिका के पिता की कोफ़्तेकी (कबाब) की एक दुकान होती है और वहाँ तुर्की के पूरे एनेटोलिया क्षेत्र के सबसे अच्छे कबाब मिलते है। बाद में वह इस्तांबुल आकर कबाब की दुकान खोलते है।

बेशक धारावाहिक जादुई शहर इस्तांबुल, अद्भुत बोस्फेरस और हागिया सोफिया और ब्लू मॉस्क जैसे उसके प्रतिष्ठित स्थानों के आकर्षण को दिखाता है। इसने अत्यंत खूबसूरत इस्तांबुल और सांस लेने के लिए सबसे ताजी हवा वाले बोस्फेरस, जो इस्तांबुल के यूरोपी हिस्से को एशियाई हिस्से से अलग करता है, में वापस आने की लालसा

पैदा की। बारह साल पहले मैं इस्तांबुल गई थी, तब मैंने पति के साथ वापस आने का निश्चय किया था।

इस तरह हम तुर्की आ गए - वीसा बहुत आसानी से मिल गया था! यदि आपके पास एक वैध यूएस या शेंगेन क्षेत्र का वीसा है, तो एक भारतीय को कुछ 50 डॉलर में तुर्की का वीसा ऑनलाइन मिल सकता है। हमने सबसे पहले तुर्की कबाब काप्पडोशिया में खाया था और वह लज़ीज़ था। मांस मुलायम और रसीला था और उसके साथ मिलने वाली ब्रैड यूरोप की सबसे अच्छी ब्रैड में से एक थी।

पारंपरिक कबाब या *कोफ़्तेकी* इतना अच्छा था कि हमें कुछ और आजमाने में थोड़ा समय लगा, हालांकि भुनी हुई मछली और झींगे हमारा बुनियादी भोजन बन चुके थे। एक बार इस्तांबुल आने पर, गुंजाइशे काफी बढ़ गई थी। इस असाधारण रूप से सुंदर शहर में, हमने

कुछ व्यक्तिगत यात्राएं की, और हमारा गाइड मुस्तफा हमें कुछ ऐसे रेस्टॉरेन्ट ले गया जो बाहर से साधारण लग रहे थे पर उनमें लज़ीज़ खाना मिला। यहाँ हमने जाना कि चावल के भरावन वाली मिर्च या शिमला मिर्च तुर्की खाने का एक नियमित हिस्सा है, और हमने उन्हें भी आजमाया पर हमें वह उतना अच्छा नहीं लगा। वहीं दूसरी ओर सूप स्वादिष्ट थे। लेकिन सबसे लज़ीज़ तो बेशक *कोफ़्तेकी* ही था। उनमें से एक जगह हमने पनीर कबाब खाया, जिसे मिर्च एवं बैंगन के साथ परोसा गया था और वह स्वादिष्ट था।

तुर्की एक जैतून उगाने वाला क्षेत्र है और टेबल जैतून तुर्की खाने का प्रमुख हिस्सा है और तुर्कियों को जैतून खाना पसंद है और हर सुबह,

---

टेबल जैतून तुर्की खाने का प्रमुख हिस्सा है और तुर्कियों को जैतून खाना पसंद है और हर सुबह, भरपूर टेबल जैतून नाशते की शोभा बढ़ाते थे।

इस्तांबुल और काप्पडोशिया दोनों जगह हमारे होटलों के नाशते में, नमक में लिपटे और कुछ अन्य भूमध्यसागर के मसालों से भरपूर टेबल जैतून वहाँ की शोभा बढ़ाते थे। मीजे या एक छोटे डब्बे में परोसे जाने वाले कुछ स्टार्टर, जो मध्य पूर्व, ग्रीस और नॉर्थ अफ्रीका में बहुत प्रसिद्ध है, तुर्की में भी बहुत पसंद किए जाते है। स्टार्टर्स को पेटा ब्रैड के साथ परोसा जाता है और उसमें मुख्य रूप से टेबल जैतून के व्यंजन, छोले की चटनी, बारीक कटी हुई सब्जियाँ जिन्हें जैतून के तेल एवं मसालों से सजाया जाता है, जैसी कुछ अन्य चीज़ें होती है।

लेकिन यात्रा का सबसे बेहतरीन खाना तब खाया जब स्कॉट, जो एक भारतीय पत्रकार मित्र के पति जो इस्तांबुल में पदस्थ है, की सलाह मानकर हम यूरोपीय हिस्से (जहाँ हमारा होटल स्थित था) से एशियाई हिस्से तक नाव से गए। उनकी सलाह पर हमने कादिकोय, जो एशिया तरफ के इस्तांबुल का एक आधुनिक एवं ठाठ वाला रिहाइशी इलाका है, का दौरा किया। ताज्जुब की बात है, 20 मिनट में हम यूरोप से एशिया पहुँच गए!

आप उम्मीद करेंगे कि इस्तांबुल का एशियाई हिस्सा अधिक आधुनिक होगा, और शायद वहाँ ऐसे इलाके है जो यूरोपीय हिस्से में भी वास्तव में

लांब केसारोल

टर्किश डिलाइट

पसंद किए जाते है। हम शहर के ठीक बीचोंबीच ठहरे हुये थे, और हागिया सोफिया और ब्लू मॉस्क जैसे वास्तुकला के अजूबे पैदल दूरी पर थे, और आलीशान सुलेमानी मस्जिद का जिक्र करने की जरूरत नहीं है, जो इतनी अद्भुत है कि आप आश्चर्य से अवाक् रह जाते है। इसके बावजूद भी हमें एशियाई हिस्सा वास्तव में पसंद आया।

कादिकोय (जो सुनने में कोझिकोड जैसा लगता है, है ना?) में चमचमाती दुकानें थी और वह इलाका खरीदी के शौकीनों को प्रसन्न करने वाला था। लेकिन जिस चीज़ ने मुझे प्रभावित किया वह थे जूते। कीमत इतनी उचित थी कि दो जोड़ी खरीदना तो बनता था। लेकिन सबसे अच्छी बात थी सीया, स्कॉट द्वारा अनुशंसित रेस्टोरेन्ट, में जाना। वहाँ तक पहुँचने के लिए हम संकीर्ण गलियों से गुजरे - देखने में वह कादिकोय का फैला हुआ फल, सब्जी और मटन मार्केट लग रहा था - जहाँ भूमध्यसागर के सबसे ताज़े फल एवं सब्जियाँ मिल रहे थे। शब्दों में कहें तो वह इंद्रियों पर एक हमले जैसा था... घर की याद दिलाने

वाली हरी मिर्चियों के ढेर; विविध रंगों के मसालेदार एवं चटपटे जैतून के ढेर, सभी आकार की मछली एवं मांस और बेशक, मुंह में पानी ला देने वाली पेस्ट्रीयाँ जो आपको पैस्ट्री की दुकानों के काँच के डिस्प्ले से ललचा रही थी।

सीया में दो रसोइये एक साफ छोटे तंदूर में नान/रोटी बना रहे थे। रोटियाँ बहुत कुछ हमारी रोटियों/नान जैसी थी और यह देखना काफी दिलचस्प था कि कैसे वे आटे के गोलो को थोड़ा सा बेलकर उन्हें हवा में उछालते है और फिर कुशलतापूर्वक खींचकर उन्हें पतला करते है और उसके बाद सावधानी से एक लंबी डंडी के लकड़ी के करछुल से उन्हें तंदूर के अंदर रखते है (तस्वीर देखिये)। वे कई प्रकार के नान बना रहे थे, और हमने देखा कि उनमें से एक सबसे पतला पिज़्ज़ा बेस था। यह तुर्की पिज़्ज़ा है, उस पर कुछ सब्जियाँ और मसाले डालकर तंदूर में उसे रखते हुये एक शेफ ने गर्व के साथ हमें समझाया।

हम अपनी अनुशंसा पर अटल रहे जो थी लहसुन कबाब और एक गोश्त पुलाव, उस जगह की दो विशेष चीज़ें और जब वह टेबल पर आई, उसने हमें आश्चर्य में डाल दिया। तंदूर में लहसुन, गोश्त और एक अनार की चटनी से बने लहसुन कबाब को उसी तंदूर में भुनाई गई प्याज के साथ परोसा जाता है! एक ही विचार दिमाग में आया, लज़ीज़।

मेनू में मुंह में पानी ला देने वाले बहुत से विकल्प थे... जैसे खसखस कबाब, हाथ से कटे गोश्त या गोमांस और दही से बने दही कबाब; बैंगन, टमाटर और अनार के शीरे से बने खट्टे कबाब और उनमें सबसे खास - सीया कबाब जो हाथ से कटे गोश्त/गोमांस, अखरोट, पनीर, अजवायन और पुदीना से बना था।

यद्यपि उम्मीद है कि कबाब की अन्य किस्मों को आजमाने के अन्य मौके आएंगे, बुडापेस्ट स्टेशन पर तुर्की कबाब बंधवाते समय मैं क्या सोच रही थी? एक चिकन या चीज़ बर्गर कई अधिक सुरक्षित होता! शुक्र है मैंने टर्किश डिलाइट नहीं आजमाया, जो वहाँ उपलब्ध था!

चित्र: रशीदा भगत

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

Rotary PEOPLE OF ACTION

नेत्रहीन बच्चों के लिए ऑडियोबुक

नूपुर संधू (पिछली पंक्ति में दाएं से दूसरी) नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड में बच्चों के साथ।

राष्ट्रीय शौर्य पुरस्कार जीतने वाले बच्चों को, रोटरी क्लब जम्मू इलीट के सदस्य, नूपुर संधू, आरआई मंडल 3070 ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर एक ऑडियो बुक, *भारत के बहादुर बच्चे* सम्मानित किया। इंदौर मार्शल, सागर फीनिक्स के रोटरी क्लबों और रोटरी क्लब रैंडोल्फ मेट्रोकॉम, यूएसए के सहयोग से इस उपलब्ध कराई जाने वाले यह पुस्तक 27,000 नेत्रहीन छात्रों तक पहुँचेगी। इस पुस्तक का विमोचन वर्ष 2019 जयपुर साहित्य उत्सव में किया गया था और इसे राष्ट्रीय दृष्टिहीन संघ द्वारा सराहा गया।

रेडियो मिर्ची 98.3 एफएम के रेडियो जॉकी निशांत विक्र म की आवाज में और इकबाल सिंह हुंदल के संगीत से सजी, यह ऑडियो पुस्तक *DAISY Portal* पर अपलोड की गई है, और इस पोर्टल का निर्माण दृष्टिहीन, अनपढ़ और बुढ़ापे या अन्य विकलांगता के कारण पढ़ने में असम र्थ लोगों की मदद के लिए किया गया हैं। ■

सम्मेलन

व्यस्त लोगों के लिए सूचना

हैंक सार्टिन

रोटरी अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल होने के लिए 1-5 जून को हैम्बर्ग, जर्मनी के लिए प्रस्थान करने से पहले, आप कुछ मुफ्त ऐप डाउनलोड करें जो आपको इस कार्यक्रम - और इस शहर का सर्वाधिक लाभ प्राप्त करने में मदद करेगा।

"Rotary Events" नामक ऐप सम्मेलन में जाने के दौरान आपका मर्गदशक करेगा। इसका इस्तेमाल कर, आप अपने दैनिक कार्यक्र म की योजना बना सकते हैं, महत्वपूर्ण वक्ताओं के बारे में जानकारी प्राप्त सकते हैं और सत्र की विज्ञप्ति पत्रक डाउनलोड कर सकते हैं। इतना ही नहीं, आप अन्य रोटेरियन के साथ भी जुड़ सकते हैं, तस्वीरों को साझा कर सकते हैं, सत्रों को रेटिंग दे सकते हैं और सम्मेलन के आयोजकों को प्रतिक्रिया भेज सकते हैं। ऐप को 9 मई से डाउनलोड किया जा सकता है; *"Rotary Events"* टाइप कर इसे अपने ऐप स्टोर में खोजें।

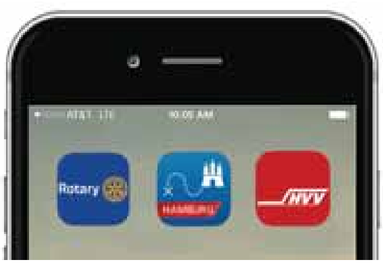

HVV ऐप आपको हैम्बर्ग की परिवहन प्रणाली से यात्रा करने में मदद करेगा। इसे खोलें कर आप अपने आसपास के क्षेत्र का एक नक्शा देख सकेंगे। याद रखें कि आपके हैम्बर्ग सम्मेलन पंजीकरण में शहर की ट्रेनों, बसों और यहाँ तक कि घाटों के लिए एक पास भी शामिल है, इसलिए आपको टिकटों को लेकर चिंता करने की आवश्यकता नहीं होगी।

शहर के हैम्बर्ग ऐप के साथ अपने खाली समय का अधिकाधिक लाभ उठाएं, जो विशेष विषय से संबंधित पर्यटन, महत्वपूर्ण स्थानों के लिए ऑडियो गाइड, बंदरगाह पर आने जाने वाले नौकाओं और जहाजों के बारे मंक विस्तृत सूचना प्राप्त करने, और आपके स्थान के आधार पर अगले कार्य के लिए सुझाव देगा। इंटरनेट कनेक्शन नहीं होने के बावजूद भी आप एक शहर के विस्तृत नक्शे का इस्तेमाल कर सकते हैं।

riconvention.org पर हैम्बर्ग में 2019 (1-5 जून) रोटरी सम्मेलन के लिए पंजीयन कराएं।

© The Rotarian

Rotary PEOPLE OF ACTION

सेवाभावी लोगों से मिलने के मिशन पर दो रोटेरियन

वी मुत्तुकुमारण

समाज सेवा से प्रेरित एक रोटेरियन युगल विश्व-यात्रा पर निकले हैं, और उनका उद्देश्य वैसे महान व्यक्तित्वों के पीछे उस प्रेरणा और जुनून की खोज करना है, जिसके बल पर वे 'निस्वार्थ सेवा के माध्यम से सामुदायिक विकास' के लिए सदैव प्रयासरत्त रहते हैं। रोटरी क्लब न्यू बॉम्बे सीसाइड, आरआईडी 3142, से डॉ. सुधीर बलदोटा और रोटरी क्लब बॉम्बे नॉर्थ, आरआईडी 3141 के उनके दोस्त प्रवीण मेहता, टोयोटा फॉर्च्यूनर से संसार के ''ऐसे लोगों से मिलने के लिए निकलने हैं जो सुर्खियों में नहीं रहते हैं'', लेकिन अपने सामाजिक कार्यों की ''बदौलत लोगों को बेहतर जीवन जीने में मदद करते हैं'' रोटरी क्लब न्यू बॉम्बे सीसाइड के अध्यक्ष बी वी रविप्रकाश कहते हैं।

मुंबई में कार रैली के फ्लैग-ऑफ के दौरान डॉ सुधीर बलदोता और प्रवीण मेहता (सफेद पोशाक में)।

अपनी 300 से अधिक दिनों की अवधि में वे चार महाद्वीपों और 60 देशों में यात्रा करेंगे, और उनकी योजना कम से कम 120 व्यक्तियों से मिलने की हैं उन्होंने सेवा से संबंधित उनके नवीनतम कार्यों के इतिहास और समाज पर उसके प्रभावों का मूल्यांकन करने के उपरांत सावधानी ऐसे लोगों की से पहचान की है।

कार रैली को मुंबई में अप्रैल 8 को झंडी दिकहाकर रवाना किया गया, जहाँ से वे उदयपुर, दिल्ली, मुज्जफरनगर होते हुए भूटान पहुँचें। यहाँ से उनकी यात्रा थाईलैंड, कंबोडिया, वियतनाम होते हुए चीन पहुँचेगी और फिर रूस में प्रवेश करेगी, इसके बाद वे ग्रीस, जर्मनी, फ्रांस और यूके की यात्रा भी करेंगे।

''यूके के बाद, उनकी कार यूएस पहुँचेगी। तत्पश्चात, उत्तरी अमेरिका होते हुए, वे पनामा पहुँचेंगे और फिर एक चीली, अर्जेंटीना की दुर्गम सड़क यात्रा के बाद अपने 70,000 किलोमीटर की कार-रैली की समाप्ति पर ब्राजील पहुँचेंगे'' रविप्रकाश आगे स्पष्ट करते हैं।

अपनी यात्रा के दौरान वे संसार भर के लोगों के साथ रोटरी क्लब के झंडे का आदान-प्रदान करेंगे और ब्लॉग, व्लोग के माध्यम से अपनी यात्रा का संस्मरण तैयार करेंगे। हमें भारतीय दूतावासों से प्रमाण मिला हैं के वे रोटेरियनों को आभिग्राहित करेंगे और उनकी मदद करेंगे। ■

कार रैली सहभागीयों के साथ रोटेरियन। चित्र में रोटरी क्लब बॉम्बे सीसाइड के अध्यक्ष बी वी रविप्रकाश (दाएं से दूसरे)

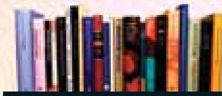

शब्दों की दुनिया

आपराधिक दिमाग

संध्या राव

हत्या, रहस्य, जासूसी... रक्त, रुधित और विकृत तर्क में क्या इतना 'आनंददायक' है?

क्रिमिनल माइंड्स एक लोकप्रिय टेलीविज़न सीरीज़ का नाम है और यह विभिन्न डिजिटल मंचों पर दिखाए जाने वाले कई लोकप्रिय कार्यक्रमों में से एक है, लेकिन आपको माफ कर दिया जाएगा यदि आप इस बात से अवगत नहीं है कि कितने लोग सभी तरह की हत्याओं, जासूसी और रहस्यों के बारे में पढ़कर उसका भी आनंद लेते है। तथ्य कि अधिकतर टीवी कार्यक्रम किताबों पर आधारित है ने केवल इस विधा - अपराध कथा - को अधिक लोकप्रिय बनाया है।

कुछ सबसे प्रसिद्द काल्पनिक पात्र जासूसी कहानियों की दुनिया से आते है। हरक्यूल पोईरट और जेन मार्पल, शेर्लाक होम्स और डॉ. वाट्सन, अर्कादी रेनको (मार्टिन क्रूज़ स्मिथ), जॉन रीबस (इयान रेंकिन), कर्ट वालंडर (हेनिंग मनकेल), स्मिला कावीकाक जैस्पर्सन (पीटर हॉग), कॉर्मो रन स्ट्राइक (रोबर्ट गेलब्रेथ), लिस्बथ सलंडर (स्टीग लार्सन), चीफ इंस्पेक्टर रेजीनल्ड वेक्सफोर्ड (रुथ रेंडेल), इंस्पेक्टर सिंह (शामिनी फ्लिंट), और हमारी अपने मिस लल्ली (कल्पना स्वामीनाथन), अर्जुन अरोरा (अंकुश सैकिया) और मिस्टर मैजेस्टिक (जैक ओफ्येह) बस कुछ ही नाम है। जहाँ तक जेम्स बांड की बात है तो वह शॉन कॉनेरी, रॉजर मोर, पियर्स ब्रोसनन और डेनियल क्रैग का शरीर धारण करने से बहुत पहले इयान फ्लेमिंग की कल्पना में उभरा था!

बहुत पहले, जब *इंडिया टुडे* के एक सहकर्मी ने मुझे बताया कि उसके पिता एक जासूस थे, तो जो तस्वीर मेरे दिमाग में उभरती थी वह एक कूबड़ वाले, टोपी पहने, कोट पहने, ऊँची कॉलर वाले और काला चश्मा पहने हुए सुरागों को सूंघकर उसका पीछा करते हुए, हाथ में विशालक लेंस लिए हुए एक पात्र की होती थी। यह जानकर निराशा हुई कि उनके कार्य में अधिकांश तौर पर विवाह योग्य युवक और युवतियों का 'पुनरीक्षण' करना, या जीवनसाथियों की 'गतिविधियों' पर नज़र रखना शामिल होता था! टीवी पर एक बार साक्षात्कार के दौरान एक जासूस ने कहा था कि उनकी एजेंसी को ऐसे माता-पिता से बहुत सारे अनुरोध मिले जो यह जानना चाहते थे कि उनके बच्चे आखिर क्या करते है।

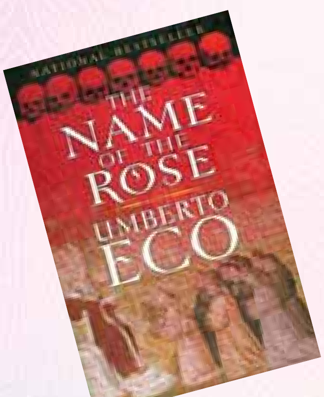

अपराध उपन्यास अधिक शानदार और पैसा वसूल होते है। जूली शॉ जैसे लेखकों के मामले में, वे वास्तव में उनके घरों से निकले थे। उनकी सबसे ज्यादा बिकने वाली किताबें *माय मेम शिरली, माय अंकल चार्ली* और *ऑउर विन्नी* उनके स्वयं के परिवार के आपराधिक कुख्यात इतिहास से संबंधित है। उदाहरण के लिए, चार्ली हडसन के बारे में आज भी यॉर्कशायर में दबी आवाज़ में बात की जाती है, जहाँ 1940 के दशक में, वह जुआखाना और देह व्यापार चलाता था। हालाँकि, जूली के लिए वह केवल एक प्रिय चाचा था, उसके संदिग्ध पिता कीथ का भाई।

करीब 30 वर्ष पहले डेंजिल मेयरिक ग्लासगो में एक पुलिस वाला था। आज, उसके पास DCI डाले को प्रस्तुत करने वाले सात प्रकाशित उपन्यास है। लेकिन अधिकतर लेखक उपन्यासों को मसालेदार बनाने के लिए अनुसंधान, पैनी सोच, कल्पना और जबर्दस्त लेखन कौशलों पर विश्वास करते है जो हमें दिलचस्प लगते है। अपराध कथा के बारे में सबसे आखरी में बताई गई विशेषता सबसे पहली और सर्वोत्तम है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि यह शैली अतिलोकप्रिय है। जब कथानक में कोई दिलचस्प मोड़ आता है और वह किसी अनपेक्षित अंत की ओर जाने लगता है, तो हमारी धड़कने बढ़ जाती है।

वे कहते है, सच कल्पना से अनजान होता है, और सच वह आधार है जिसपर सभी अपराध कथाएं गढ़ी जाती है: जाँचकर्ता या जाँच एजेंसी मामले की सच्चाई की तलाश में होते है, चाहे वह हत्या हो, चोरी हो, या कोई आतंकी साजिश। इस संदर्भ में, उद्धरण देने के लिए सबसे अच्छे व्यक्ति है अमेरीकी उपन्यासकार टॉम क्लैंसी जिन्होंने अधिकतर जासूसी और सैन्य-विज्ञान थ्रिलर लिखे। उनका सुप्रसिद्ध उपन्यास, *डेब्ट ऑफ़ ऑनर* में एक पात्र है जो बोइंग 747 को यूएस की संसद में ले जाता है जब कांग्रेस सत्र में होती है। इस पुस्तक के प्रकाशन के बाद हुई 9/11 की भयावह घटनाओं की तुरंत ही इस दृश्य के साथ तुलना की जाने लगी।

2013 में क्लैंसी की मृत्यु हो जाने के बाद, क्रिस्टोफर मैथ्यूज़ तीन अन्य वास्तविक घटनाओं के बारे में बताते है जिनका शायद क्लैंसी को 'पूर्वानुमान' था। क्लैंसी ने 2001 में 'घोस्ट रिकॉन' नामक एक वीडियो गेम जारी किया था जिसमें जॉर्जियन विद्रोही बलों और रूसी राष्ट्रवादियों के मध्य संघर्ष दिखाया गया था। इस गेम में समय अप्रैल 2008 दिखाया गया था। जॉर्जिया और रूस के मध्य वास्तविक संघर्ष अगस्त 2008 में शुरू हुआ था। *डेड ओर अलाइव*

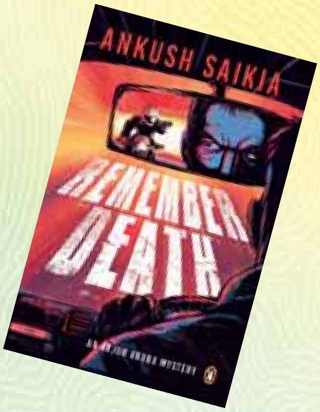

में एक ओसामा बिन लादेन जैसा पात्र है जो अंततः लॉसवेगास में विशेष ऑपरेशन द्वारा उसके अड्डे पर धराशायी कर दिया गया। यह किताब पाकिस्तान के एबटाबाद में असली बिन लादेन को ढूंढकर मारे जाने के कुछ माह पहले ही प्रकाशित हुई थी। और *क्लियर एंड प्रेजेंट डेंजर* यूएस सरकार द्वारा फ़ोनों को गुप्त रूप से सुने जाने और पश्चिम एशिया में आतंकवादी गतिविधि का ख़ातमा करने के लिए गुप्त सैन्य कार्यवाही के घटित होने के बारे में पूर्व सूचना देता है; एडवर्ड स्नोडेन की वजह से यह जानकारी दुनिया के सामने आ पाई। स्पष्ट है, कल्पना का वास्तविकता से संबंध तो होता है।

अपराध कथा को पढ़ने से निश्चित रूप से दिमाग को फिर से चार्ज करने में मदद मिलती है। जैसा कि मनोवैज्ञानिक मिरियम हेंके कहते है: ''रहस्य मस्तिष्क को चुनौती देते है, शरीर में प्राकृतिक रसायनों को सक्रिय करते है और हमारी रुचि को बनाए रखते है। कोई सुराग मिलने पर या यह जानने पर कि हमने किसी चीज़ को सही समझा है, हमारे अंदर एक सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। मूल रूप से, रहस्य, अपराध, जासूसी और इसी तरह की कहानियाँ वास्तविकता से भागने की पेशकश करती है। इसमें खतरा होता है जिससे पाठकों को कोई खतरा नहीं होता और आमतौर पर, अंत में न्याय होता है। कुल मिलाकर, यह एक आदर्श सूत्र है और एक ज़िंदगी से ऊबे हुये पाठक के लिए काल्पनिक मरहम है।''

यह जानना रोचक है कि काल्पनिक जासूसी कदाचित ही सही होती है; उनमें दोष होता है जो खराब रिश्तों, या अंधकारमय अतीत, या बुरी यादों, शराब या ड्रग की लत, या PSTD का रूप ले सकता है। मूल रूप से, उनका निजी जीवन अक्सर ख़राब स्थिति में होता है। लेकिन जब बात काम की होती है, तो उनका पागलपन उन्हें मेधावी बनाता है, उदाहरण के लिए हर्कूल पोइरोट की तरह। यहाँ तक कि एन क्लीव्स द्वारा लिखित *शेटलैंड* श्रृंखला में भिन्न तरह से संतुलित जिमी पेरेज़ की एक जिद्दी बेटी, कैसी, है जिसके साथ पेश आना कठिन है; इसके अतिरिक्त वह उसका सौतेला पिता है और उसका असली पिता पड़ोस में ही रहता है, उसकी मृतक माँ की अनुपस्थिति में वे दोनों पिता की जिम्मेदारियों को साझा करते है। तो आप देखते है, कि अपराध कथा केवल अपराध के बारे में नहीं बल्कि लोगों के बारे में भी होती है।

कभी-कभी इस शैली की किताबें 'अनैतिक' हो सकती है। उदाहरण के लिए, अगाथा क्रिस्टी द्वारा चित्रित एक छोटे से अंग्रेजी गाँव में जेन मार्पल द्वारा हल की जाने वाली हत्याएं स्टीग लार्सन की स्वीडन के इर्द-गिर्द घूमने वाली *मिलेनियम* श्रृंखला की डरावनी प्रच्छन्न भावना से एकदम अलग है। अक्सर नोयर फिक्शन के नाम से जाने जाने वाले, नायक अक्सर शिकार या अपराधी होते है। हालाँकि सभी स्कैंडीनेवियायी अपराध कथा इस श्रेणी में नहीं आती, परंतु लगभग सभी किताबें उस भावशून्य निर्ममता को प्रतिबिंबित करती है जिसमें वे उपन्यास सेट किये जाते है।

प्रत्येक देश के लेखकों का अपराध कथा का अपना अभिनेता वर्ग होता है। हालाँकि, इस शैली की सबसे प्रसिद्ध किताबों में से एक निश्चित रूप से इतालवी लेखक अम्बरटो इको की किताब *द नेम ऑफ़ द रोज़* होना चाहिए। इस ऐतिहासिक हत्या के रहस्य को चौदहवीं शताब्दी के एक मठ में गढ़ा गया है और यह वाकई पढ़ने योग्य है।

एक लेख जिसका शीर्षक है 'वाय पीपल लाइक डिटेक्टिव स्टोरीज़' में जो बंटिंग कहते है कि वे एक खेल है, एक पहेली है, और लोगों को पहेलियाँ सुलझाना अच्छा लगता है, ठीक उसी प्रकार जैसे उन्हें वर्ग पहेली (या सुडोकु) को हल करना पसंद होता है। ''लोग पहेली होते है,'' वह लिखते है। अक्सर यह समझना कठिन होता है कि लोग जो चीज़ें करते है उसे क्यों करते है। ''जासूसी कहानियाँ हमें उन लोगों की झलक दिखाती है जिनसे हम वास्तविक जीवन में कभी नहीं मिलेंगे... ये नायक हमें मृतकों की मानसिकता तक ले जाते है, और ऐसा करते हुये, जीवित को समझने में हमारी मदद करते है।''

अपराध उपन्यास का पाठन निश्चित रूप से मस्तिष्क को एक ज़ोरदार व्यायाम करवाता है। यह तनाव से भी निपटने का तरीका है। एक अच्छी किताब मूड को ठीक करती है, और अपराध उपन्यास आपके दोस्त बनने के अलावा पढ़ने में भी दिलचस्पी जगाते है। जब मैंने पहली बार सेन फ्रांसिस्को में कालट्रेन पकड़ी, तो मैंने किसी से दिशा-निर्देश मांगे। उसने कहा वह भी उसी रास्ते जा रही है और मुझे अपने पीछे आने के लिए कहा। तब हमने अगले 40 मिनट तक बात की - हमारे पसंदीदा अपराध उपन्यासों के बारे में! हम केवल तब ही मिले थे, लेकिन इसके दो साल बाद भी हम अभी तक बाते करते है और उसने अंकुश सैकिया की *रिमेम्बेर डेथ* पढ़ी और उसका आनंद भी लिया। इसलिए, अगली बार जब भी आप दुनिया में कहीं भी किसी मेट्रो में हो, तो ज़रा गौर फरमाएं कि लोग क्या पढ़ रहे है। सम्भावना है कि वह एक दिलचस्प 'हत्या' रहस्य होगा! बेशक, अगर वे उसे 'उपकरणों' पर ना पढ़ रहे हो तो। उह!

उपलेख: यह अनाड़ियों के लिए है: इस कॉलम में वर्णित नामों के अलावा, आप अबीर बैनर्जी, पी. डी. जेम्स, सारा पेरेट्सकी, स्यू ग्राफ्टन, एंड्रिया केमिलेरी, पैट्रीशिया हाईस्मिथ, हाकन नेसर, जॉन ली केरे, गिल्लियन फ्लिन, बसीम खान, स्टीफन किंग, ली चाइल्ड, पौला हॉकिंस, सुजाता मेसी... और भी बहुत सो को पढ़ना चाहेंगे। जाइए, उन्हें ढूंढिए और पढ़िए।

स्तंभकार बच्चों की लेखिका और वरिष्ठ पत्रकार हैं।

एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

मंडल गति

रोटरी क्लब चिदम्बरम - रो ई मंडल 2981

क्लब के उनके आधिकारिक दौरे के दौरान डीजी एस पिराइयों द्वारा चिदम्बरम रेल्वे स्टेशन पर एक पुलिस चौकी का अनावरण किया गया। रोटेरियन एस आर रामनाथन द्वारा दान की गई वह चौकी रोटरी की सार्वजनिक छवि में वृद्धि करेगी।

रोटरी क्लब रासीपुरम - रो ई मंडल 2982

शहर के निकट पुदुपलायम गाँव के किसानों को ₹36,000 की लागत की बकरियाँ दी गई। क्लब द्वारा ₹2,000 में सभी बकरियों का बीमा कराया गया। लाभार्थी उनमें से एक बकरी क्लब को वापस करेंगे जिसे बदले में अन्य जरूरतमन्द किसानों को दिया जाएगा। यह परियोजना 10 वर्षों से लगातार चल रही है।

रोटरी क्लब दिल्ली साउथएक्स - रो ई मंडल 3011

राजधानी के निकट मस्जिद मोठ गाँव में एक विशाल स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। विभिन्न विकारों के लिए 200 से अधिक मरीजों को परामर्श एवं उचित इलाज प्रदान किया गया। खून की कमी, कैल्शियम की कमी और कुछ सामान्य बीमारियों के लिए मरीजों को दवाइयाँ दी गई।

रोटरी क्लब मदुरई - रो ई मंडल 3000

अंदरकोत्तरम गाँव में महिलाओं के लिए एक विशेष चिकित्सीय शिविर का आयोजन किया गया जिसमें वेलम्मल अस्पताल, मदुरई, से आए पाँच डॉक्टरों एवं पराचिकित्सकों ने मातृ मुद्दों, गर्भाशय की समस्याओं और मधुमेह पर मरीजों की जांच की। इस शिविर से लगभग 200 महिलाऐं लाभान्वित हुई।

विधियाँ

रोटरी क्लब गाज़ियाबाद - रो ई मंडल 3012

WinS परियोजना के अंतर्गत एक सरकारी स्कूल में डीजीई दीपक गुप्ता द्वारा पेयजल एवं हाथों की धुलाई के स्टेशनों के साथ-साथ लिंग-पृथक शौचालय खंडों का उद्घाटन किया गया।

रोटरी क्लब नासिक रोड - रो ई मंडल 3030

सिन्नार स्थित ब्रेव्स स्कूल में विद्यार्थियों के लिए एक दंत शिविर का आयोजन किया गया। मौखिक स्वच्छता पर एक जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया जिससे 250 से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित हुये।

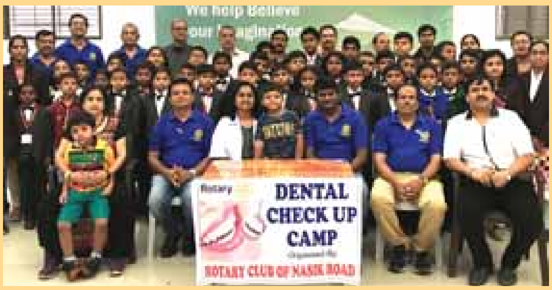

रोटरी क्लब करनाल - रो ई मंडल 3080

मैंगलुरु में एनिमल वेलफेयर सोसाइटी की महिलाओं के लिए दूध उत्पादन पर एक पाँच दिवसीय व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 30 प्रतिभागियों का सम्बोधन विशेषज्ञ रोटेरियन डॉक्टर वी के कालरा ने किया। कॉलेज ऑफ वेटेरनरी साइन्स, मेरठ, के डीन डॉक्टर राजबीर सिंह विशेष अतिथि थे।

रोटरी क्लब फरीदकोट - रो ई मंडल 3090

एक सरकारी स्कूल में वैश्विक हाथों की धुलाई दिवस मनाया गया जिसके तहत बच्चों ने हाथों की धुलाई के स्टेशनों पर उनके हाथों को धोकर स्वयं को स्वच्छ कैसे रखना है, का नमूना रोटेरियनों को दिया। बेहतर स्वच्छता आदतों को अपनाने की आवश्यकता पर रोटेरियनों ने विद्यार्थियों के साथ बातचीत की।

रोटरी क्लब धुले फेमिना - रो ई मंडल 3060

रोटेरियानों एवं सहवासियों की मौजूदगी में डीजी पिंकी पटेल द्वारा बालिका आश्रम में एक सैनिटरि नैपकिन वेंडिंग मशीन का उद्घाटन किया गया। इस सुविधा से आश्रम में रहने वाली महिलाओं की बेहतर मासिक धर्म स्वच्छता सुनिश्चित होने की संभावना है।

रोटरी क्लब मुरादाबाद अचीवर्स - रो ई मंडल 3100

शहर के वेद मंदिर स्कूल में रोटेरियनों ने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को नए कंबल बांटे। क्लब ने विद्या मंदिर एवं *टाइम्स ऑफ इंडिया* के सहयोग से कक्षा 7 से 12 के विद्यार्थियों के लिए 'स्पॉट दी आइन्सटाइन' प्रतियोगिता का आयोजन भी किया।

रोटरी क्लब मीरा रोड - रो ई मंडल 3141

एक कार्यक्रम में चार वोकेशनल एक्सीलेंस अवार्ड्स; सार्वजनिक जीवन में उत्कृष्ट काम करने वालों को तीन सेवा पुरस्कार; खेल-कूद में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को दो राइज़िंग स्टार्स; और रोटेरियन आनंद भटकल को मीरा भायंदर रत्न अवार्ड प्रदान किए गए। इससे पूर्व, जल संरक्षण एवं नवीकरणीय ऊर्जा पर एक सत्र का आयोजन भी किया गया था।

रोटरी क्लब जेम्स निज़ामाबाद - रो ई मंडल 3150

शहर की मुख्य सड़कों से 100 रॉयल एनफील्ड बुलेट सवारों के साथ यातायात जागरूकता, शांति और एकता पर एक रैली निकाली गई। समापन बिन्दु पर, बाइक सवार भारत के बड़े से नक्शे के सामने तिरंगा लिए खड़े थे इसने रोटरी की सार्वजनिक छवि को बढ़ाया।

रोटरी क्लब नेल्लोर - रो ई मंडल 3160

शहर में -PSRTC बस टर्मिनस, रोटरी क्लब हॉल और गांधी प्रतिमा केंद्र, मुठुकर बस अड्डे पर एक पोलियोप्लस कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 1,000 बच्चों का टीकाकरण किया गया। रोटरी जनरल हॉस्पिटल में, 200 से अधिक मरीजों की जांच की गई और नि:शुल्क दवाइयाँ दी गई।

रोटरी क्लब मापुका - रो ई मंडल 3170

क्लब अध्यक्ष अजय मेनन के अनुसार, 58 नए सदस्यों के साथ एक नए रोटरी क्लब, रोटरी क्लब बारडेज़ कोस्टल, गोवा का ''20वां रोटरी क्लब, की स्थापना की गई, जिससे चार्टर सदस्यों की सबसे अधिक संख्या का 20 वर्षीय पुराना कीर्तिमान टूट गया, जो पहले डीजी रवीकिरण कुलकर्णी के नाम था।''

विधियाँ

रोटरी क्लब कोचीन ईस्ट - रो ई मंडल 3201

स्वलीन बच्चों के लिए वेचूर वैकम स्थित तेजस स्पेशल स्कूल में डीजी की प्राथमिक परियोजना *सूर्या* के तहत एक स्कूल बस दान की गई। रोटेरियनों की मौजूदगी में मंडल निदेशक राजमोहन नायर ने बस को हरी झंडी दिखाई।

रोटरी क्लब काटपाडी - रो ई मंडल 3231

डॉक्टर अग्रवाल आइ हॉस्पिटल के सहयोग से क्लब के हैप्पी विलेज कारीग्रेरी में एक नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। शिविर से 250 से अधिक लोग लाभान्वित हुये और उनमें से 25 को नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशनों के लिए चेन्नई भेजा गया।

रोटरी क्लब चेन्नई कोराट्टूर - रो ई मंडल 3232

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के फील्ड आउटरीच ब्यूरो के सहयोग से एक सिद्ध चिकित्सीय शिविर का आयोजन किया गया। दक्षिणी भारत के विभिन्न हिस्सों के पारंपरिक चिकित्सकों ने 1,000 से अधिक मरीजों का इलाज किया। डीजीएनडी एस मुथु पालनीयप्पन ने चिकित्सकों का अभिनंदन किया।

रोटरी क्लब पटना - रो ई मंडल 3250

शहर के राजेंद्र नगर सुपर स्पैशलिटी हॉस्पिटल में मोतियाबिंद सर्जरी के एक शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 10 मरीजों का इलाज किया गया। क्लब ने उन्हें दवाइयाँ एवं कंबल प्रदान किए।

रोटरी क्लब ज़ेपोर - रो ई मंडल 3262

दी होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सहयोग से एक तीन दिवसीय गतिशील होम्योपैथी शिविर का आयोजन किया गया। 340 से अधिक मरीजों की जांच की गई और उन्हें दवाइयाँ प्रदान की गई।

वी मुत्तुकुमारण द्वारा संकलित
एल गुणाशेकरण द्वारा रुपांकन

Subscribe NOW!

Annual Subscription (India)

Print version	e-Version
₹420/-	₹360/-

(with effect from July 2019)

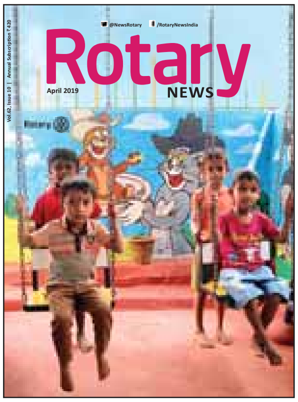

for Rotary News Print Version & e- Version

For the Rotary year 2019 – 2020

Print version ☐ e- Version ☐

	English	Hindi	Tamil
No. of Copies			

For every new member the pro-rata is ₹35 a month.

As concerned citizens of the world, those of you who are alarmed at the degradation of the environment and slaughter of trees, kindly opt for our e-Version.

Please attach the TYPED list of individual members with their complete address, PIN code, Mobile number and e-mail ID. Intimate language preference (English/Hindi/Tamil) against each member's name. Please do not send the Semi-annual Report for address list.

Rotary Club of .... RI District ....

Name of the President/Secretary ....

Address ....

....

....

City .... State .... PIN ☐☐☐☐☐☐

STD Code .... Phone: Off. .... Res. ....

Mobile ....E-mail ....

Cheque/DD No. .... Dated .... for Rs. ....

Drawn on ....

in favour of "ROTARY NEWS TRUST" payable at CHENNAI is enclosed.

Date: President/Secretary

Mail this form to:
Rotary News Trust, Dugar Towers, 3rd Floor, 34, Marshalls Road, Egmore, Chennai 600 008.
Tamil Nadu, India. Ph: 044 4214 5666, e-mail: rotarynews@rosaonline.org

Subscription norms

1. Subscription is for the Rotary year (July to June).
2. **It is mandatory for every Rotarian to subscribe to a Rotary magazine.**
3. The annual subscription for print version is ₹420 per member.
4. Subscription for the full year must be sent in July, in the prescribed form.
5. Those joining after July can pay only for the remaining Rotary year at ₹35 an issue.
6. Subscription account of the club with *Rotary News* is a running account and does not cease at the end of June every year.
7. Names of all members, with their complete postal address with **PIN CODE,** mobile number and e-mail ID must be typed and sent along with the form and DD/cheques payable at par.
8. Copies of Semi Annual Report **SHOULD NOT** be sent as address list.
9. Language preference (English, Hindi and Tamil) should be stated alongside member's name.
10. **Members, please ensure that your name is included in the Subcribers' list that your club sends us. Often, names of members who have paid their subscription, are left out from the club list.**
11. Clubs must inform *Rotary News* about reduction in number of members, if any, before or in May. Please help reduce wastage of copies.
12. Clubs are liable to pay for the number of magazines we despatch according to the list available at Rotary News Trust.
13. Unpaid dues of the club will be shown as outstanding against the club. Any payment received subsequently will be adjusted against earlier dues.
14. **Clubs with subscription arrears will be notified to RI and may face possible suspension.**
15. We are in the process of tallying our subscriber list with RI membership from India.
16. If you want to switch to *The Rotarian*, please do so. But inform us **immediately** to avoid receipt of *Rotary News*. Or else your club will have to pay for it.

सचेत भोजन

शीला नाम्बियार

सचेत भोजन, खाने की प्रक्रिया पर जानबूझकर ध्यान देने का अभ्यास है। यह खाने को लेकर एक गैर-आलोचनात्मक दृष्टिकोण है। हमें ध्यान देना चाहिए कि हम क्या, कैसे, क्यों और कब खाते है, किसी आत्म-आलोचना या निर्णय के बिना इस प्रक्रिया के पर्यवेक्षक की तरह। यह आंतरिक और बाहरी संकेतों को समझने की प्रक्रिया है जो हमारी खाने की आदतों और खाने के पहले, खाने के दौरान एवं खाने के बाद की हमारी भावनात्मक, शारीरिक और मानसिक अवस्था को समझने और उसे स्वीकारने में एक भूमिका निभाती है।

खाने और भोजन करने का कारण हमेशा भूख नहीं होता। वास्तव में, भूख केवल हमारे खाने के कारणों में से एक है। वास्तव में भूख और संतृप्ति को भूख लगने के एकमात्र संकेत होना चाहिए। इससे हमें वर्तमान में मौजूद मोटापे के प्रकोप का सामना किये बिना अपने वजन को संतुलित बनाए रखने में मदद मिलेगी। लेकिन हम भोजन के असीमित विकल्पों के साथ ही खाने को लेकर अन्य सामाजिक अनुसंकेतों एवं भावनात्मक प्रतिक्रियाओं का सामना कर रहे है। यह ख़ासकर तब सच होता है जब बचपन से ही अत्यधिक खाने या शौकिया तौर पर खाने की आदत शुरू हो जाती है।

वयस्क अक्सर बच्चों को क्षमता से अधिक खाने पर दबाव डालते है। 'पूरा खत्म करो,' बच्चों को दिया जाने वाला यह निर्देश अक्सर उन अभिभावकों/अभीक्षकों के मुंह से सुनने में आता है जो हमेशा बच्चों की उचित खाने की आवश्यकता से अवगत नहीं होते। बच्चों को जबरदस्ती भोजन खिलाना एक आम बात है। भोजन का उपयोग अक्सर दावत के रूप में या कभी-कभी ना देकर सजा के तौर पर भी होता है। इजब आप तनावग्रस्त या बोर होते है तो शायद ही कभी आप फूलगोभी खाना चाहेंगे। अधिक संभावना है कि आपके हाथ में कुरकुरे नमकीन/मीठे/खट्टे की लत लगाने वाला एक चिप्स का पैकेट या नुकसानदायक मिठाई ही होगी।

शुरुआती बचपन के ये अनुभव हमारे शरीर से आने वाली भूख/संतृप्ति के संकेतों को समझने की हमारी क्षमता को मंद कर देते है और हमें तनाव या बैचेनी के समय संतुष्टि प्राप्त करने के लिए भोजन का उपयोग करने हेतु प्रोत्साहित करते है। एक और बात है जो हमारे मन में गहराई से समायी हुई हो सकती है - इमुझे एक निश्चित समय पर खाना खाना हैफ- चाहे भूख हो या ना हो, जो एक बार पुनः भूख और संतृप्ति के प्रति हमारे शरीर की वास्तविक अनुक्रिया को मंद कर देता है।

भोजन के प्रति हमारी भावनात्मक प्रतिक्रिया के अलावा, अन्य बाहरी कारक भी है जो इस बात को प्रभावित कर सकते है कि हम कितना और क्या खाते है। उदाहरण के लिए - कमरे की रोशनी भोजन के सेवन को प्रभावित कर सकती है। क्या कभी सोचा है कि फ़ास्ट फ़ूड की दुकानें चमकीली रोशनी से जगमग क्यों रहती है? यह भोजन के सेवन को बढ़ाता है। आपको आपकी आवश्यकता से अधिक खाने के लिए प्रोत्साहित करेगा। परिवेश मायने रखता है। उसी प्रकार बर्तन और छुरी-काँटे का आकार भी मायने रखता है। एक अध्ययन में पाया गया कि जब लोगों को छोटी प्लेटों में खाना दिया जाता है तो वे 25 प्रतिशत तक कम खाते है (यद्यपि खाने की मात्रा पर कोई प्रतिबंध नहीं था और वे जितना चाहे उतना खा सकते थे।)

भोजन करते समय अन्य अनर्थकारी विकर्षण जो बेपरवाह भोजन करने को उकसाते है वे है टेलीविज़न, टेलीफोन या अन्य प्रकार के दृश्य उपकरण। विज्ञापन हमारी भावनाओं के साथ खिलवाड़ करते है। कल्पना कीजिए, आप अच्छे से रात्रिभोज करने के बाद टीवी देख रहे है... और तभी आइसक्रीम का एक विज्ञापन आता है। क्या अपने आप आपका दिमाग उस आइसक्रीम के टब पर नहीं जाएगा जिसे आप आपके फ्रीज़र में रखकर भूल गए थे? या क्या आपको तुरंत ही ऐसा नहीं लगेगा कि अपने फ़ोन की फूड डिलिवरी एप पर जाएं और उस विशेष फ्लेवर के लिए ऑर्डर करें। यह होती है विज्ञापन की शक्ति। बड़ी खाद्य कंपनियाँ अपने उत्पादों को बेचने के लिए इस तरह के विज्ञापन बनाने में भारी मात्रा में पैसा खर्च करती है और हमें उकसाती है कि हमारे पास ठीक उसी समय वह चीज़ मौजूद हो। भोजन का चुनाव करते समय इन प्रभावों से अवगत होना महत्वपूर्ण है।

बेपरवाह भोजन

इस बात पर ध्यान ना देते हुए बिना सोचे समझे खाना कि हम क्या या क्यों खाते है, बहुत आम है। हम सभी के मन में हमारे भोजन के बारे में पूर्व कल्पना रहती है। आपमें से कितने लोग वास्तव में यह मानते है कि आपको प्रतिदिन तीन बार भोजन और दो बार अल्पाहार लेना चाहिए भले ही आपको वास्तव में इसकी आवश्यकता ना हो? क्या आपने स्वयं से पूछा है कि क्या आप वास्तव में भूखे है? जब आप भोजन के लिए आपके द्वारा किए गए चुनावों के कारणों से अनजान होते है, या आपको यह याद नहीं रहता कि आपने अभी क्या खाया है।

बेपरवाह भोजन तब भी होता है जब हम सामाजिक या पारिवारिक महफ़िल में होते है और बाकि सभी लोग विलासी प्रवृत्ति के हो। खाने के अनेक विकल्प, एक उत्साहित मनोदशा, शराब, बढ़िया सोहबत सभी हमको हमारी आवश्यकता से अधिक खाने के लिए आकर्षित कर सकते है।

गलत तरह का खाना खाना, वजन बढ़ना, दीर्घकालिक बीमारियाँ एवं शारीरिक संकेतों का मंद पड़ जाना, ये सब बेपरवाह भोजन करने के परिणाम है, जबकि इससे अवसाद, तनाव आदि जैसे वास्तविक मसले हल नहीं होते है।

सचेत भोजन कैसे करें भोजन

अपने शरीर की सुनें । जब हमारे सामने हमारा प्रिय भोजन हो तो हम अक्सर परिपूर्णता की भावना को अनदेखा करते है। या हम हमारे किसी प्रिय भोजन को खाने के बाद उससे होने वाली परेशानी की उपेक्षा करते है।

अपनी सोच पर ध्यान दें । कुछ बातें बचपन से ही मन में बैठ जाती है, और कुछ दोस्तों, विज्ञापनों, फैड

डाइट, या बड़ी खाद्य कंपनियों के माध्यम से हमारे मन में बैठ जाती है। आप शायद इन बातों या पुरानी आदतों की वजह से भोजन का चुनाव करते है। इससे और इसके परिणामस्वरूप आचरण के प्रति सचेत रहें।

भोजन के सेवन को एक आनंददायक अनुभव बनाएं | हम हमेशा ऐसा नहीं कर सकते। एक मध्याह्न नाश्ता अल्प भोजन हो सकता है, लेकिन हम सही ढंग से भोजन करने के लिए शाम को बैठ सकते है, बातचीत करते हुए उसका आनंद ले सकते है। भोजन, स्वाद, और संगत पर ध्यान दें। उस पल में रहें और सचेत रहें।

सभी विकर्षणों को दूर कीजिए | टेलीविज़न, स्मार्ट फ़ोन या आपका कंप्यूटर वे विकर्षण हो सकते है जो आपको आपके भोजन पर वास्तव में ध्यान देने से रोकते है।

आपके शरीर और खाने के प्रति गैर-आलोचनात्मक बनिए | भोजन के साथ ख़राब सबंध अक्सर आपके शरीर के साथ समान तरह के संबंध से जुड़ा होता है। सभी एक जैसे नहीं होते, उदाहरण के लिए, हो सकता है उन्हें आपकी तरह दुग्धशर्करा की समस्या ना हो। केवल इस बात पर ध्यान देकर कि आपका स्वयं का शरीर कैसी प्रतिक्रिया देता है आप उचित प्रतिक्रिया दे सकते है। यदि आप लगातार इस बात पर आत्म आलोचनात्मक हो रहे है कि आप कितना खाते है या एक चम्मच अधिक खा लेने पर दुखी हो रहे है, तो बहुत ही कम समय और प्रयास है जिसे आप वास्तव में ध्यान देने पर लगा सकते है। आप आत्म समालोचना करने में ही बहुत व्यस्त है। इसके बजाए ये सब बंद कीजिए और ध्यान दीजिए।

खाने को समझिए | जहाँ आपको इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि आप क्या खाते है वहीं आपको भोजन और पोषण की बुनियादी बारीकियों को भी समझने की जरूरत है। खाद्य समूह क्या है? एक शाकाहारी को उसका प्रोटीन कहाँ से मिलता है? परोसने की मात्रा क्या है? क्या इस भोजन में योगज/परिरक्षक है? ये वो सवाल है जो आपको स्वयं से पूछना चाहिए और उनका जवाब ढूँढना चाहिए। जब आपको खाने के बारे में पर्याप्त जानकारी हो तो उचित चुनाव करना काफी आसान होता है। आपको अपने स्वयं के भोजन का प्रबंधन करने में सक्षम होने के लिए पोषण विज्ञान की एक डिग्री की आवश्यकता नहीं है, लेकिन आपमें भोजन को लेकर अत्यधिक जागरूकता और समझ होने की आवश्यकता है। शायद यही वह पड़ाव है जिसे अधिकतर लोग किसी प्रसिद्द व्यक्ति या आपके दोस्त, जिसने कुछ वजन कम किया हो, से सलाह लेने के इंतजार में नज़रंदाज़ करते है। आप उनकी तरह नहीं है। आपको पता लगाना होगा की आपके लिए क्या कारगार होगा।

उस पल में मौजूद रहें | उस पल का आनंद लें। चाहे वह साधारण सा नाश्ता हो या एक पांच-श्रृंखला का भोजन, उसका स्वाद लें, उसका आनंद लें, अच्छी तरह चबाएं, स्वाद, बनावट, खुशबू और दिखावट पर ध्यान दें। हम अपनी स्वाद कलिकाओं पर भरोसा किये बिना ही नहीं खा लेते। हमारी सभी इन्द्रियों के माध्यम से भोजन का अनुभव करना संतृप्ति को बढ़ाता है।

खाने को पहचानिए | पहचाने कि कैसे बाहरी संकेत आपके खाने को प्रभावित करते है। खाने और पीने के विज्ञापन हमें बहुत प्रभावित करते है। इसे एक बाहरी संकेत समझिए ना कि वह जिसकी आपके शरीर को आवश्यकता है। थालियों, चम्मचों और कटोरियों के आकार इस बात को प्रभावित करते है कि हम कितना खाते है। बड़ी थालियाँ और कटोरियाँ हमें अधिक खाने के लिए प्रोत्साहित करती है। दूसरो के भोजन की खुशबू, दिखावट और ध्वनी भी इस बात को प्रभावित करती है कि हम कितना खाते है। हमारे आसपास की रोशनी, संगीत, बातचीत हमारे अपने बर्ताव के लिए महत्वपूर्ण संकेत है।

सक्रिया कारकों की जागरूकता : खाने के लिए आपको सक्रिय करने वाले कारकों के प्रति जागरूक रहें। कुछ विशेष कारक हो सकते है जो आपको ज्यादा या कम खाने के लिए प्रेरित करते है। उन पर ध्यान दें। उदाहरण के लिए:

खाने के लिए सकारात्मक कारक - (परिवार मिलाप, उत्सव, जलसा)

— सचेत भोजन के सिद्धांतों को लागू करें
— उस प्रक्रिया का आनंद लें

खाने के लिए नकारात्मक कारक - (तनाव, क्रोध, अवसाद, नीरसता)

— खाने के बजाए करने के लिए वैकल्पिक गतिविधियों की सूची तैयार करें
— इस बात को समझें कि भोजन इस वर्तमान समस्या को हल नहीं कर सकता।

लेखिका एक जीवनशैली परामर्शदाता हैं
और अनसे सम्पर्क करने के लिए
sheela.nambiar@gmail.com पर करें।
वेबसाइट - www.drsheelanambiar.com

Rotary News Subscription Remittances

You can pay the Rotary News / Rotary Samachar subscription online

Our Bank details:

Bank	:	HDFC Bank SB Account
Branch	:	Egmore, Chennai
A/c Name	:	Rotary News Trust
A/c No.	:	50100213133460
IFSC Code	:	HDFC0003820

E mail us following details:

Name of Club

President/Secretary's name

Amount/Date of transfer/UTR Number

For physical payment by cheque or cash in bank, write **Club Name only** without prefixing "Rotary club of". Eg. Rotary Club of Delhi Central should be written: Delhi Central.

RI Exchange Rate - May 2019

$1 = ₹70

Rotary at a glance

Rotarians	:	12,24,128
Clubs	:	35,930
Districts	:	538
*Rotaractors	:	161,311
Clubs	:	9,927
*Interactors	:	551,839
Clubs	:	23,993
RCC	:	10,303

**Estimated*

As on April 11, 2019

Membership Summary

As on April 1, 2019

RI District	Rotary Clubs	No of Rotarians	Women Rotarians	Rotaract Clubs	Interact Clubs	RCC
2981	114	4,716	212	41	232	203
2982	69	3,108	163	69	117	53
3000	130	5,467	535	233	686	203
3011	82	3,501	736	47	115	25
3012	91	3,584	804	54	131	56
3020	77	4,076	228	56	466	349
3030	91	4,949	619	81	326	179
3040	95	2,114	240	33	135	142
3053	69	3,069	545	10	57	96
3054	128	6,321	1,113	77	324	475
3060	103	4,355	567	59	127	138
3070	103	3,171	342	47	164	58
3080	81	3,453	302	74	226	109
3090	79	2,019	65	36	39	122
3100	78	1,929	118	12	78	146
3110	116	3,862	317	30	52	104
3120	76	3,244	397	31	63	52
3131	132	5,526	1,229	95	312	90
3132	98	3,939	414	38	216	151
3141	95	5,663	1,355	111	273	84
3142	95	3,511	663	76	205	64
3150	95	3,618	367	60	249	109
3160	73	2,568	159	27	48	81
3170	126	5,707	638	59	347	164
3181	81	3,664	331	57	271	115
3182	85	3,382	257	28	278	95
3190	128	5,112	697	125	371	52
3201	144	5,447	346	95	141	49
3202	130	5,079	258	78	447	47
3211	139	4,490	291	8	98	128
3212	99	4,122	329	95	292	142
3231	82	3,433	320	49	216	305
3232	119	4,967	799	116	350	83
3240	88	3,123	402	49	170	171
3250	102	3,927	690	61	217	177
3261	73	2,649	346	9	112	43
3262	91	3,438	421	38	77	76
3291	147	3,753	734	84	136	601
India Total	**3,804**	**150,056**	**18,349**	**2,348**	**8,164**	**5,337**
3220	72	2,025	285	77	213	73
3271	88	1,543	255	54	19	16
3272	147	2,525	384	51	40	40
3281	208	5,807	854	222	94	189
3282	148	4,162	422	124	49	43
3292	117	4,641	718	122	130	113
S Asia Total	**4,584**	**170,759**	**21,267**	**2,998**	**8,709**	**5,811**

Source: RI South Asia Office

On the racks

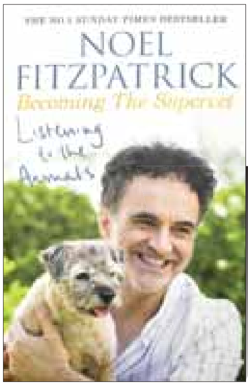

Listening to the Animals: Becoming the Supervet

Author : **Noel Fitzpatrick**
Publisher : **Hachette India**
Pages : **375; ₹499**

In this memoir, Noel Fitzpatrick recounts the surprising journey where he leaves behind a farm animal practice in rural Ireland to set up *Fitzpatrick Referrals* in Surrey, one of the most advanced small animal specialist centres in the world. We meet the animals that paved the way, from calving cows and corralling bullocks to talkative parrots and bionic cats and dogs. Noel has listened to the many lessons that the animals in his care have taught him. He also shares the time spent with his beloved Keira, the scruffy Border Terrier who has been by Noel's side at all times, when he went through the unbelievable highs and crushing lows of his extraordinary career.

As heart-warming and life-affirming as the TV show with which he made his name, *Listening to the Animals* is a story of love, hope and compassion, and about rejoicing in the bond between humans and animals.

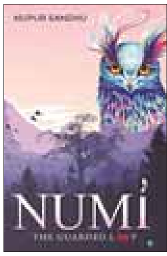

NUMI - The Guarded Loop

Author : **Nupur Sandhu**
Publisher : **Blue Rose Publishers**
Pages : **120; ₹190**

The book takes us through the mystic and intriguing journey of Nuha, a sensitive young girl. She has already hit the quintessential milestones of life, yet continues to look for the oasis, searching for vistas unknown. She morphs from a jovial youngster to an enlightened soul, after inculcating the art of being in sync with the supreme Creator.

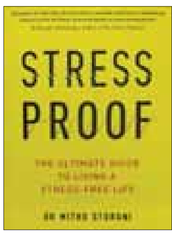

Stress Proof

Author : **Dr Mithu Storoni**
Publisher : **Hachette India**
Pages : **261; ₹399**

In this book, Mithu Storoni gives you all the tools you need to handle stress and positively boost your mental and physical well-being. The author helps you to prevent small stressful incidents turning into a situation where you are faced with inflammation, anxiety, depression and other cronic health issues.

The different chapters examine common stress agents and suggest simple ways to minimise their harmful effects.

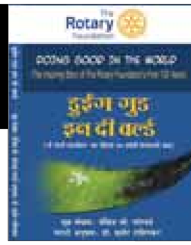

Doing Good in The World

Translated by : **Dr Sudhir Rashingkar**
Publisher : **Dilipraj Publication**
Language : **Hindi and Marathi**
Pages : **220; ₹300**

In the book on TRF, Rashingkar describes the Foundation's journey over 100 years, documenting its history, programmes and the difference Rotarians have made around the world.

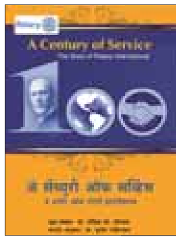

A Century of Service: The Story of Rotary International

Translated by : **Dr Sudhir Rashingkar**
Publisher : **Dilipraj Publication**
Hindi and Marathi
Pages : **320; ₹450**

With special permission from RI, Sudhir Rashingkar has translated this book that showcases the spirit of service of Rotary International, a nonprofit dedicated to improving the human condition. The book talks about how Rotarians remain committed to helping their communities and the world beyond. It also throws light on the men and women behind the world's premier service organisation. The book contains stories of ordinary people doing extraordinary work.

The above two books are available to Rotarians at concessional price of ₹500 plus courier/postage charges.

Compiled by Kiran Zehra
Designed by Krishnapratheesh S

इतिहास, युद्ध नायकों पर अलग-अलग धारणाएँ

टीसीए श्रीनिवासा राघवन

यदि आप सोच रहे है कि इस गर्मी में कहा जाएँ, तो पुर्तगाल जाकर देखिये। पिछली गर्मी में मैं वहाँ गया था क्योंकि वह एक ऐसा देश है जहाँ मैं हमेशा से जाना चाहता था। वह नाविक प्रिंस हेनरी का देश था जिन्होंने 1425 और 1450 के मध्य पश्चिमी अफ्रीकी तट के साथ-साथ अटलांटिक में पुर्तगाली खोजों की शुरुआत की थी। इसके बारे में आप अनेक किताबों में पढ़ सकते है, पर साइमन विंचेस्टर की किताब अटलांटिक से बेहतर अन्य कोई किताब नहीं है। पुर्तगाल सभी अपेक्षाओं से अधिक है। यह वाकई में एक अद्भुत देश है पर, आश्चर्यजनक रूप से, यह भारतीय पर्यटकों के राडार पर नहीं है। इस तथ्य के बावजूद भी कि उस देश की यात्रा करना बहुत सस्ता है। दो लोगों के लिए एक दिन के 100 यूरो पर्याप्त है, जिसमें शहर के बीच में एयरबीएनबी का किराया भी शामिल है।

यात्रा की शुरुआत हमने उत्तर में पोर्टो नामक एक शहर से की और फिर हम दूरो घाटी में पीनोइर नामक एक पहाड़ी शहर में रुकते हुए धीरे-धीरे ट्रेन से नीचे की ओर लिस्बन तक आए। नाविक हेनरी लगभग 250 मील दूर तोमार नामक एक छोटी पहाड़ी पर बसी एक छोटी सी बस्ती में रहते थे जिसमें एक बड़ा सा महल और गिरिजाघर बना हुआ था। उनके घर के अवशेष अब भी वहाँ है। वहाँ पहुँचने के लिए हमें तीन ट्रेनें लेनी पड़ी। यह एक खूबसूरत जगह है जिसकी आबादी केवल 20,000 है। एक बड़ी व्हिस्की की कीमत केवल 2 यूरो है और खाना 6 यूरो का है। और ध्यान दीजिये, ऐसा जुलाई में था जो कि यूरोप में पर्यटन का पीक सीज़न होता है।

लेकिन यह लेख पर्यटन के बारे में नहीं है। यह इस बारे में है कि कैसे देश उनके इतिहास और उनके नायकों के साथ बर्ताव करते है। दो देश जिनमें भारतीयों का हित है वे पुर्तगाल और इंग्लैंड है। दोनों के मध्य तुलना एकदम कड़ी है। पुर्तगालियों ने भारत के एक हिस्से - हालांकि छोटे से - पर अंग्रेजों के मुक़ाबले लंबे समय तक शासन किया, 190 वर्षों के बदले में 450 वर्ष। गोवा 1510 से 1962 तक पुर्तगालियों के शासन में था। वह आदमी जिसने इसे संभव बनाया - वास्को डी गामा - को पुर्तगाल में भुला दिया गया है। वास्तव में, बारटोलोमीयु डायस और पेड्रो कैब्रल जैसे अन्य लोगों को भी जिन्होंने विषम परिस्थितियों का सामना करते हुये समुद्री यात्राएं की। अधिकांश जहाज कभी वापस नहीं लौटे। डूबने से मृत्यु होने का एकमात्र परिणाम था।

पुर्तगाल में आपको गिरजाघरों में युद्ध पताकाएँ नहीं दिखती है। इंग्लैंड में आपको सबसे पहली चीज़ यही दिखती है।

वास्को डी गामा के अवशेषों को कोचीन से स्थानांतरित करके लिस्बन के एक आलीशान गिरजाघर में दफनाया गया है जो उस स्थान से आधा किलोमीटर दूर है जहाँ से वह भारत के लिए समुद्री यात्रा पर निकले थे। लेकिन आज उस जगह, बेलेम, को वास्को डी गामा से अधिक उसकी लजीज पैस्ट्रियों के लिए जाना जाता है। यह विस्मृति आश्चर्यजनक है, इस बात को ध्यान में रखते हुये कि उनके और फर्डीनांड मेगलन के बिना, पुर्तगाल शायद कभी भी इतना समृद्ध समुद्री एवं औपनिवेशिक ताकत नहीं बन पाता।

वहीं इंग्लैंड इसके ठीक उलट है। सबसे बड़ा अंतर दोनों देशों द्वारा उनके नायकों एवं गिरजाघरों के साथ किए जाने वाले बर्ताव का है। पुर्तगाल में, वे पूजा स्थलों का उपयोग उनके युद्धों एवं युद्ध नायकों को गौरवान्वित करने के लिए नहीं करते है। इंग्लैंड में वे ऐसा करते है, भले ही युद्ध कितना भी मामूली रहा हो या ''नायक'' का योगदान कितना भी कम रहा हो। पुर्तगाल में आपको गिरजाघरों में युद्ध पताकाएँ नहीं दिखती है। इंग्लैंड में आपको सबसे पहली चीज़ यही दिखती है। पुर्तगाल युद्ध का गुणगान नहीं करता है। इंग्लैंड करता है। यहाँ तक कि जिस विशाल गिरजाघर में वास्को डी गामा को दफनाया गया है, वहाँ भी युद्ध के कोई स्मारक नहीं है। इंग्लैंड में, हर एक गिरजाघर में अधिक नहीं तो कम से कम एक ऐसा स्मारक तो अवश्य होता है।

इसलिए भले ही अंग्रेजों ने स्कूलों में अपने शर्मनाक औपनिवेशिक इतिहास को पढ़ाना बंद कर दिया हो, इंग्लैंड के गिरजाघर लगातार विश्वासपात्रों को यह याद दिलाते है कि - इसकी अनेक और असाधारण कलात्मक, राजनैतिक, दार्शनिक और वैज्ञानिक उपलब्धियों के बावजूद भी - दिल से इंग्लैंड एक आक्रामक देश था और अभी भी है। इंग्लैंड के फुटबाल प्रेमी इस बात की शोरभरी एवं भद्दी गवाही देते है। उनमें से कुछ को हमने पुर्तगाल में लिस्बन के ठीक बाहर कैसकाइस नामक एक छोटे कस्बे में देखा था।

पुर्तगाल, जो 1500 से लेकर लगभग 1650 तक ब्राज़ील और अंगोला समेत उपनिवेशों वाला अकेला समुद्री ताकत था, में आपको हर जगह उनके नायकों की मूर्तियाँ नहीं दिखती। इंग्लैंड में, यह दस्तूर है, यहाँ तक कि जानवरों के लिए भी। शायद यह विचित्र अंतर इसलिए है क्योंकि जहाँ पुर्तगाल ने उपनिवेश भगवान के नाम पर बनाएं, वहीं इंग्लैंड ने ऐसा व्यापार के लिए किया। भगवान केवल बाद में आए। यही चीज़ पुर्तगाल को इतना खास बनाती है। ■

2019 HAMBURG

Rotary | BE THE INSPIRATION

GOLDEN OPPORTUNITY to Meet Global Leaders

RID C. Baskar
&
Malathi Baskar

We cordially invite you
for the Traditional
South Asian Reception
@
Hotel Grand Elysee
Rothenbaumchaussee, Hamburg
between 05.00 pm – 07.00 pm

Chairman, Dr Saga
PDG Dr EK Sagadhevan
& Dr. Usha, RID 3202

The registration charges per person is Rs. 5,000.00 (EUR 65 / US $ 75)

PDG Dr EK Sagadhevan, Chairman – South Asian Reception
Lotus Hospital, 90, Thayumanavar Sundaram Street, Kollampalayam,
Erode – 638 002 Tamil Nadu, India Mob: +91 99944 77725E-mail: pdgdrsaga@gmail.com

Regn. No. TN/CCN/359/2018-2020
Licensed to post WPP No.TN/PMG(CCR)/WPP-421/2018-2020
Total number of pages in this monthly issue, including cover, 84. Price: ₹35
Registered with Registrar of News Papers for India TNHIN/2001/05271 Rotary Samachar Published on 1st of every month

ADVT

Rotary District 3012 | BE THE INSPIRATION R.I. THEME 2018-19

DR. SUBHASH JAIN AKS
District Governor 2018-19

Great Community Projects
by Clubs of District 3012

Solar Panel at Shelter Home "Sewa Ashram", Narela (Haryana) Donated by Rotary Club of Delhi Metro

Umeed ...Ek Nai Zindagi Ki "Victims of Burnt Cases" (Yearly Project) Rotary Club of Noida invites Teams of Doctors from Germany & Austria who perform the Operations at Parkash Hospital, Noida 45 Major Surgeries & 21 Minor Surgeries were performed.

Physiotherapy Machines donated to Jai Shri Ram Charitable Hospital, Pitam Pura, Delhi by Rotary Club of Delhi Karma